केन्द्रीय विद्यालय संगठन

KENDRIYA VIDAYALAYA SANGTHAN

क्षेत्रीय कार्यालय-पटना

REGIONAL OFFICE – PATNA

पाठ्य -सामग्री

सत्र-2023-24

कक्षा – बारहवीं

विषय – हिन्दी(आधार)

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्ष **2023-24** के लिए
जारी नवीनतम पाठ्यक्रम एवं प्रतिदर्श
प्रश्नपत्र पर आधारित

संरक्षक एवं मार्गदर्शक

मुख्य संरक्षक

श्री अनुराग भटनागर
उपायुक्त
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
पटना संभाग।

श्रीमती सोमा घोष **सहायक आयुक्त** केन्द्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग।	श्री पूर्णेन्दू मंडल **सहायक आयुक्त** केन्द्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग।	**श्री मनीष कुमार प्रभात** **सहायक आयुक्त** केन्द्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग।
श्री अशोक कुमार गुप्ता प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, गया		**डॉ. आमिना ख़ातून** उपप्राचार्या (संयोजिका) केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1, गया

संपादक मंडल

क्र. सं.	शिक्षक का नाम	विद्यालय का नाम
1	डॉ. नूपुर तिवारी	स्नातकोत्तर शिक्षिका, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1, गया
2	श्री वीरेन्द्र कुमार	स्नातकोत्तर शिक्षक, केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 2, गया
3	श्री सौरभ मिश्रा	केन्द्रीय विद्यालय , बरौनी, आई. ओ. सी.
4	श्री मोहित राज	केन्द्रीय विद्यालय, बिहटा, ए. एफ. एस.
5	श्री चन्द्र विन्द सिंह	केन्द्रीय विद्यालय, खगौल
6	श्री धर्मेन्द्र कुमार	केन्द्रीय विद्यालय, कंकड़बाग

अनुक्रमणिका

1. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्ष 2023-24परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन-
2. अपठित गद्यांश और काव्यांश
3. अभिव्यक्ति और माध्यम
   - विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन
   - पत्रकारीय लेखन के विविध रूप
   - विशेष लेखन स्वरुप और प्रकार
   - कैसे करें कहानी का नाट्य रूपान्तरण
   - कैसे बनता है रेडियो नाटक
   - अप्रत्याशित विषयों पर रचनात्मक लेखन

4.आरोह भाग – 2 (काव्य खण्ड)
   - कविता का सार
   - महत्त्वपूर्ण प्रश्न – बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ,तर्क आधारित प्रश्न,दक्षता आधारित प्रश्न व अभ्यास प्रश्न

5.आरोह भाग – 2 (गद्य खण्ड)
   - पाठ का सार
   - महत्त्वपूर्ण प्रश्न – बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ,तर्क आधारित प्रश्न,दक्षता आधारित प्रश्न व अभ्यास प्रश्न

6. वितान भाग -2
   - पाठ का सार
   - महत्त्वपूर्ण प्रश्न – बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर ,तर्क आधारित प्रश्न,दक्षता आधारित प्रश्न व अभ्यास प्रश्न

7. प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
   - अभ्यास प्रश्न पत्र हल सहित
   - अभ्यास प्रश्न पत्र हल सहित
   - अभ्यास प्रश्न पत्र हल रहित

7. महत्वपूर्ण लिंक

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा वर्ष 2023-24के लिए जारी प्रश्न-पत्र प्रारूप

हिंदी (आधार) (कोड सं. 302)
कक्षा - 12वीं (2023-24) परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन

- प्रश्न-पत्र दो खण्डों - खंड 'अ' और 'ब' का होगा|
- खंड 'अ' में 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे |
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे| प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे |

भारांक - 100 **निर्धारित समय – 3 घंटे**

खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)			
विषयवस्तु			**भार**
1		**अपठित बोध (बहुवैकल्पिक प्रश्न होंगे)**	**15**
	अ	01 अपठित गद्यांश पर आधारित 10 बहुविकल्पात्मक प्रश्न (अधिकतम 300 शब्दों का) (01 अंक x 10 प्रश्न)	10
	ब	01 अपठित पद्यांश पर आधारित 05 बहुविकल्पात्मक प्रश्न (अधिकतम 150 शब्दों का) (01 अंक x 05 प्रश्न)	05
2		**पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम की इकाई एक से पाठ संख्या 3, 4 तथा 5 पर आधारित**	**05**
		अभिव्यक्ति और माध्यम की इकाई 01 **से पाठ संख्या** 3,4 **तथा** 5 **पर आधारित** 05 **बहुविकल्पात्मक प्रश्न** (01 **अंक** x 05 **प्रश्न**)	05
3		**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न**	**10**
	अ	पठित काव्यांश पर आधारित 05 बहुविकल्पी प्रश्न (01 अंक x 05 प्रश्न)	05
	ब	पठित गद्यांश पर आधारित 05 बहुविकल्पी प्रश्न (01 अंक x 05 प्रश्न)	05
4		**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न**	**10**
	अ	पठित पाठों पर आधारित 10 बहुविकल्पी प्रश्न (01 अंक x 10 प्रश्न)	10

खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)			
विषयवस्तु			**भार**
5	**पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पाठ संख्या 3, 4, 5, 11, 12 तथा 13 पर आधारित**		**16**
	1	दिए गए 03 अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन (06 अंक x 01 प्रश्न)	06
	2	कहानी का नाट्यरूपांतरण/ रेडियो नाटक/ अप्रत्याशित विषयों के लेखन पर आधारित 02 प्रश्न (विकल्प सहित) (लगभग 40 शब्दों में) (02 अंक x 02 प्रश्न)	04
	3	पत्रकारिता और जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन पर आधारित 03 में से 02 प्रश्न (विकल्प सहित) (लगभग 60 शब्दों में) (03 अंक x 02 प्रश्न)	06
6	**पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2 एवं वितान पर आधारित**		**24**
	1	काव्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) (03 अंक x 02 प्रश्न)	6
	2	काव्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) (02 अंक x 02 प्रश्न)	4
	3	गद्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 60 शब्दों में) (03 अंक x 02 प्रश्न)	6
	4	गद्य खंड पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) (02 अंक x 02 प्रश्न)	4
	5	वितान के पाठों पर आधारित 03 प्रश्नों में से किन्ही 02 प्रश्नों के उत्तर (लगभग 40 शब्दों में) (02 अंक x 02 प्रश्न)	04
7	**(अ) श्रवण तथा वाचन**		**10**
	(ब) परियोजना कार्य		**10**
कुल अंक			**100**

निर्धारित पुस्तकें :

1. **आरोह, भाग–2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
2. **वितान, भाग–2,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित
3. **'अभिव्यक्ति और माध्यम',** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

नोट – पाठ्यक्रम के निम्नलिखित पाठ हटा दिए गए हैं

आरोह भाग - 2	काव्य खंड	• गजानन माधव मुक्तिबोध – सहर्ष स्वीकारा है (पूरा पाठ) • फ़िराक़ गोरखपुरी – ग़ज़ल
	गद्य खंड	• विष्णु खरे – चार्ली चैप्लिन यानी हम सब (पूरा पाठ) • रज़िया सज्जाद ज़हीर - नमक (पूरा पाठ)
वितान भाग - 2		• एन फ्रैंक - डायरी के पन्ने

कक्षा बारहवीं हेतु प्रश्न पत्र का विस्तृत प्रारूप जानने के लिए कृपया बोर्ड द्वारा जारी आदर्श प्रश्न पत्र देखें।

अपठित गद्यांश एवं काव्यांश

अपठित का सामान्य अर्थ है –'बिना पढ़ा हुआ ' ,जो नियमित रूप से पाठ्यपुस्तक का हिस्सा न हो | इस प्रकार 'अपठित ' वह रचना का अंश होता है ,जिसे गद्य या पद्य के रूप में पहले न पढ़ा गया हो | इसके द्वारा विचार ,चिंतन तथा अवलोकन के गुणों का विस्तार होता है | अपठित रचनाएँ हमारी भाषा, लेखन शैली तथा शब्द भंडार को बढ़ाने में भी सहायक होती हैं | अपठित बोध का अभ्यास स्वाध्याय की भावना विकसित करता है | अतः आइये करते हैं कुछ अपठित गद्यांश एवं काव्यांश का अभ्यास –

उदाहरण (गद्यांश) -

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सबसे उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिये- 1*10=10

"भाषा का एक प्रमुख गुण है-सृजनशीलता| हिन्दी में सृजनशीलता का अद्‌भुत गुण है, अद्‌भुत क्षमता है,जिससे वह निरंतर प्रवाहमान है|हिन्दी ही ऐसी भाषा है,जिसमे समायोजन की पर्याप्त और जादुई शक्ति है| अन्य भाषाओं और संस्कृतियों के शब्दों को हिन्दी जिस अधिकार और सहजता से ग्रहण करती है,उससे हिन्दी की संभावनाएं प्रशस्त होती हैं| हिन्दी के लचीलेपन ने अनेक भाषाओं के शब्दों को ही नहीं,उनके सांस्कृतिक तेवरों को भी अपने में समेट लिया है|यही कारण है कि हिन्दी सामाजिक संस्कृति तथा विविध भाषा-भाषियों और धर्मावलम्बियों की प्रमुख पहचान बन गयी है|अरबी,फ़ारसी,तुर्की,अँग्रेजी आदि के शब्द हिन्दी कीशब्द-सम्पदा में ऐसे मिल गए हैं,जैसे वे जन्म से ही इसी भाषा परिवार का सदस्य हों|यह समाहार उसकी जीवंतता का प्रमाण है|आज हम परहेज़ी होकर,शुद्धतावाद कीजड़ मानसिकता में कैद होकर नहीं रह सकते|सूचना-क्रांति,तकनीकी विकास और वैज्ञानिक आविष्कारों के दबाव ने हमें सबसे संवाद करने के अवसर दिये हैं| विश्व-ग्राम की संकल्पना से हिन्दी को निरंतर चलना होगा| इसके लिए आवश्यक है-आधुनिक प्रयोजनों के अनुरूप विकास और भाषा एवं लिपि से संबन्धित यांत्रिक साधनों का विकास|इंटरनेट से लेकर बाज़ार तक,राजकाज से लेकर शिक्षा और न्याय के मंदिरों तक हिन्दी को उपयोगी और कार्यक्षम बनाने के लिए उसका सरल-सहज होना आवश्यक है और उसकी ध्वनि,लिपि,शब्द-वर्तनी,वाक्य-रचना आदि का मानकीकृत होना भी आवश्यक है|"

1. हिन्दी के किस गुण को अद्‌भुत कहा गया है-

(क)क्षमता (ख)सृजनशीलता (ग) सहनशीलता (घ)परिवर्तनशीलता

2.हिन्दी में अन्य भाषाओं और संस्कृतियों के शब्दों को सहज ग्रहण करने की क्षमता का क्या परिणाम होता है-

(क) वह दूषित होती है (ख) उसकी गरिमा घटती है

(ग) उसे नकारा जाता है (घ) उसकी संभावनाएं प्रशस्त होती हैं

3.अरबी,फ़ारसी,तुर्की,अँग्रेजी आदि के शब्द हिन्दी में कैसे मिले हुए हैं-

(क) जैसे कि आयातित हों (ख) जैसे कि प्रस्तावित हों

(ग) जैसे कि जन्म से ही सदस्य हों (घ) जैसे कि यौगिक हों

4.हिन्दी की किस शक्ति को पर्याप्त और जादुई कहा गया है-

(क) वियोजन की (ख)अधिकार की (ग) समायोजन की (घ)वर्णन की

5. निम्नलिखित कथन और उसके कारण पर विचार कर उपयुक्त विकल्प का चुनाव कीजिये-

कथन- हिन्दी में सृजनशीलता का अद्‌भुत गुण और क्षमता है|

कारण- हिन्दी भाषा निरंतर प्रवाहमान है|

(क) कथन सही है और कारण कथन की सही व्याख्या है|

(ख) कथन सही है किन्तु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है|

(ग) कथन गलत है किन्तु कारण उसकी सही व्याख्या है|

(घ) कथन गलत है किन्तु कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है|

6. 'परहेज़ी' शब्द का सर्वाधिक उपयुक्त अर्थ होगा-

(क) संयमी (ख) संस्कारी (ग) लापरवाह (घ) असफल

7. 'जड़ मानसिकता'से क्या आशय हो सकता है-

(क) दिखावा करने की मानसिकता (ख) चिंता मे डूबने की मानसिकता

(ग) रूढ़ियों को बनाए रखने की मानसिकता (घ) विवेकशील मानसिकता

8. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

(i) हिन्दी में लचीलेपन का गुण है|

(ii)अनेक भाषाओं और संस्कृतियों के तेवरों को हिन्दी ने अपना बना लिया है|

(iii)गैर-हिन्दी भाषा के शब्दों को स्वीकारने में हिन्दी लचीली नहीं है|

गद्यांश के अनुसार उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है

(क) केवल कथन (i) सही है (ख) केवल कथन (ii) सही है

(ख) कथन (i) और (ii) सही है (घ) तीनों कथन सही हैं

9. हिन्दी को उपयोगी और कार्यक्षम बनाने के लिए उसे कैसा होना चाहिए-

(क) निष्क्रिय (ख) विदेशी भाषा प्रधान (ग) सहज और सरल (घ) सक्रिय

10.गद्यांश के प्रथम अनुच्छेद में हिन्दी के विषय में कौन-सी बात प्रमुखता से वर्णित है-

(क) हिन्दी की संकीर्ण शक्ति (ख) हिन्दी की वैज्ञानिकता

(ग) हिन्दी की व्यवहार क्षमता (घ) हिन्दी की समाहार शक्ति और जीवंतता

उत्तर- 1(ख) 2.(घ)3.(ग)4.(ग) 5.(क) 6.(क) 7.(ग) 8.(ख) 9.(ग) 10.(घ)

उदाहरण (काव्यांश)-

'इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है|

देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से

सिंचित करो धरा,समता की भाव-वृष्टि से

जाति भेद की,धर्म-वेश की

काले-गोरे रंग-द्वेष की

ज्वालाओं से जलते जग में

इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है|

नए हाथ से वर्तमान का रूप सँवारो

नयी तूलिका से चित्रों के रंग उभारो

नए राग को नूतन स्वर दो

भाषा को नूतन अक्षर दो

युग की नयी मूर्ति-रचना में

इतने मौलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है|

लो अतीत से उतना ही जितना पोषक है

जीर्ण-शीर्ण का मोह मृत्यु का ही द्योतक है

तोड़ो बंधन, रुके न चिंतन

गति, जीवन का सत्य चिरंतन

धारा के शाश्वत प्रवाह में

इतने गतिमय बनो कि जितना परिवर्तन है|"

1.काव्यांशसे निम्न में से क्या संदेश ग्रहणकिया जासकता है-

(क) आकाश के समान विशाल व्यक्ति (ख) समतामूलक नव-समाज निर्माण

(ग) रंग-बिरंगे सजे मनुष्य (घ) मोह ही बंधन है

2. संसार किस ज्वाला में जल रहा है-

(क) भूख की ज्वाला में (ख) सूर्य के तपन की ज्वाला में

(ग) जाति-धर्म-रंगभेद के द्वेष की ज्वाला में (घ) वनों मे लगी आग की ज्वाला में

3. रूप सँवारने,चित्रों में रंग भरने से क्या तात्पर्य निकाला जा सकता है-

(क) कलाकार का सम्मान (ख) सौंदर्य की पहचान

(ग) कल्पना को वास्तविकता में ढालना (घ) प्रदर्शन की तैयारी

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

(i)कवि वर्षा की बूंदों की भांति समानता के प्रसार की बात कह रहा है|

(ii)कवि का कहना है कि नवीनता के बिना सृजन अधूरा है|

(iii)कवि ने अतीत को वर्तमान के लिए पूर्णतः अनिवार्य कहा है|

काव्यांश के अनुसार उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है-

(क) कथन (i) और (ii) सही हैं (ख) कथन (ii) और (iii) सही हैं

(ग) केवलकथन (ii) सही है (घ) तीनों कथन सही हैं

5. धारा का प्रवाह कैसा है-

(क) परिवर्तनशील (ख) निरंतर (ग) टेढ़ा-मेढ़ा (घ) डरावना

उत्तर- 1.(ख) 2.(ग) 3.(ग) 4.(क) 5.(ख)

(3)

अभिव्यक्ति और माध्यम

विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन

जनसंचार के विभिन्न माध्यम हैं-मुद्रित(प्रिंट) माध्यम, रेडियो, टेलीविज़न,इंटरनेट|इन सभी माध्यमों के लिए लेखन के अलग-अलग तरीके हैं|अखबार,पत्र और पत्रिकाओं में लिखने की अलग शैली है,जबकि रेडियो,टेलीविज़न के लिए लिखने की अलग कला होती है| इन विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन के तरीकों को समझना बहुत आवश्यक है जिनका विस्तृत वर्णन इस प्रकार है -

प्रिंट माध्यम

प्रिंट माध्यम यानि मुद्रित माध्यम जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है|मुद्रण (छपाई) की शुरुआत चीन से हुई लेकिन आज हम जिस छपाई मशीन को देखते है उसके आविष्कार का श्रेय जर्मनी के गुटेनबर्ग को जाता है भारत मे पहला छापाखाना 1556 में गोवा में खुला| इसे ईसाई धर्म की पुस्तकों को छापने के लिए खोला गया था |

मुद्रित(प्रिंट) माध्यमों की विशेषताएँ-

- प्रिंट माध्यम में छपे शब्दों में स्थायित्व होता है|इसे आप आराम से धीरे-धीरे, सोच-विचार करते हुए,इच्छानुसार कई बार पढ़ सकते हैं|
- स्थायित्व का लाभ है कि आप लिखित सामग्री को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं|
- आप अपनी पसंद के अनुसार किसी पृष्ठ से पढ़ने की शुरुआत कर सकते हैं|
- यह लिखित भाषा का विस्तार होता है|इसमें लेखन, प्रचलित भाषा में किया जाता है|
- मुद्रित माध्यमों की यह भी विशेषता है कि यह चिंतन-मनन तथा विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करता है|इसमेंगंभीर-गूढ़ बातों के लिखने का और उसको समझने-सोचने के लिए पर्याप्त अवकाश मिल जाता है|
- मुद्रित-माध्यमों का पाठक कोई साक्षर व्यक्ति ही होगा|

मुद्रित(प्रिंट) माध्यमों की कमियाँ-

- निरक्षरों के लिए मुद्रित-माध्यम अनुपयोगी हैं|
- इस माध्यम के लेखक को पाठकों के भाषा-ज्ञान,शैक्षिक-स्तर,योग्यता का विशेष ध्यान रखना पड़ता है|
- यह माध्यम,अपने पाठकों को,तुरंत घटी घटनाओं से अवगत नहीं करा सकता| जैसे-अखबार 24 घंटे में एक बार छपते हैं|अखबार,पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशन की सामग्री को स्वीकारने की एक निश्चित समय-सीमा होती है,जिसे **डेडलाइन**कहते हैं|
- मुद्रित-माध्यम के लेखक को 'स्पेस' का पूरा ध्यान रखना पड़ता है|**स्पेस** यानि शब्द-सीमा| इसकी वजह यह है कि अखबार या पत्र-पत्रिकाओं में असीमित जगह नही होती|
- लेखन और प्रकाशन के बीच गलतियों और अशुद्धियों को दूर करना जरूरी होता है|
- लेखन-शैली रोचक और प्रवाहमान होनी चाहिए|

रेडियो

रेडियो श्रव्य माध्यम है|रेडियो का श्रोता अखबार की तरह रेडियो समाचार या कार्यक्रमों को कभी भी, कहीं से भी नहीं सुन सकता| समाचारों के लिए उसे बुलेटिन-प्रसारण के लिए प्रतीक्षा करनी होगी और फिर शुरू से अंत तक बारी-बारी से एक के बाद एक समाचार सुनना होगा|

- रेडियो समाचारों में अखबार की तरह पीछे लौटकर सुनने की सुविधा नहीं है|
- अगर रेडियो बुलेटिन में कुछ भी भ्रामक या अरुचिकर है तो संभव है कि श्रोता तुरंत रेडियो-स्टेशन बदल दे|
- रेडियो मूलतः एकरेखीय माध्यम है,इसी के आधार पर रेडियो समाचारों का ढांचा, स्वरूप, शब्द और आवाज तय होता है|

रेडियो समाचारों की संरचना- रेडियो के लिए समाचार-लेखन अखबारों से कई मामलों में भिन्न है| जो एक समानता है वह यह कि इसमें भी समाचारों को उल्टा पिरामिड शैली मे ही लिखा जाता है| उल्टा पिरामिड शैली में समाचार को तीन भागों में बांटा जाता है-इंट्रो,बॉडी और समापन|

इंट्रो-समाचार के इंट्रो या लीड को हिन्दी में 'मुखड़ा' भी कहा जाता है| समाचार की मूल बातों को शुरू की दो-तीन लाइनों मे बताया जाता है|

बॉडी-इस भाग में समाचार के विस्तृत ब्यौरे को महत्व के घटते क्रम में लिखा जाता है|

समापन-समाचार के इस हिस्से में प्रासंगिक तथ्य या सूचनाएँ दी जाती हैं| अगर जरूरी न हो तो यह भाग काटकर हटाया भी जा सकता है|

रेडियो के लिए समाचार-लेखन संबंधी बुनियादी बातें-

- साफ-सुथरी टाइप्ड कॉपी- अगर समाचार कॉपी साफ-सुथरी टाइप्ड नहीं होगी तो समाचार वाचक को गलत पढ़ने या अटकने का खतरा रहता है|
- समाचार कॉपी को कम्प्यूटर पर ट्रिपल स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए| कॉपी पर पर्याप्त हाशिया छोड़ा जाना चाहिए|
- एक लाइन में अधिकतम 12-13 शब्द होने चाहिए|पंक्ति के अंत मे कोई शब्द विभाजित नहीं होना चाहिए|
- समाचार कॉपी में उच्चारण में कठिन शब्द,संक्षिप्ताक्षर,अंक आदि लिखने सेसमाचार वाचक को पढ़ते समय जुबान लड़खड़ाने का खतरा रहता है|
- एक से दस तक के अंकों को शब्दों में तथा 11 से 999 तक के अंकों को अंकों में लिखा जाना चाहिए|
- $,% जैसे संकेत चिन्हों को टाइप करने के स्थान पर डॉलर, प्रतिशत, लिखना चाहिए|
- वित्तीय संख्याओं को उनके नजदीकी पूर्णांक में लिखना चाहिए|इसमें अपवाद यह है कि मुद्रा-स्फीति के आकड़ों को दशमलव में और खेलकूद के स्कोर को यथावत ही लिखना चाहिए, न कि नजदीकी संख्याओं में|
- तिथियों को जैसे हम बोलचाल में प्रयोग करते हैं वैसे ही लिखा जाना चाहिए- 15-08-2023 लिखने की बजाय 15 अगस्त दो हजार तेईस|

डेडलाइन,संदर्भ और संक्षिप्ताक्षर का प्रयोग- रेडियो में अखबार की तरह डेडलाइन अलग से नहींहोती|रेडियो में समाचार चौबीसों घंटे चलते रहते हैं,श्रोताओं के लिये समय का फ्रेम हमेशा आज का होता है जैसे- आज,आज का,आज सुबह,आज दोपहर आदि| रेडियो समाचारों की कॉपी में भी संक्षिप्ताक्षर के प्रयोग से बचना चाहिए,परंतु वे संक्षिप्ताक्षर जो श्रोता आसानी से समझ जाएँ उनका प्रयोग किया जा सकता है जैसे- यूनिसेफ,सीबीआई, आईसीआईसीआई बैंक आदि|

टेलीविज़न

टेलीविज़न देखने-सुनने का माध्यम है|टीवी के लिए खबर लिखने की बुनियादी शर्त दृश्य के साथ लेखन है|टीवी पर खबर दो हिस्से में बँटी होती है-शुरुआती हिस्से में मुख्य खबर होती है जो न्यूज रीडर या एंकर बगैर दृश्य के पढ़ता है और दूसरा हिस्सा वह होता है जब खबर से संबन्धित दृश्य के साथ खबर पढ़ी जाती है|टीवी पर भी समाचार की शैली उल्टा पिरामिड शैली ही होती है|

टीवी खबरों के विभिन्न चरण-

- **फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज़-**कम से कम शब्दों में कोई बड़ी खबर तत्काल दर्शकों तक पहुंचाई जाती है|इसमें कम से कम शब्दों में महज़ सूचना दी जाती है|
- **ड्राई एंकर-**जब तक खबर के दृश्य नहीं आते,दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारियों के आधार पर सूचनाएँ दी जाती हैं|
- **फ़ोन-इन-**एंकर,घटनास्थल पर मौजूद रिपोर्टर से फ़ोन पर बात कर सूचनाएँ दर्शकों तक पहुँचाता है|
- **एंकर-विजुअल-**जब घटना के दृश्य(विजुअल) मिलने लगते हैं तब एंकर दृश्यों को आधार बनाकर खबर पढ़ता है|
- **एंकर-बाइट-**टेलीविज़न पर किसी खबर को पुष्ट करने के लिए घटना से संबन्धित प्रत्यक्षदर्शियों या संबन्धित व्यक्तियों का कथन दिखा और सुनाकर खबर को प्रामाणिक बनाया जाता है|इसे ही एंकर-बाइट कहा जाता है|
- **लाइव-**लाइव यानि किसी खबर का घटनास्थल से सीधा प्रसारण|
- **एंकर-पैकेज-**किसी भी खबर को संपूर्णता से पेश करना ही एंकर-पैकेज है| इसमें खबरों से संबन्धित घटना के दृश्य,जुड़े लोगों की बाइट,ग्राफिक के जरिये जरूरी सूचनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं|

टीवी पर खबरों में केवल दृश्य और शब्द ही नहीं होते,इसमे बीच-बीच में ध्वनियाँ भी आती-जाती रहती हैं| बाइट या कथन दिखाने के साथ साथ अन्य प्राकृतिक ध्वनियाँ स्वतः रिकॉर्ड होती हैं |जैसे- चिड़ियों का चहचहाना,गाड़ियों के गुजरने की आवाज़ें आदि| दृश्य और कथन के साथ यह जो ध्वनियाँ हैं वे **वायस-ओवर** कही जाती हैं| प्राकृतिक ध्वनियाँ जो स्वतः रिकॉर्ड होती हैं उन्हें **नेट या नेट साउंड** कहते हैं|

रेडियो और टेलीविज़न समाचार की भाषा शैली-रेडियो और टीवी समाचार में भाषा और शैली अखबारों की भाषा से अलग होती है| आपसी बोलचाल की भाषा का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए जिसमे वाक्य छोटे,सरल और स्पष्ट हों| वाक्यों में तारतम्यता हो| निम्नलिखित,उपरोक्त,क्रमांक जैसे प्रिंट मीडिया वाले शब्दों का प्रयोग बिलकुल मना है|'द्वारा' शब्द भ्रामक होता है, इसके प्रयोग से बचना चाहिए| मुहावरों का प्रयोग होना चाहिए|

इंटरनेट

इंटरनेट पत्रकारिता को ही ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता भी कहते है| यह माध्यम चौबीसों घंटे उपलब्ध रहता है, इस माध्यम के द्वारा खबर पढ़ने,देखने और सुनने का उपयोग किया जाता है| आज तमाम प्रमुख अखबार पूरे के पूरे इंटरनेट पर उपलब्ध है|

इंटरनेट पत्रकारिता का इतिहास –विश्व स्तर पर इस समय इंटरनेट पत्रकारिता का **तीसरा** दौर चल रहा है | पहला दौर था 1982 से 1992 तक जबकि दूसरा दौर 1993 से 2001 तक चला| भारत मे इंटरनेट पत्रकारिता का अभी **दूसरा दौर** चल रहा है|

प्रश्न-अभ्यास

बहु-विकल्पीय प्रश्न

1. 'मुद्रण कला' की शुरुआत किस देश से हुई-

(क) जर्मनी (ख) ब्रिटेन (ग) भारत (घ) चीन

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और दिये गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिये-

(i)मुद्रित माध्यम आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना है|

(ii)भारत में पहला छापाखाना गोवा में खुला|

(iii)इसे ईसाई मिशनरियों ने धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए खोला था|

(क)केवल कथन (i) सही है (ख) केवल कथन (ii) सही है

(ग) कथन (i) और (ii) सही है (घ) तीनों कथन सही हैं

3. मुद्रित माध्यम में स्पेस का महत्व है- यहाँ 'स्पेस' से क्या आशय है-

(क) शब्दों के बीच स्थान (ख) वाक्यों के बीच स्थान

(ग) शब्द-सीमा (घ) विशाल सामग्री

4.मुद्रित माध्यमों से संबन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और दिये गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिये-

(i) मुद्रित माध्यम में प्रकाशित सामग्री को लंबे समय तक सुरक्षित रख सकते हैं|

(ii) मुद्रित माध्यम में सामग्री प्रचलित भाषा में लिखी जाती है|

(iii) साक्षर-निरक्षर दोनों के लिए मुद्रित माध्यम समान महत्व रखता है|

(क)केवल कथन (i) सही है (ख) केवल कथन (ii) सही है

(ग) कथन (i) और (ii) सही है (घ) तीनों कथन सही हैं

5. कथन(A) और कारण(R) को पढ़कर,दिये गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिये-

कथन(A)- छपे हुए शब्दों को आराम से धीरे धीरे पढ़ सकते हैं|

कारण(R) छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होता है|

(क) कथन(A) सही है और कारण(R) उसकी सही व्याख्या है|

(ख) कथन(A) सही किन्तु कारण(R) उसकी सही व्याख्या नहीं है|

(ग) कथन(A) और कारण(R) दोनों गलत हैं|

(घ) कथन(A) गलत है किन्तु कारण(R) उसकी सही व्याख्या है|

6. रेडियो समाचार कॉपी को कम्प्यूटर पर कितने स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए-

(क) सिंगल स्पेस में (ख) डबल स्पेस में (ग)ट्रिपल स्पेस में (घ) निश्चित नहीं

7. रेडियो समाचार-कॉपी के लिए निम्न वाक्यों पर विचार कीजिये-

(i) एक लाइन में शब्द-सीमा नहीं होती है|

(ii) पंक्ति के आखिर में कोई शब्द विभाजित नहीं होना चाहिए|

(iii) जटिल और उच्चारण में कठिन शब्दों को लिखने से बचा जाना चाहिए|

(क) कथन (i) और (ii) सही है (ख) कथन (ii) और (iii) सही है

(ग) केवल कथन (i) सही है (घ) तीनों कथन सही हैं

8. रेडियो समाचारों के लिए निम्न में से क्या सही नहीं है-

(क) एक से दस तक के अंक शब्दों में लिखे जाने चाहिए|

(ख) 11 से 999 तक के अंकों को, अंकों में लिखा जाना चाहिए

(ग) %,$ जैसे चिह्नो का प्रयोग किया जाना चाहिए

(घ) वित्तीय संख्याओं को उनके नजदीकी पूर्णांक में लिखना चाहिए

9. टेलीविज़न के लिए खबर लिखे जाने की बुनियादी शर्त है-

(क) पूर्वानुमान से लिखा जाना चाहिए

(ख) दृश्य के साथ लिखा जाना चाहिए

(ग) सूचनाओं के लिए लिखा जाना चाहिए

(घ)दर्शकों के ज्ञान के अनुरूप लिखा जाना चाहिए

10. दर्शकों तक तत्काल कोई बड़ी खबर पहुंचाने को टीवी की भाषा में कहा जाता है-

(क) लाइव (ख) फोन-इन (ग) फ्लैश-न्यूज (घ) इंट्रो

11.कथन(A) और कारण(R) को पढ़कर,दिये गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिये-

कथन(A)- एंकर-बाइट का टीवी पत्रकारिता में बहुत महत्व होता है|

कारण(R)- एंकर-बाइट के द्वारा प्रत्यक्षदर्शियों या संबन्धित व्यक्तियों का कथन दिखाया जाता है

(क) कथन(A) सही है और कारण(R) उसकी सही व्याख्या है|

(ख) कथन(A) सही किन्तु कारण(R) उसकी सही व्याख्या नहीं है|

(ग) कथन(A) और कारण(R) दोनों गलत हैं|

(घ) कथन(A) गलत है किन्तु कारण(R) उसकी सही व्याख्या है|

12. 'एंकर पैकेज' से क्या तात्पर्य है-
(क) एंकर द्वारा समाचार प्रस्तुत किया जाना
(ख) किसी खबर को संपूर्णता से प्रस्तुत किया जाना
(ग) एंकर द्वारा किसी खबर पर अपना विचार दिया जाना
(घ) एंकर द्वारा अपनी टेबल पर रखा पैकेट खोला जाना
13. 'वॉयस ओवर' क्या है-
(क) समाचार प्रस्तोता की तेज़ आवाज़ (ख) घटना-स्थल पर मौजूद रिपोर्टर की आवाज
(ग) दो समाचार के बीच का अंतराल (घ) प्राकृतिक आवाजें जो दृश्य के साथ चलती हैं
14. इंटरनेट पत्रकारिता के विषय में निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है-
(क) इसमे दृश्य और प्रिंट दोनों माध्यमों का लाभ मिलता है
(ख) इसमे खबरें बहुत तेज़ी से पहुंचाई जाती हैं
(ग) इससे खबरों की पुष्टि तत्काल होती है
(घ) इंटरनेट पत्रकारिता अभी-अभी आरंभ हुई है
15. कथन(A) और कारण(R) को पढ़कर,दिये गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिये-

कथन(A)- यूनिकोड हिन्दी टाइपिंग का फॉन्ट है|

कारण(R)- हिन्दी टाइपिंग के लिए की-बोर्ड का मानकीकरण आवश्यक है|

(क) कथन(A) सही है और कारण(R) उसकी सही व्याख्या है|

(ख) कथन(A) सही किन्तु कारण(R) उसकी सही व्याख्या नहीं है|

(ग) कथन(A) और कारण(R) दोनों गलत हैं|

(घ) कथन(A) गलत है किन्तु कारण(R) उसकी सही व्याख्या है|

उत्तर- 1.(ग) 2.(घ) 3.(ग) 4.(ग) 5.(क) 6.(ग) 7.(ख) 8.(ग) 9.(ख) 10.(ग) 11.(क)12.(ख)13.(घ)14.(घ)15.(ख)

लघुत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. मुद्रित माध्यम की वो विशेषताएँ बताइये जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में नही हैं|

उत्तर- इसमें स्थायित्व होता है,इसमे चिंतन-मनन का पर्याप्त अवसर होता है जो कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में नहीं होता है|

2. इन्टरनेट पत्रकारिता के लोकप्रिय होने के दो कारण लिखिए |

उत्तर-इसमें रेडियो, मुद्रण और टी.वी.- तीनों के गुण मौजूद हैं | इन्टरनेट पत्रकारिता हर दो घंटे पर संशोधित होती रहती है | इसलिए यह सबसे अधिक तेज़ और ताज़ा पत्रकारिता है |

3. मुद्रित माध्यम की सबसे बड़ी कमजोरी क्या है?

उत्तर-यह निरक्षरों के लिए उपयोगी नहीं है|

4. 'डेडलाइन' से क्या तात्पर्य है,दैनिक समाचार-पत्रों के लिए क्या डेडलाइन निर्धारित होती है?

उत्तर-डेडलाइन किसी भी माध्यम में समाचारों को प्रकाशन-प्रसारण के लिए स्वीकार किए जाने की अंतिम समय-सीमा होती है| दैनिक समाचार-पत्रों के लिए डेडलाइन 24 घंटे होती है|

5.रेडियो द्वारा प्रसारित समाचारों को किस शैली में लिखा जाता है? उसके कितने भाग होते हैं?

उत्तर-अखबार की तरह उल्टा-पिरामिड शैली में लिखा जाता है| इंट्रो,बॉडी,समापन इसके तीन भाग होते हैं

6. भारत में पहला छापाखाना कहाँ और कब खुला?

उत्तर-गोवा में, 1556 ई. में

7. टीवी पर समाचारों में ड्राई एंकर से क्या तात्पर्य होता है?

उत्तर-जब तक किसी खबर के दृश्य नहीं मिल जाते उससे पहले एंकर किसी खबर को रिपोर्टर से मिली सूचना आधार पर पढ़ता है|

8. एंकर विजुअल किस माध्यम के समाचारों का हिस्सा है? इसका क्या उपयोग होता है?

उत्तर-एंकर विजुअल टीवी समाचार का हिस्सा है|किसी घटना के दृश्य मिल जाने पर एंकर दृश्यों के अनुरूप समाचार पढ़ता है|

9. "कल रात बादल फटने के कारण उत्तराखंड के कई जिले बाढ़ और भूस्खलन से तबाह हो गए|" इस समाचार मेंउल्टा पिरामिड शैली के किस भाग को पहचाना जा सकता है?

उत्तर-इंट्रो - इसमें किसी घटना की सबसे महत्वपूर्ण जानकारी दी जाती हैं|

10. टेलीविज़न समाचारों में भाषा की किन महत्वपूर्ण बातों को ध्यान में रखा जाता है?

उत्तर-आपसी बोलचाल की भाषा का ही इस्तेमाल किया जाना चाहिए जिसमे वाक्य छोटे,सरल और स्पष्ट हों| वाक्यों में तारतम्यता हो| निम्नलिखित,उपरोक्त,क्रमांक जैसे प्रिंट मीडिया वाले शब्दों का प्रयोग बिलकुल मना है|'द्वारा' शब्द भ्रामक होता है, इसके प्रयोग से बचना चाहिए| मुहावरों का प्रयोग होना चाहिए|

11. नेट साउंड क्या है? इसकी आवश्यकता क्यों होती है?

उत्तर-नेट साउंड वह प्राकृतिक आवाजें है जो घटना को शूट या रिकॉर्ड करते समय खुदबखुद आ जाती हैं|ये उस खबर को पुष्ट करती हैं साथ ही दो खबरों के बीच के अंतराल को भी भरती हैं|

12. इंटरनेट पर हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी चुनौती क्या है?

उत्तर-इंटरनेट पर हिन्दी पत्रकारिता की सबसे बड़ी चुनौती "फॉन्ट" की है| उसका मानकीकरण किए बिना एकरूपता आना संभव नहीं है|

पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया

पत्रकारीय लेखन-समाचार पत्र और पत्रिकाओं में समाचारों के अतिरिक्त फ़ीचर,विशेष रिपोर्ट,लेख और टिप्पणियाँ भी प्रकाशित होती हैं| अखबार या अन्य समाचार माध्यमों में काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों, श्रोताओं,दर्शकों तक सूचनाएँ पहुंचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं| इसे ही पत्रकारीय लेखन कहते हैं| पत्रकारीय लेखन साहित्यिक लेखन से इस बात में भिन्न है कि जहाँ साहित्यिक लेखन कल्पना-मिश्रित होता है वहीं पत्रकारीय लेखन वास्तविक घटनाओं,समस्याओं और मुद्दों का तथ्यात्मक वर्णन होता है|यह अनिवार्य रूप से तात्कालिकता और अपने पाठकों की रुचियों,जरूरतों को ध्यान में रख कर किया जाने वाला लेखन होता है| इसीलिए माना जाता है कि पत्रकारिता जल्दी में लिखा गया साहित्य है|

पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं-

1.पूर्णकालिक पत्रकार- किसी समाचार संगठन में काम करने वाला नियमित वेतनभोगी कर्मचारी पूर्णकालिक पत्रकार होता है|

2. अंशकालिक पत्रकार(स्ट्रिंगर) –किसी समाचार संगठन में एक निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार होता है|

3. स्वतंत्र पत्रकार(फ्रीलांसर)- इसका संबंध किसी खास समाचार संगठन से नहीं होता बल्कि वह भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखता है|

अच्छे पत्रकारीय लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातें-

1. पत्रकारीय लेखन में अलंकारिक – संस्कृत निष्ठ भाषा शैली का प्रयोग नहीं करना चाहिए |
2. आम बोलचाल की भाषा और शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए |
3. अच्छा लिखने के लिए अच्छे और जाने-माने लेखकों की रचनाएँ पढ़नी आवश्यक होती हैं और गहन जानकारी आवश्यक होती है |
4. छोटे वाक्यों के साथ-साथ कुछ मध्यम आकार के वाक्यों का,आवश्यकतानुसार बड़े वाक्य भी प्रयोग कर सकते हैं| मुहावरे और लोकोक्तियों का भी प्रयोग लेखन को आकर्षक बनाने के लिए किया जाना चाहिए|
5. लेखन में कसावट होनी चाहिए|गैर-जरूरी बातों को हटा देना चाहिए|
6. अच्छे लेखन के लिए दुनिया और आसपास घटने वाली घटनाओं,समाज और पर्यावरण पर गहरी निगाह रखनी चाहिए|
7. तथ्यों को जुटाने और किसी विषय पर बारीकी से विचार करने का धैर्य होना चाहिए|

8.गैर-जरूरी विशेषणों,जार्गन्स(कम परिचय वाले शब्द),क्लीशे(दोहराव) के प्रयोग से बचना चाहिए|

समाचार लेखन -पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-पहचाना रूप समाचार-लेखन होता है| सामान्य रूप से पूर्णकालिक और अंशकालिक पत्रकार ही संवाददाता या रिपोर्टर होते हैं,जो समाचार लिखते हैं|**उल्टा पिरामिड शैली**ही समाचार-लेखन की सबसे प्रचलित और लोकप्रिय शैली है| इस शैली में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य,सूचना या जानकारी को सबसे पहले पैराग्राफ में लिखा जाता है,जिसे समाचार का **'इंट्रो या मुखड़ा'** कहते हैं |उसके बाद के पैराग्राफ में उससे कम महत्वपूर्ण सूचना या तथ्य होते हैं जिसे समाचार की '**बॉडी**' कहते हैं| यह प्रक्रिया समाचार खत्म होने तक जारी रहती है, समाचार केआखिरीभाग को **'समापन'**कहते हैं ||

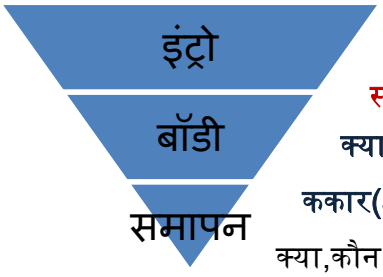

समाचार लेखन और छः ककार-किसी समाचार को लिखते समय मुख्यतः छः सवालों- **क्या, कौन,कहाँ,कब,क्यों और कैसे** का जवाब देने की कोशिश की जाती है,जिसे **छः ककार(5W1H)** कहते हैं| समाचार के इंट्रो या मुखड़े में आमतौर पर चार सवालों (ककारों)- क्या,कौन,कब और कहाँ- के जवाब दिये जाने की कोशिश की जाती है|उसके बाद के पैराग्राफ में बाकी दो ककारों-क्यों और कैसे- की व्याख्या की जाती है| इसमे पहले चार ककार सूचनात्मक और तथ्यात्मक होते हैं जबकि बाकी दो ककार समाचार का विवरण और विश्लेषण प्रस्तुत करते हैं|

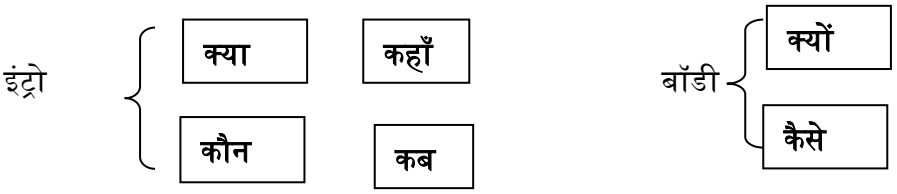

फ़ीचर

अखबारों में समाचार के अतिरिक्त अन्य कई तरह का पत्रकारीय लेखन छपता है,इनमे फ़ीचर प्रमुख है|फ़ीचर एक सुव्यवस्थित,सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देने,शिक्षित करने के साथ मुख्य रूप से उनका मनोरंजन करना होता है|

* फ़ीचर समाचारों की तरह पाठकों को तात्कालिक घटनाक्रम से अवगत नहीं कराता|

* समाचार-लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर बल दिया जाता है जबकि फ़ीचर में लेखक के पास अपनी राय,दृष्टिकोण और भावनाएँ जाहिर करने का अवसर होता है|फ़ीचर लेखन काफी हद तक कथात्मक शैली की तरह होता है|

*समाचारों के विपरीत,फ़ीचर कीभाषा सरल,रूपात्मक,आकर्षक और मन को छूने वाली होती है|

* फ़ीचर में समाचारों की तरह शब्दों की कोई अधिकतम सीमा नहीं होती|250 शब्दों से लेकर 2000 शब्दों के फ़ीचर लिखे जा सकते हैं|

* एक अच्छे फ़ीचर के लिए फोटो,रेखांकन,ग्राफिक्स का होना जरूरी है|

*फ़ीचर का विषय कुछ भी हो सकता है|हल्के-फुल्के विषयों से लेकर गंभीर मुद्दों पर भी फ़ीचर लिखा जा सकता है|

*कुछ समाचार फ़ीचर की तरह लिखा जाता है किन्तु फ़ीचर समाचार की तरह नहीं लिखे जा सकते|

फीचर लेखन -फ़ीचर लिखने में निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए-

1.फ़ीचर को सजीव बनाने के लिए उसमें उस विषय से जुड़े लोगों(पात्रों) की मौजूदगी होना जरूरी है| पात्रों के जरिये फ़ीचर के विषय एवं विभिन्न पहलुओं को सामने ले आना चाहिए|

2.कहानी बताने का अंदाज चित्रात्मक(देखने-सुनने जैसा) होना चाहिए|

3. फ़ीचर मनोरंजक होने के साथ ही सूचनात्मक भी होना चाहिए|

4. फ़ीचर लेखन का कोई निश्चित ढांचा या फॉर्मूला नहीं होता,कहीं से भी आप अपनी थीम के अनुसार लिखना शुरू कर सकते हैं| प्रारम्भ आकर्षक एवं उत्सुकता पैदा करने वाला होना चाहिए|

5. फीचर का हर पैराग्राफ अपने पहले पैराग्राफ से स्वाभाविक तरीके से जुड़ा हुआ लगना चाहिए| शुरू से आखिर तक प्रवाह और गति बनी रहनी चाहिए,इसके लिए पैराग्राफ छोटे रखने चाहिए|

फीचर के प्रकार-समाचार बैकग्राउंडर,खोजपरक फीचर,साक्षात्कार फीचर,जीवनशैली फीचर, रूपात्मक फीचर,व्यक्तिचित्र फीचर,यात्रा फीचर इत्यादि|

विशेष रिपोर्ट

समाचार पत्र और पत्रिकाओं में समाचारों के अलावा किसी घटना,समस्या या मुद्दे पर गहरी छानबीन,विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर विशेष रिपोर्ट भी प्रकाशित होती हैं| आमतौर पर विशेष रिपोर्ट भी समाचार की तरह उल्टा पिरामिड शैली में ही लिखा जाता है|पाठकों की रुचि बनाए रखने के लिए कभी-कभी उल्टा पिरामिड और फीचर दोनों की शैलियों को मिलाकर भी लिखते हैं| भाषा सरल,सहज और बोलचाल की होनी चाहिए|

विशेष रिपोर्ट के प्रकार-**1.खोजी रिपोर्ट-** इस प्रकार की रिपोर्ट में रिपोर्टर मौलिक शोध और छानबीन के द्वारा ऐसी सूचनाएँ या तथ्य सामने लाता है जो सार्वजनिक तौर पर पहले से उपलब्ध नहीं थीं| भ्रष्टाचार,अनियमितताओं और गड़बड़ियों को उजागर करने के लिए खोजी रिपोर्ट का इस्तेमाल किया जाता है|

2. इन-डेप्थ रिपोर्ट- इस प्रकार की रिपोर्ट में सार्वजनिक तौर पर पहले से उपलब्ध तथ्यों,सूचनाओं और आंकड़ों की गहरी छानबीन की जाती है और उसके आधार पर किसी घटना,समस्या या मुद्दे से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाया जाता है|

3. विश्लेषणात्मक रिपोर्ट-इसमें किसी घटना या समस्या से जुड़े तथ्यों के विश्लेषण और व्याख्या पर ज़ोर दिया जाता है|

4. विवरणात्मक रिपोर्ट- किसी घटना या समस्या का विस्तृत और बारीक विवरण प्रस्तुत किया जाता है|

विचारपरक लेख,टिप्पणियाँ और संपादकीय

अखबार में संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय अग्रलेख,लेख और टिप्पणियाँ, विचारपरक पत्रकारीय लेखन की श्रेणी में आते हैं|**संपादकीय पृष्ठ के सामने 'ऑप-एड' पृष्ठ** पर ऐसे लेख और स्तम्भ प्रकाशित होते हैं|

संपादकीय लेखन-संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित संपादकीय को उस अखबार की अपनी आवाज़ माना जाता है|संपादकीय किसी व्यक्ति विशेष का विचार नहीं होता इसीलिए उसे किसी व्यक्ति के नाम से नहीं छापा जाता| संपादकीय लिखने का दायित्व उस अखबार में काम करने वाले संपादक और उनकी टीम पर होता है|आमतौर पर संपादकीय कोई बाहर का लेखक या पत्रकार नहीं लिख सकता|

स्तम्भ लेखन-कुछ महत्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान के लिए जाने जाते हैं|ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर अखबार उन्हें नियमित स्तम्भ लिखने की जिम्मेदारी दे देते हैं|स्तम्भ का विषय और उसमें अपने विचार व्यक्त करने की पूरी छूट स्तम्भ-लेखक की होती है|कुछ स्तम्भ इतने लोकप्रिय होते हैं कि अखबार उनके कारण पहचाने जाते हैं|

संपादक के नाम पत्र-अखबारों में संपादकीय पृष्ठ पर और पत्रिकाओं के आरंभिक पृष्ठ पर संपादक के नाम पाठकों के पत्र भी प्रकाशित होते हैं| यह एक स्थायी स्तम्भ होता है|पाठक अपनी निजी राय,जनसमस्याएँ लिखकर संपादक को भेजते हैं| एक तरह से यह स्तंभ जनमत को प्रतिबिम्बित करता है|

लेख-लेख विशेष रिपोर्ट और फीचर से इस मामले में अलग होता है कि लेख में लेखक के विचारों को प्रमुखता दी जाती है|तथ्यों,सूचनाओं के विश्लेषण और तर्कों के द्वारा लेखक अपनी राय प्रस्तुत करता है|लेख की कोई निश्चित शैली नहीं होती|

साक्षात्कार-समाचार माध्यमों में साक्षात्कार का बहुत महत्व है|पत्रकारीय साक्षात्कार और सामान्य बातचीत में यह फ़र्क होता है कि साक्षात्कार में एक पत्रकार किसी अन्य व्यक्ति से तथ्य,उसकी राय और भावनाएँ जानने के लिए सवाल करता है|साक्षात्कार का एक स्पष्ट मकसद होता है|एक सफल साक्षात्कार के लिए आपके पास न सिर्फ़ ज्ञान होना चाहिए बल्कि

संवेदनशीलता,कूटनीति,धैर्य और साहस का गुण भी होना चाहिए| प्रायः पत्रकार अपने पत्रकारीय लेखन के लिए प्रारम्भिक सामग्री(कच्चा-माल) साक्षात्कार से ही जुटाता है|

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. पत्रकारीय लेखन और साहित्यिक लेखन के विषय में,निम्नलिखित में से क्या गलत है-

(क) पत्रकारीय लेखन का दायरा समसामयिक और वास्तविक घटनाओं पर होता है|

(ख) साहित्यिक लेखन में काल्पनिकता को स्थान मिलता है|

(ग) पत्रकारीय लेखन में लेखक को अलंकारिक भाषा की पूरी छूट रहती है|

(घ) साहित्यिक लेखन में लेखक को पूरी छूट रहती है|

2.भाषा को प्रभावी बनाने के लिए पत्रकार को निम्नलिखित में से क्या सावधानी बरतनी चाहिए-

(क) सरल और आसानी से समझ आने वाले शब्दों का प्रयोग करना चाहिए

(ख) वाक्य छोटे और सहज होना चाहिए

(ग) पाठकों की रुचियों और जरूरतों के अनुसार लेखन करना चाहिए

(घ) प्रभावी भाषा के लिए गैर-जरूरी विशेषणों का प्रयोग करना चाहिए

3. पूर्णकालिक पत्रकार किसे कहते हैं-

(क) नियमित वेतनभोगी कर्मचारी (ख) निश्चित मानदेय वाला पत्रकार

(ग) सेवा के नियमों से मुक्त कर्मचारी (घ) भुगतान के आधार पर काम करने वाला

4. किसी समाचार संगठन में निश्चित वेतनमान पर काम करने वाले पत्रकार को कहते हैं-

(क)पूर्णकालिक पत्रकार (ख)अंशकालिक पत्रकार (ग)प्रभारी पत्रकार (घ) फ्रीलान्सर

5. 'जो पत्रकार अपने द्वारा शूट किए गए वीडियो और उस पर आधारित समाचार को अलग-अलग समाचार संगठनों को भुगतान के आधार पर प्रकाशन-प्रसारण हेतु भेजता है|'पत्रकारों के तीन प्रकारों में से वह किस प्रकार का पत्रकार है-

(क)पूर्णकालिक पत्रकार (ख)अंशकालिक पत्रकार (ग)फ्रीलान्सर (घ)इंट्रो पत्रकार

6. समाचार लेखन में किस शैली का प्रयोग किया जाता है-

(क)सीधा पिरामिड शैली (ख)टेढ़ा पिरामिड शैली (ग)उल्टा पिरामिड शैली (घ) फीचर शैली

7. पत्रकारीय लेखन से संबन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और सही विकल्प का चुनाव कीजिये-

(i) पत्रकारीय लेखन कल्पना-मिश्रित होता है|

(ii) आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग होता है|

(iii) जार्गन्स(कम परिचय वाले शब्द),क्लीशे(दोहराव) के प्रयोग से बचना चाहिए|

(क) कथन (i) और (ii) सही हैं (ख) कथन (ii) और (iii) सही हैं

(ग) कथन (i) सही है (घ) तीनों कथन सही हैं

8. उल्टा पिरामिड शैली में कितने सवालों(ककारों) का प्रयोग किया जाता है-

(क) चार (ख) पाँच (ग) तीन (घ) छः

9. समाचार लेखन में प्रथम दो-तीन पंक्तियों में सबसे महत्वपूर्ण तथ्यों को लिखा जाता है, इसे कहते हैं-

(क) इंट्रो (ख) बॉडी (ग) स्ट्रिंगर (घ) संदेश

10. इंट्रो में निम्नलिखित में से किन ककारों का जवाब दिया जाता है-

(क) क्या (ख) कैसे (ग) क्यों (घ) कितना

11. इंट्रो में दिये गए सवालों के जवाब-

(क) विवरणात्मक (ख) तथ्यात्मक (ग) व्याख्यात्मक (घ) विश्लेषणात्मक

12. छः ककारों में विवरण और व्याख्या से संबन्धित कौन से ककार होते हैं-

(क) क्या,कौन (ख) कब,कहाँ (ग) कितना,किसका (घ) क्यों,कैसे

13. फीचर और समाचार लेखन के उद्देश्यों में प्रमुख अंतर होता है-

(क) सूचना (ख) शिक्षा (ग) जागरूकता (घ) मनोरंजन

14. फीचर और समाचार लेखन से संबन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये और दिये गए विकल्पों में से सही विकल्प का चुनाव कीजिये-

(i) फीचर समाचार की तरह घटनाओं की तात्कालिक सूचना नहीं है|

(ii) फीचर भी समाचार की तरह उल्टा पिरामिड शैली में लिखा जाता है|

(iii) फीचर में समाचारों की तरह केवल तथ्यात्मक सूचनाएँ दी जाती हैं|

(क) कथन (i) और (ii) सही हैं (ख) कथन (ii) और (iii) सही हैं

(ग) केवल कथन (i) सही है (घ) तीनों कथन गलत हैं

15. निम्नलिखित कथन और कारण संबंधी प्रश्न को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिये-

कथन- फीचर लेखन उल्टा पिरामिड शैली में नहीं होता|

कारण- फीचर लेखन का कोई निश्चित फॉर्मूला नहीं होता|

(क) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है|

(ख) कथन और कारण दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है|

(ग) कथन सही नही है और कारण कथन की गलत व्याख्या है|

(घ) कथन और कारण दोनों गलत हैं|

16. फीचर की भाषा के विषय में निम्न में से क्या सही नहीं है-

(क) फीचर की भाषा सरल लेकिन मन को छू लेने वाली होनी चाहिए|

(ख) फीचर में समाचारों की तरह सपाटबयानी होनी चाहिए|

(ग) फीचर की भाषा आलंकारिक और बोझिल नहीं होनी चाहिए|

(घ) फीचर की भाषा विषय और मुद्दों के अनुकूल होनी चाहिए|

17. फीचर लेखन में आवश्यक नहीं है-

(क)सजीव वर्णन (ख)मनोरंजन (ग)विषय से जुड़े पात्रों की मौजूदगी (घ) संवाद

18.किसी घटना,समस्या या मुद्दे की गहन छानबीन और विश्लेषण की रिपोर्ट को कहते हैं-

(क) समाचार (ख) समस्यात्मक रिपोर्ट (ग) विशेष रिपोर्ट (घ) सामाजिक रिपोर्ट

19. निम्नलिखित को समझकर सहीं सुमेलित विकल्प पहचानिए -

(क) समाचार	(i) गहरी छानबीन,विश्लेषण
(ख) संपादकीय	(ii) घटना,समस्या की ताजा रिपोर्ट
(ग) विशेष रिपोर्ट	(iii) अखबार की अपनी आवाज़
(घ) फीचर	(iv) सुव्यवस्थित,सृजनात्मक लेख

20.सार्वजनिक तौर पर पहले से उपलब्ध तथ्यों,सूचनाओं के आधार पर गहरी छानबीन वाली रिपोर्ट को कहा जाता है-

(क) खोजी रिपोर्ट (ख) इन-डेप्थ रिपोर्ट (ग) विवरण रिपोर्ट (घ)विश्लेषण रिपोर्ट

21. विशेष रिपोर्ट से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

(i) विशेष रिपोर्ट भी उल्टा पिरामिड शैली में लिखा जाता है|

(ii) समाचारों की तुलना में विशेष रिपोर्ट बड़ी और विस्तृत होती हैं|

(iii)कई बार विशेष रिपोर्टें उल्टा पिरामिड और फीचर दोनों मिश्रित शैलियों मे भी लिखते हैं|

(क)कथन(i) और (ii) सही है (ख) कथन (ii) और (iii) सही है

(ग)कथन (i) और (iii) सही है (घ) तीनों कथन सही हैं

22. निम्नलिखित कथन और उसके कारण को पढ़िये तथा सही विकल्प का चयन कीजिये-

कथन- संपादकीय किसी के नाम के साथ नहीं छापा जाता|

कारण- संपादकीय किसी व्यक्ति विशेष का विचार नहीं होता|

(क) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की सही व्याख्या है|

(ख) कथन और कारण दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की सही व्याख्या नहीं है|

(ग) कथन सही नही है और कारण कथन की गलत व्याख्या है|

(घ) कथन और कारण दोनों गलत हैं|

23.संपादक के नाम पाठकों के पत्र अखबारों में कहाँ छापे जाते हैं-

(क) शुरुआती पृष्ठ पर (ख) आखिरी पृष्ठ पर (ग) संपादकीय पृष्ठ पर (घ) किसी भी पृष्ठ पर

24. आप किसी समाजसेवी का एक सफल साक्षात्कार करना चाहते हैं ,इसके लिए आपको निम्नमें से क्या-क्या तैयारी करनी चाहिए-

(क) उस व्यक्ति के बारे में पर्याप्त जानकारी (ख) साक्षात्कार का स्पष्ट मकसद

(ग) आम पाठकों की रुचियों वाले प्रश्न (घ) तीनों

25. पत्रकार, पत्रकारीय लेखन के लिए कच्चा-माल कहाँ से प्राप्त करते हैं-

(क) फीचर से (ख) समाचार से (ग) पाठकों से (घ) साक्षात्कार से

उत्तर 1(ग),2(घ),3(ग),4(ख),5(ग),6(ग),7(ख),8(घ),9(क),10(क),11(ख),12(घ), 13(घ), 14(ग), 15(ख), 16(ख), 17(घ), 18(ग), 19(घ),20(ख),21(घ),22(क),23(ग),24(घ),25(घ)

अभ्यास हेतु लघुत्तरीय प्रश्न-

1. पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं?स्वतंत्र पत्रकार किसे कहते हैं?
2. पत्रकारीय लेखन और साहित्यिक सृजनात्मक लेखन में क्या फर्क होता है?
3. समाचर लेखन की शैली पर प्रकाश डालिए?अथवा उलटा पिरामिड शैली पर प्रकाश डालिए?
4. समाचार के कितने ककार होते हैं? स्पष्ट कीजिए।
5. फ़ीचर लेखन की प्रमुख विशेषताएं बताइए|
6. फ़ीचर लेखन के प्रमुख उद्देश्य बताइए ।
7. फ़ीचर और समाचार में प्रमुख अंतर बताइए ।
8. विशेष रिपोर्ट से क्या अभिप्राय है? विशेष रिपोर्ट के कितने प्रकार होते हैं ?
9. संपादकीय क्या है?
10. एक अच्छे और सफल साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी होनी चाहिए?

विशेष लेखन - स्वरुप और प्रकार

विशेष लेखन यानि किसी ख़ास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन| अधिकतर समाचार पत्र और पत्रिकाओं के अलावा टीवी और रेडियो चैनलों में विशेष लेखन के लिए अलग से **डेस्क** होती है और उस विशेष डेस्क पर काम करने वाले पत्रकारों का समूह भी अलग होता है| जैसे समाचार-पत्रों और अन्य माध्यमों में कारोबार और व्यापार का अलग डेस्क होता है| इसी तरह खेल, राजनीति तथा अन्य विषयों के लिए भी अलग-अलग डेस्क होती है | इन डेस्कों पर काम करने वाले उपसंपादकों से अपेक्षा की जाती है कि संबंधित विषय या क्षेत्र में उसकी विशेषज्ञता होगी |

बीट- खबरें कई तरह की होती है - राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, खेल, फिल्म, कृषि, क़ानून विज्ञान या किसी भी और विषय से जुड़ी हुई|संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आमतौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है|मीडिया की भाषा में इसे **बीट** कहते हैं|उदाहरण-एक संवाददाता की बीट अगर अपराध है तो इसका अर्थ यह है कि उसका कार्यक्षेत्र अपने शहर या क्षेत्र में घटने वाली आपराधिक घटनाओं की रिपोर्टिंग करना है |लेकिन विशेष लेखन केवल बीट रिपोर्टिंग ही नहीं है | यह बीट रिपोर्टिंग से आगे एक तरह की विशेषीकृत रिपोर्टिंग है जिसमें न सिर्फ उस विषय की गहरी जानकारी होनी चाहिए बल्कि उसकी रिपोर्टिंग से संबंधित भाषा और शैली पर भी पूरा अधिकार होना चाहिए|

विशेष लेखन के क्षेत्र-अर्थ-व्यापार, खेल जगत, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, कृषि, विदेश, रक्षा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, फिल्में और मनोरंजन, अपराध, सामाजिक मुद्दे, कानून और अदालतें आदि |

विशेष लेखन की भाषा और शैली- विशेष लेखन की भाषा और शैली कई मामलों में सामान्य लेखन से भिन्न है|उनके बीच का सबसे बुनियादी फ़र्क यह है कि हर क्षेत्र विशेष की अपनी विशेष तकनीकी शब्दावली होती है जो उस विषय पर लिखते

हुए आपके लेखन में आती है|उदाहरण के तौर पर कारोबार और व्यापार की शब्दावली- ब्याज दर, मुद्रास्फीति, व्यापार-घाटा, राजकोषीय घाटा, राजस्व घाटा, वार्षिक योजना, विदेशी संस्थागत निवेशक, आवक, निवेश, आयात, निर्यात जैसे शब्द,इसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शब्दों का प्रयोग किया जाता है| विशेष लेखन की कोई निश्चित शैली नहीं होती, लेकिन अगर आप अपने बीट से जुड़ा कोई समाचार लिख रहे हैं तो उसकी शैली उल्टा पिरामिड शैली ही होगी |लेकिन अगर आप समाचार फीचर लिख रहे हो तो उसे कथात्मक शैली में लिख सकते है | अगर आप लेख या टिप्पणी लिख रहे हो तो इसकी शुरुआत भी फीचर की तरह होती है |जैसे आप किसी केस स्टडी से उसकी शुरुआत कर सकते हैं,उसे किसी खबर से जोड़कर यानि **न्यूज़पेग** के जरिये भी शुरू किया जा सकता है|

पाठ पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. विशेष लेखन कहलाता है?
(क) सामान्य लेखन से हटकर किसी विशेष विषय पर किया गया लेखन
(ख) किसी विषय पर लिखा गया रचनात्मक लेखन
(ग) किसी विषय पर किया गया क्रियात्मक लेखन
(घ) किसी और विषय पर किया गया गतिशील लेखन।

2.संवाददाताओं की रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखकर उनके काम के विभाजन को कहते हैं?
(क) कर्मचारी (ख) सीट (ग) बीट (घ) जीट

3. विशेष लेखन के कितने क्षेत्र हैं?
(क) एक (ख)दो (ग) छः (घ) अनेक

4. विशेष लेखन के लिए किस प्रकार की भाषा शैली अपेक्षित है?
(क) साहित्यिक भाषा (ख)सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा
(ग) बाजारू भाषा (घ) हिन्दी-उर्दू मिश्रित भाषा

5. इनमें से विशेष लेखन का कौन-सा क्षेत्र नहीं है?
(क) सिनेमा (ख) मनोरंजन (ग) स्वास्थ्य (घ) समाचार

6. कारोबार और व्यापार से संबंधित खबर का सम्बन्ध किससे है?
(क) खेल क्षेत्र से (ख) कृषि क्षेत्र से (ग) आर्थिक क्षेत्र (घ) राजनीतिक क्षेत्र

7. इनमें से कौन-सा शब्द क्रिकेट जगत का नहीं है?
(क) हिट विकेट (ख) स्पिन (ग) रन (घ) तेजड़िए

8. इनमें से कौन-सा शब्द आर्थिक क्षेत्र से सम्बन्धित नहीं है?
(क) तेजड़िए (ख) बिकवाली (ग) मंदड़िए (घ)आर्द्रता

9. विशेषज्ञता प्राप्त करने हेतु क्या आवश्यक है:-
(क)स्वयं को अपडेट रखना (ख) पुस्तकें पढ़ना (ग)निरंतर दिलचस्पी (घ)उपर्युक्त सभी

10. विशेष लेखन क्यों किया जाता है-
(क)समाचार पत्रों में विविधता आती है (ख)समाचार पत्रों का कलेवर बढ़ता है
(ग) संपादक का महत्व बढ़ता है (घ) विकल्प (क) और (ख)

11. विशेष संवाददाता किन्हें कहा जाता है-
(क)केवल रिपोर्टिंग करनेवालों को (ख)विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वालो को
(ग) विकल्प (क) और (ख) दोनों (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12.बीट कहते हैं-
(क) लेखन और रिपोर्टिंग का विशेष क्षेत्र (ख) रिपोर्टर की टेबल
(ग) हृदय की धड़कन (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

13.कारोबार तथा अर्थजगत से जुड़ी खबरें किस शैली में लिखी जाती हैं-
(क)रोचक शैली में (ख)प्रश्न शैली में (ग)उल्टा पिरामिड शैली में (घ) उपर्युक्त सभी में

14. बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को क्या कहा जाता है-

(क)विशेष संवाददाता (ख)संवाददाता (ग)'क' और 'ख" दोनों (घ)इनमें से कोई नहीं

उत्तर- 1(क),2(ग),3(घ),4(ख),5(घ),6(ग),7(घ),8(घ),9(घ),10(घ),11(ख),12(क),13(ग),14(ग)

अभ्यास हेतु लघुत्तरीय-प्रश्न-

1. विशेष लेखन किसे कहते हैं?
2. विशेष लेखन और विशेष रिपोर्ट में क्या अंतर है?
3. 'डेस्क" क्या है?
4. संवाददाता और विशेष संवाददाता में क्या फर्क होता है?
5. विशेष रिपोर्टिंग के किन्हीं चार प्रकारों को बताइये|
6. विशेष लेखन की भाषा-शैली के तीन प्रमुख बिन्दु लिखिए|
7. विशेष लेखन की लेखन शैली पर तीन बिन्दु लिखिए|
8. 'न्यूज़पेग क्या' है?
9. विशेष लेखन की भाषा शैली सामान्य लेखन से अलग क्यों होती है ?
10. समाचार चैनल की ओर से एजेण्डा देने के लिए को दो विषय लिखिए | समाज की ओर से उन पर प्रतिक्रिया भी व्यक्त कीजिये |

कैसे करें कहानी का नाट्य रूपान्तरण

कहानी और नाटक में सम्बन्ध –कहानी और नाटक दोनों का केंद्रबिंदु कथानक होता है |कहानी और नाटक दोनों में पात्र,देशकाल तथा वातावरण जैसे तत्व मौजूद होते हैं | साथ ही संवाद ,द्वंद्व ,उद्देश्य तथा चरमोत्कर्ष दोनों में ही पाए जाते हैं |इस सम्बन्ध को निम्न बिन्दुओं से समझा जा सकता है –

कहानी – कहानी का केंद्रबिंदु कथानक होता है | कहानी में एक कहानी होती है | कहानी में पात्र होते हैं | कहानी में परिवेश होते हैं | कहानी का क्रमिक विकास होता है | कहानी में संवाद होते हैं | कहानी में पात्रों के मध्य द्वंद्व होता है | कहानी में एक उद्देश्य निहित होता है |कहानी का चरमोत्कर्ष होता है |

नाटक – नाटक का केन्द्रबिंदु कथानक होता है |नाटक में भी एक कहानी होती है | नाटक में भी पात्र होते हैं | नाटक में भी परिवेश होता है | नाटक का भी क्रमिक विकास होता है | नाटक में भी संवाद होते हैं | नाटक में पात्रों के मध्य द्वंद्व होता है | नाटक में भी एक उद्देश्य निहित होता है | कहानी का भी चरमोत्कर्ष होता है |

कहानी और नाटक में मूलभूत अंतर -

- जहाँ कहानी का सम्बन्ध लेखक और पाठक से है वहीं नाटक लेखक,निर्देशक ,पात्र ,श्रोता एवं अन्य लोगों को एक दूसरे से जोड़ता है |
- कहानी कही जाती है या पढ़ी जाती है | नाटक मंच पर प्रस्तुत किया जाता है |
- कुछ मूल तत्व जैसे द्वंद्व; नाटक में जितना और जिस मात्रा में होता है उतना कहानी में संभवतः नहीं होता है |

कहानी का नाट्य रूपांतरण कैसे करें ?

- कहानी को नाटक में रूपांतरित करने के लिए सबसे पहले कहानी की विस्तृत कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित किया जाता है |
- यदि एक घटना ,एक स्थान और एक समय में घट रही है तो वह एक दृश्य होगा |
- कहानी की कथावस्तु को सामने रखकर एक –एक घटना को चुन-चुन कर निकाला जाता है और उसके आधार पर दृश्य निर्माण होता है |
- प्रत्येक दृश्य का कथानक के अनुसार औचित्य होना चाहिए |
- प्रत्येक दृश्य का कथानक के अनुसार विकास होना चाहिए |

- प्रत्येक दृश्य एक बिंदु से प्रारंभ होता है और इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि परिस्थिति,परिवेश,पात्र,कथानक से सम्बंधित विवरणात्मक टिप्पणियाँ किस प्रकार की हैं
- नाटकीय संवादों का कहानी के मूल संवादों के साथ मेल होना चाहिए |
- संगीत ,ध्वनि और प्रकाश आदि की व्यवस्था करनी होती है |

अभ्यास के लिए प्रश्न –

प्रश्न – कहानी और नाटक में क्या क्या समानताएं हैं ?

प्रश्न – "कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद का विशेष महत्त्व होता है"- इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

प्रश्न – कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय आने वाली किन्ही दो चुनौतियों का उल्लेख करें |

प्रश्न – कहानी के नाट्य रूपांतरण में "वायस ओवर" की भूमिका स्पष्ट कीजिये |

कैसे बनता है रेडियो नाटक

'रेडियो नाटक' नाटक का वह रूप है जो रेडियो पर प्रसारित होता है। रेडियो ,श्रव्य माध्यम है जिसमें दृश्य(विजुअल्स) नहीं होते और न ही दर्शक और अभिनेता आमने-सामने होते हैं। रेडियो नाटक लेखन सिनेमा या रंगमंच के लेखन से थोड़ा भिन्न है और कठिन भी। यहाँ आपकी सहायता के लिए न मंच सज्जा तथा न वस्त्र सज्जा है और न ही अभिनेता के चेहरे की भाव भंगिमाएं। आपको सब कुछ संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से ही सन्देश संप्रेषित करना होता है।अत: रेडियो नाटक लेखन के लिए निम्न बिन्दुओं को मद्देनज़र रखना आवश्यक है -

1. कहानी का चुनाव- रेडियो नाटक के लिए आवश्यक है कि कहानी 'एक्शन बेस्ड' न हो क्योंकि रेडियो पर बहुत अधिक एक्शन का जहाँ प्रभाव उत्पन्न करना मुश्किल होता है वहीं श्रोताओं को उबाऊ भी लगता है।

2. समयावधि-रेडियों नाटक की अवधि 15 मिनट से 30 मिनट तक की ही होनी चाहिए क्योंकि रेडियो के श्रोता सिनेमा की तरह 'कैप्टिव ऑडियंस' नहीं हैं जो एक निश्चित समय के लिए एक जगह विशेष पर बैठ कर देखने को बाध्य हों।

3. पात्रों की संख्या- चूँकि रेडियो नाटक की समयावधि कम होती है और श्रव्य माध्यम होने के कारण पात्रों को सिर्फ उनकी आवाज़ से ही पहचानना होता है इसलिए रेडियो नाटक के पात्रों की संख्या 5-6 होनी चाहिए।

4. संवाद और ध्वनि प्रभाव-रेडियो नाटक में पात्रों, घटनाओं / दृश्यों सम्बंधित समस्त जानकारी संवादों के ही द्वारा प्राप्त होती है। तो उसी के अनुसार संवाद और ध्वनि का निर्माण / चयन किया जाए।

रेडियो नाटक के तत्व -

रेडियो नाटक में ये 3 तत्व महत्वपूर्ण है- **1. भाषा, 2. ध्वनि और 3. संगीत** (इन तीनों के कलात्मक संयोजन से विशेष प्रभाव उत्पन्न किया जाता है।)

1. भाषा- भाषा केंद्र में है और यह ध्यातव्य है कि भाषित शब्द की शक्ति लिखित शब्द से अधिक होती है और शब्द प्रयोग ऐसे हों जिनका बोलकर अभिनय करने में सरलता हो |

2. ध्वनि और संगीत- संगीत सामान्यतः दृश्य परिवर्तन और संवाद के बीच के अंतराल को भरने के लिए उपयोग में आता है तथा नाटक की विषय वस्तु और कथ्य के अनुरूप वातावरण के निर्माण के लिए भी। यह वातावरण अदृश्य होता है इसलिए संगीत की आवश्यकता और भूमिका और बढ़ जाती है। संगीत का योगदान भी विशिष्ट होता है।

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु -

1. जिन रचनाकारों ने रेडियो नाटक के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान किया है, उनमें से कुछ ये हैं- सिद्धनाथ कुमार,उदय शंकर भट्ट, भगवतीचरण वर्मा, गिरिजाकुमार माथुर, भारत भूषण अग्रवाल और धर्मवीर भारती। धर्मवीर भारती का गीतिनाट्य अंधा युग पहली बार रेडियो से ही प्रसारित किया गया।

2. रेडियो नाटक में नैरेटर या सूत्रधार हो सकता है। ऐसा होता रहा है। जो काम नैरेटर या सूत्रधार करने वाला है वह पात्रों के संवादों के माध्यम से संपन्न हो जाए तो स्थिति अच्छी मानी जाती हैं।

3.इस प्रकार रेडियो नाटक श्रव्य नाटक है। यह गतिशील है। अतीत, वर्तमान, भविष्य तीनों कालों में इसके माध्यम से गमन किया जा सकता है। यह बोली जाने वाली भाषा की शक्ति-क्षमता का भरपूर उपयोग करता है। कल्पना तत्व से इसका गहरा संबंध है।

4.यह अंतर्मन का नाटक है,मितव्ययी भी है।

5.न्यूनतम साधनों से अधिकतम प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता भी है। ध्वनि और संगीत का रचनात्मक उपयोग इसके प्रभाव में वृद्धि करता है।

महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर -

प्रश्न: रेडियो नाटक और सिनेमा या रंगमंच में क्या-क्या समानता अथवा असमानता है?

उत्तर:1. रेडियो एक श्रव्य माध्यम है, जबकि सिनेमा या रंगमंच एक दृश्य माध्यम है। रेडियो नाटक में सब कुछ संवादों एवं ध्वनि प्रभावों के माध्यम से संप्रेषित करना पड़ता है। 2.रेडियो नाटक में मंच सज्जा, वस्त्र सज्जा एवं अभिनेता के चेहरे की भाव-भंगिमाओं का अभाव होता है, जबकि सिनेमा या रंगमंच में ये सभी चीजें आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं अर्थात् हम कह सकते हैं कि रेडियो नाटक में सब कुछ आवाज के माध्यम से सम्पन्न होता है।

प्रश्न: रेडियो नाटक की अवधि या समय-सीमा पर टिप्पणी लिखिए।

उत्तर: सामान्यत: रेडियो नाटक की अवधि 45 से 30 मिनट होती है, इसके अनेक कारण होते हैं; जैसे कि रेडियो पर समय की बाध्यता होने के कारण ऐसा माना जाता है कि श्रोता अधिकतम 5 से 30 मिनट तक ही एकाग्रता बनाकर रेडियो नाटक को सुन सकता है। इसका दूसरा कारण यह भी है कि जैसे ही श्रोता को रेडियो नाटक यदि अधिक लंबा या उबाऊ महसूस होता है तो वह किसी दूसरे स्टेशन को ट्यून कर सकता है या फिर उसका ध्यान कहीं ओर जा सकता है।

प्रश्न: रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या के संबंध में अपने विचार व्यक्त कीजिए।

उत्तर: जैसा कि आप सब जानते हैं कि रेडियो नाटक की समयावधि सीमित होती है।रेडियो नाटक में दृश्यों का अभाव होने के कारण श्रोता को संवादों को सुनकर ही पात्रों के साथ अपना रिश्ता बनाए रखना पड़ता है क्योंकि श्रोता सिर्फ आवाज़ के सहारे ही पात्रों को याद रख पाता है। अतः 45मिनट के रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या अधिकतम 5-6 होनी चाहिए। 30 से 40 मिनट की अवधि वाले नाटक में पात्रों की संख्या 8 से 42 हो सकती है।

प्रश्न: रेडियो नाटक के लिए संवाद लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

उत्तर: जैसा कि हम सब जानते हैं रेडियो नाटक एक श्रव्य माध्यम है। श्रव्य माध्यम में दृश्यों का अभाव होता है। अत: श्रव्य माध्यम होने के कारण रेडियो नाटक में सब कुछ संवादों के माध्यम से सम्पन्न होता है; इसलिए सभी पात्रों/ चरित्रों को अपने संवादों में एक-दूसरे को नाम से संबोधित किया जाना चाहिए। ऐसा करने से श्रोता रेडियो नाटक के संवादों के साथ रिश्ता कायम करते हुए नाटक का भरपूर रसास्वादन कर पाएगा।

प्रश्न -कहानी और रेडियो नाटक की समानताएँ बताइए।

उत्तर-- कहानी और रेडियो नाटक में बहुत सी समानताएँ हैं। इन दोनों में एक कहानी होती है। पात्र होते हैं। परिवेश होताहै। कहानी का क्रमिक विकास होता है। संवाद होते हैं। द्वंद्व होता है। चरम उत्कर्ष होता है। इस प्रकार हम देखते हैं कि नाटक और कहानी की आत्मा के कुछ मूल तत्व एक ही हैं। तथा कहानी और रेडियो नाटक दोनों ही मनुष्यों का मनोरंजन करते हैं।

प्रश्न – 'कैप्टिव ऑडियंस' किसे कहते हैं?

उत्तर- दर्शक एक समय विशेष के लिए किसी एक प्रेक्षागृह में एक साथ बैठते हैं अर्थात एक स्थान पर कैद किए गए होते हैं। इन्हीं कैद हुए दर्शकों को अंग्रेजी में कैप्टिव ऑडियंस कहते हैं।

प्रश्न - रेडियो नाटक की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभाव और संवादों का विशेष महत्व है जो इस प्रकार है-

रेडियो नाटक में पात्रों से संबंधित सभी जानकारियां संवादों के माध्यम से मिलती है।पात्रों की चारित्रिक विशेषताएं संवादों के द्वारा ही उजागर होती है।नाटक का पूरा कथानक संवादों पर ही आधारित होता है।इसमें ध्वनि प्रभावों और संवादों के माध्यम से ही कथा को श्रोताओं तक पहुंचाया जाता है।संवादों के माध्यम से ही रेडियो नाटक का उद्देश्य स्पष्ट होता है।संवादों के द्वारा ही श्रोताओं को संदेश दिया जाता है।

नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन

'अप्रत्याशित' शब्द का अर्थ है- अचानक घटित होने वाला या असंभावित|अप्रत्याशित विषय पर लेखन से तात्पर्य ऐसे शीर्षकों पर लिखना जिसकी हमने पहले से तैयारी न की हो |जहां निबंधों/आलेखों में 'मैं' शैली का प्रयोग वर्जित होता है,वहीं इस इस तरह के लेखन में 'मैं' शैली का प्रयोग बेरोकटोक किया जा सकता है|अप्रत्याशित रचनात्मक लेखन का कोई निश्चित प्रारूप नहीं होता और निश्चित प्रारूप नही होने के कारण लेखक स्वतंत्र रूप से अपने भावों ,विचारों और सिद्धांतों आदि को प्रस्तुत कर सकता है | यह ध्यान रखना आवश्यक है कि जो भी विवरण ,विवेचन हो वह सुसंगत और सुसंबद्ध हो |

अप्रत्याशित लेखन के कुछ उदाहरण-

1.कर्म और अभ्यास- मानव जीवन में कर्म की प्रधानता है। कर्म अभ्यास के साथ जुड़ा है। अभ्यास का अर्थ है-किसी काम को करने का निरंतर प्रयत्न। निरंतर प्रयत्न करतेरहने से किसी काम में वांछित सफलता अवश्य मिलती है। किसान जो बीज खेत में बोता है, उसे ही फसल के रूप में वह बाद में काटता है।निरंतर अभ्यास करने से मूर्ख भी ज्ञानी हो जाता है जैसे पत्थर पर रस्सी के बार-बार आने-जाने से पत्थर पर निशान पड़ जाते हैं। यह कार्य-कुशलता का मूलमंत्र है। शरीर को सुडौल बनाने के लिए निरंतर व्यायाम आवश्यक है। विद्यार्थी को कोई चीज बार-बार याद करनी पड़ती है। कवि भी तभी प्रखर बनता है जब वह अभ्यास करता है। भगवान श्री कृष्ण ने कहा भी है कि -

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन |

मा कर्मफलहेतुर्मुमा ते संगोडस्त्वकर्मणि ॥

सभी को निरंतर कर्म का अभ्यास करते रहना चाहिए।अभ्यास से कई लाभ होते हैं। इससे मानव की कार्य-दक्षता बढ़ती है। इससे ज्ञान में वृद्धि होती है। अभ्यास के प्रसंग में यह भी विचारणीय है कि अभ्यास व्यक्ति स्वयं करता है या उसके लिए किसी के निर्देश की आवश्यकता होती है।अभ्यास के द्वारा व्यक्ति ज्ञान की विभिन्न धाराओं का परिचय प्राप्त करता है। यह विशेष प्रकार की आदत का निर्माण कर देता है।यह आदत कई रूपों में काम देती है। अभ्यास के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ग्लैडस्टोन मंच पर बोल सके। कालिदास की कहानी के बारे में सभी जानते हैं।अभ्यास मानव-जीवन के लिए वह पारस पत्थर है जिसका स्पर्श पाकर लोहा भी सोना हो जाता है। यह बिल्कुल सही है कि जड़ बुद्धि वाला व्यक्ति भी अभ्यास से सीख सकता है। सफलता केलिए अभ्यास नितांत आवश्यक है। ठीक ही कहा गया है कि -करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।

अप्रत्याशित विषयों पर रचनात्मक लेख पर आधारित लघुत्तरीय प्रश्न-

1. 'अप्रत्याशित' शब्द का क्या अर्थ है?

   उत्तर-'अप्रत्याशित' शब्द का अर्थ है- अचानक घटित होने वाला या असंभावित|अप्रयाशित विषय पर लेखन से तात्पर्य ऐसे शीर्षकों पर लिखना जिसकी हम पहले से तैयारी न किए हों|

2. पारंपरिक और अप्रत्याशित विषयों में अंतर बताइए |

   उत्तर-पारंपरिक विषय वो विषय होते हैं जो किसी मुददे, विचार, घटना आदि से जुड़े होते हैं और अधिकतर सामाजिक और राजनीतिक विषय होते हैं। इसमें आप अपनी व्यक्तिगत राय को उतना महत्त्व न देकर सामूहिक विचार पर ज़ोर देते हैं, जबकि अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में आपके अपने निजी विचार होते हैं।

3. अप्रत्याशित विषयों पर लेखन को प्राथमिकता क्यों दी जाती है?

उत्तर-1.अप्रत्याशित लेखन के माध्यम से हर किसी को रचनात्मक एवं मौलिक लेख लिखने का अवसर मिलता है।

2. इसमें लेखक के चिंतन मनन, विचार विश्लेषण एवं तार्किक क्षमता का विकास होता है। 3.इससे लेखन कौशल्र का विकास होता है। 4. इससे भाषा पर अच्छी पकड़ बनती है। 5. अप्रत्याशित विषयों पर लेखन कम समय में अपने विचारों को संकलित कर उन्हें सुंदर और सुघड़ ढंग से अभिव्यक्त करने की चुनौती है।

4.क्या अप्रत्याशित विषयों पर लेखन का कोई निश्चित रूप होता है?

उत्तर-नहीं, अप्रत्याशित लेखन का कोई निश्चित रूप नहीं होता है । दैनिक जीवन से जुड़े हुए किसी भी विषय पर अप्रत्याशित लेखन लिखा जा सकता है | जब आप अपने विचारों को अपने अनुभव, तर्क, सिद्धांत, समाज, स्थान, काल और पात्र के आधार पर शब्दांकित करते हैं तो वो कभी संस्मरण, कभी निबंध, कभी रेखाचित्र, कभी कहानी, कभी यात्रा वृत्तान्त, कभी रिपिर्ताज आदि साहित्यिक विधा का रूप ले सकता है।

4. अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के विषय क्या हो सकते हैं?

उत्तर-दैनिक जीवन से जुड़े हुए किसी भी विषय पर अप्रत्याशित लेखन लिखा जा सकता है|ये विषय कुछ भी हो सकते हैं, जैसे मेरे घर का बगीचा, एक शाम पहाड़ी जीवन के नाम, दीवाल घड़ी, बारिश में बिन छतरी, तीन घंटे का अकेलापन, दिव्य शक्तियाँ और मैं, फर्ज कीजिए आप तिलचट्टा हैं, धारावाहिकों में स्त्री, समुद्र किनारे आप और आपकी यादें इत्यादि।

आरोहभाग-2 काव्यखंड

पाठ-1 आत्म-परिचय व एक गीत- हरिवंश राय बच्चन

आत्मपरिचय मूलभाव-

कवि हरिवंश राय बच्चन ने 'आत्मपरिचय' में प्रेम और मस्ती का संदेश दिया है।
कवि अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक है परंतु प्रेम के बिना उसे ये संसार अधूरा लगता है।
कवि सांसारिक लोभ-लालच व मोह-माया के ज्ञान को भुलाना चाहता है और धन-दौलत को ठोकर मारता है।
कवि अपना परिचय देते हुए लगातार दुनिया से अपने दुविधात्मक और द्वंद्वात्मक संबंधों का मर्म उद्घाटित करता चलता है।
कवि कहता है कि दुनिया से मेरा संबंध प्रीतिकलह का है, मेरा जीवन विरुद्धों का सामंजस्य है- उन्मादों में अवसाद, रोदन में राग, शीतल वाणी में आग है|

एक गीत मूलभाव-

निशा-निमंत्रण से उद्धृत इस गीत में कवि प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के संदर्भ में प्राणी-वर्ग के धड़कते हृदय को सुनने की काव्यात्मक कोशिश व्यक्त करता है। किसी प्रिय आलंबन या विषय से भावी साक्षात्कार का आश्वासन ही हमारे प्रयास के पगों की गति में तेजी भर सकता है-अन्यथा हम शिथिलता और फिर जड़ता को प्राप्त होने को अभिशिप्त हो जाते हैं। यह गीत इस बड़े सत्य के साथ समय के गुजरते जाने के एहसास में लक्ष्य-प्राप्ति के लिए कुछ कर गुजरने का जज्बा भी लिए हुए है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1.काव्यांश में कवि किसका भार लिए फिरता है?

(क) घर तथा परिवार का (ख) संसार का (ग) अपने कार्यालय का (घ) आस-पड़ोस का

2.काव्यांश के अनुसार कवि सबको क्या बाँट रहा है?

(क) खुशियाँ (ख) दुःख (ग) आशा (घ) प्रेम

3.कवि अपने जीवन में किस सुरा का पान करता है?

(क) ईर्ष्या-द्वेष (ख) उत्साह-उमंग (ग) स्नेह (घ) ये सभी

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : कवि अपने मन का गान करता है ।

कारण (R) : यह संसार अपने मन का गान करने वाले को ही पूछता है ।

क. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

घ. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कवि के अनुसार संसार में किन लोगों को प्रतिष्ठा प्राप्त होती है?

(क) संसार के हित में कार्य करने वालों को (ख) संसार के लिए उच्च साहित्य रखने वालों को

(ग) संसार की झूठी प्रशंसा न करने वालों को (घ) संसार का झूठा गुणगान करने वालों को

उत्तर- 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क, 5-घ

2

1.'निज उर के उद्गार' से कवि का क्या तात्पर्य है?

(क) अपने हृदय की वाणी की अभिव्यक्ति (ख) अपने हृदय से भिन्न मनोभाव

(ग) अपने हृदय से निकाल दी गई स्मृतियाँ (घ) अपने हृदय के केवल दुःख

2.कवि को संसार प्रिय क्यों नहीं है?

(क) संसार के बदलाव के कारण (ख) संसार की अपूर्णता के कारण

(ग) संसार की समान स्थिति के कारण (घ) उपरोक्त सभी

3.कवि के हृदय में कैसी अग्नि दहक रही है?

(क) ईर्ष्या-द्वेष से पूर्ण अग्नि (ख) सभी कुछ नष्ट कर देने वाली अग्नि

(ग) स्वयं को जलाने वाली विरहाग्नि (घ) स्नेहरूपी अग्नि

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : यथार्थ को स्वीकार नहीं करने से कवि के स्वप्न अधूरे रह गए हैं।

कारण (R) : कल्पना और वास्तविकता में सामंजस्य की कमी होने से कवि को संसार अधूरा महसूस होता है।

क. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

घ. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कवि किसकी अपेक्षा नहीं करता है?

(क) विचारों की (ख) साधनों की (ग) प्रेम की (घ) घृणा की

उत्तर- 1-क, 2-घ, 3-ग, 4-ख, 5-ख

3

1.कवि के मन में किस चीज की आशंका है?

(क) घर पहुंच पाने की (ख) घर न पहुंच पाने की

(ग) घर पहुंचने से पहले ही रात हो जाने की (घ) यात्रा बिना रुकावट पूरी हो जाने की

2.कवि किस आशा से प्रेरित हो उठता है?

(क) मंजिल पास ही आने वाली है (ख) कोई उसकी प्रतीक्षा नहीं कर रहा है

(ग) मंजिल तक पहुंचने में बहुत समय शेष है (घ) मंजिल तक पहुँचकर वह कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाएगा

3.थका हुआ पथिक किसे पाने के कारण जल्दी-जल्दी चलता है?

(a) अपने साथी को (ख) अपने भोजन को (ग) अपने लक्ष्य को (घ) अपने स्वार्थ को

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : चिड़िया के बच्चे अपनी मां की प्रतीक्षा कर रहे हैं ।

कारण (R) : चिड़िया तेजी से पंख चला कर अपने घोंसले में जाना चाहती है।

क. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R)) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

घ. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कवि के पैरों की गति को कौन-सा भाव शिथिल कर देता है?

(क) चिड़िया की तीव्र उड़ान (ख) बच्चों की व्याकुलता

(ग) समय का तीव्रगति से व्यतीत होना (घ) कवि से मिलने को किसी का व्याकुल न होना

उत्तर- 1-ग, 2-क, 3-ग, 4-ग, 5-घ

वस्तुपरक प्रश्नों हेतु बिंदु -

स्नेह-सुरा- प्रेम रूपी नशा, जिसे पीकर कवि समस्त संसार में प्रेम फैलाना चाहता है|

उद्गार- कवि के कोमल और प्रेम से भरे विचार

उपहार- कवि की कोमल व प्रेम भावनाएँ जो वह संसार को देना चाहता है

कवि को संसार अधूरा लगता है क्योंकि इस संसार में प्रेम की कमी है|

प्रेमिका की यादों और उसके प्रति प्रेम के कारण कवि सुख-दुःख दोनों में मग्न रहता है |

उन्मादों में अवसाद का आशय- कवि में युवाओं का जोश, उत्साह है परन्तु संसार में प्रेम की कमी के कारण वे दुखी है और कवि को अपनी प्रेमिका से भी प्रेम प्राप्त नहीं हुआ है |

कवि सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया का ज्ञान भुलाना चाहता है |

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्र.(1) कविता एक ओर जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात करती है और दूसरी ओर मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- विपरीत से लगने वाले इन कथनों का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- जग-जीवन का भार लिए घूमने की बात- सामाजिक दायित्वों के प्रति सचेत और संसार में प्रेम बढ़ाने की कोशिश करना | संसार के प्रति अपनी जिम्मेदारियाँ निभा रहा हूँ |

मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ- प्रेम बढ़ाने के लिए संसार की निंदा की परवाह नहीं करता हूँ |

प्र.(2) जहाँ पर दाना रहते हैं, वहीं नादान भी होते हैं- कवि ने ऐसा क्यों कहा है ?

उत्तर-

- दाना- सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया
- नादान- सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया में डूबे मूर्ख लोग

तात्पर्य यह है कि जहाँ सांसारिक लोभ-लालच, मोह-माया है वहीं उसमें डूबने वाले मूर्ख लोग भी हैं जो प्रेम को महत्त्व नहीं देते हैं |

प्र.(3) मैं और, और जग और कहाँ का नाता- पंक्ति में <u>और</u> शब्द की विशेषता बताते हुए पंक्ति के अर्थ को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- और शब्द की विशेषता- प्रथम व तृतीय और का अर्थ है- अलग/भिन्न

द्वितीय और का अर्थ है- तथा

इस प्रकार इसमें यमक अलंकार है |

पंक्ति का अर्थ- कवि कहता है कि मैं अलग हूँ तथा संसार के लोग अलग है क्योंकि मैं प्रेम को महत्त्व देता हूँ और संसार के लोग सांसारिकता को महत्त्व देते हैं |

प्र.(4) शीतल वाणी में आग- के होने का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर- शीतल वाणी- कोमल शब्दों व शीतल स्वरों का प्रयोग

आग- प्रेम रहित संसार के प्रति क्रोध

संसार में प्रेम की कमी देखकर कवि को क्रोध आता है परंतु इस क्रोध को वह कोमल शब्दों और शीतल स्वरों के माध्यम से अपनी कविता में प्रकट करता है |

प्र.(5) 'आत्मपरिचय' कविता के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- इस कविता में कवि ने स्वयं की अस्मिता को दुनिया के सामने प्रकट किया है |

कवि ने अपने कोमल भाव व प्रेम भरे विचार तथा स्वप्नों के संसार को प्रकट किया है | कवि ने अपने निजी प्रेम को सबके सामने प्रकट किया है |इस प्रकार कविता की एक-एक पंक्ति कवि का परिचय दे रही है | अतः यह शीर्षक सार्थक है |

प्र.(6) पथिक के कदम तेज़ व धीमे होने के कारण लिखिए |

उत्तर- मंजिल नज़दीक दिखाई देने ,मंजिल पर जल्दी पहुँचने और प्रियजनों से जल्दी मिलने की इच्छा के कारण पथिक जल्दी चलता है| जब पंथी के मन में विचार आता है कि उसका इंतजार करने वाला कोई नहीं है और वह किसके भले के लिए जल्दी जाए ,तब उसके कदम धीमे हो जाते हैं|

प्र.(7) बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे ?

उत्तर- बच्चे इस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे कि उनकी माँ चिड़िया शीघ्र ही आएगी और उन्हें भोजन देकर उनका भरण-पोषण करेगी | साथ ही उन्हें ढेर सारा प्यार भी देगी |

प्र.(8) दिन जल्दी– जल्दी ढलता है- की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है ?

उत्तर- दिन जल्दी– जल्दी ढलता है- की आवृत्ति से प्रेम की आतुरता और उसके प्रभावी रूप से प्रकट करना, कविता में लय पैदा करना, तथा कविता में रोचकता पैदा करना आदि विशेषताओं का पता चलता है |

पाठ-2 पतंग - आलोक धन्वा

मूलभाव-

- पतंग कविता में भादों के बाद हुए प्राकृतिक परिवर्तनों और बाल क्रियाकलापों को चित्रित करने के लिए सुंदर बिम्बों का प्रयोग किया गया है |
- इस कविता में भादों महीने के बाद शरद ऋतु के सवेरे की तुलना खरगोश की लाल आँखों से की गई है |
- शरद की तुलना साइकिल चलाते बच्चे से की गई है | साइकिल चलाते बच्चे के समान शरद ऋतु बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करती है |
- शरद ऋतु में बच्चे पतंग उड़ाते हैं और उनके लिए पतंग दुनिया की सबसे हलकी और रंगीन चीज़ है , साथ ही पतंग का कागज़ सबसे पतला कागज़ है तथा उसकी कमानी सबसे पतली कमानी है |
- कवि ने शरद ऋतु में बच्चों द्वारा रंग-बिरंगी पतंगें उड़ाने के साथ-साथ खुश होकर चिल्लाने व सीटी बजाने को नाज़ुक दुनिया कहकर वर्णित किया है |
- कवि आलोक धन्वा के अनुसार बच्चे कपास के समान कोमल, लचीले व पवित्र होते हैं |
- बच्चे पतंग के लिए बेसुध होकर तेज़ गति से दौड़ते हैं |
- पतंग के लिए दौड़ते बच्चों के पैरों की गूँज सभी दिशाओं में गूँजती है |
- बच्चों में झूले व पेड़ की डाली की तरह लचीलापन होता है |
- बच्चों में उत्साह, जोश व लचीलेपन के कारण वे छतों के खतरनाक किनारों से गिरने से बच जाते हैं |
- पतंग के साथ बच्चा केवल एक धागे से जुड़ा होता है परन्तु ऊँची उड़ती पतंग के साथ उसके दिल की धड़कन भी जुड़ जाती है |
- छतों के खतरनाक किनारों से गिरकर बचने पर बच्चे निडर हो जाते हैं और वह चमकदार धूप में भी पतंग उड़ाते हैं तथा तेज़ी से दौड़ते हैं |

बहुविकल्पीय प्रश्न -1

प्र.(1) पतंग कविता में किस ऋतु के समाप्त होने का उल्लेख है –

(क) सर्दी (ख) बसंत (ग) गर्मी (घ) वर्षा

प्र.(2) शरद की तुलना किससे की गई है –

(क) साइकिल चलाने वाले बच्चे से (ख) पतंग से

(ग) खरगोश की आँखों से (घ) तितलियों से

प्र.(3) निम्नलिखित में से कौन-सा परिवर्तन पतंग कविता में चित्रित नहीं है ?

(क) कई ऋतुओं के बाद शरद का आगमन (ख) सुबह का सूरज लाल व चमकदार

(ग) शीतल मंद हवा चलना (घ) आँधी व लू का चलना

प्र.(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : पतंग को पतले कागज और पतली कमानी से बनाया जाता है ।

कारण (R) : पतले कागज और पतली कमानी के कारण पतंग आसानी से ऊपर उड़ जाती हैं ।

क. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

घ. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्र.(5) चमकीले इशारों का अर्थ है –

(क) चमकदार सूर्य द्वारा आकर्षित करना (ख) चमकदार चाँदनी द्वारा आकर्षित करना

(ग) बिजली चमकना (घ) पतंगों का चमकना

उत्तर- 1-घ, 2-क, 3-घ, 4-घ, 5-क

2

प्र.(1) बच्चे से कपास की क्या समानता का गुण नहीं है –

(क) कोमलता (ख) लचीलापन (ग) पवित्रता (घ) कठोरता

प्र.(2) 'छतों को नरम बनाते हुए' पंक्ति का अर्थ है –

(क) बच्चों के कोमल पैरों से छत मुलायम महसूस होना (ख) छतों पर रूई फैलाना

(ग) छत पर पतंगें रख देना (घ) आसमान में बादलों का आना

प्र.(3) दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का अर्थ है-

(क) ढोल-नगाड़ों की आवाज़ गूँजना (ख) तबलों की आवाज़ गूँजना

(ग) पैरों की आवाज़ गूँजना (घ) हवाओं की आवाज़ गूँजना

प्र.(4) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) : बच्चों में कपास की तरह नरमी, लोच और कोमलता जन्मजात होती है।

कारण (R) : पृथ्वी घूमती हुई बच्चों के बेचैन पैरों के पास आती है ।

क. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

घ. कथन (A) सही है तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

प्र.(5) 'पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं' पंक्ति में 'वे' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है –

(क) पक्षी (ख) बच्चे व उनके मन

(ग) बादल (घ) अन्य पतंगें

उत्तर- 1-घ, 2-क, 3-ग, 4-ग, 5-ख

वर्णनात्मक प्रश्न –

प्र.(1) 'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, उसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए |

उत्तर- 'सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया' के बाद प्रकृति में जो परिवर्तन कवि ने दिखाया है, वह इस प्रकार है–

(i) शरद ऋतु का आगमन कई ऋतुओं के बाद हुआ है |

(ii) शरद ऋतु में सुबह का सूर्य लाल व चमकदार है |

(iii) शरद ऋतु में आसमान साफ़ है |

(iv) शरद ऋतु में शीतल मंद हवा चल रही है और आकाश मुलायम हो गया है |

प्र.(2) जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास – कपास से बच्चों की तुलना क्यों की गई है ?

उत्तर- कपास – कोमल, मुलायम, लचीली व साफ़

बच्चे – कोमल, मुलायम, सहनशील व पवित्र मन

जिस प्रकार कपास कोमल, मुलायम, लचीली व साफ़ होती है उसी प्रकार बच्चे कोमल व मुलायम होते हैं | साथ ही वे सहनशील होते हैं और उनका मन पवित्र होता है |

प्र.(3) पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं – बच्चों का उड़ान से कैसा सम्बन्ध है ?

उत्तर- जब बच्चे पतंग उड़ाते हैं तो पतंग के साथ-साथ बच्चों के मन भी उड़ते हैं | जिस बच्चे की पतंग जितनी ऊँची उड़ती है, वह बच्चा भी अपने-आप को उतना ही ऊँचा उड़ता हुआ महसूस करता है | इस प्रकार जब बच्चे अपनी आँखों से पतंग को उड़ती हुई देखते हैं तो वह खुद उड़ता हुआ महसूस करते हैं

प्र.(4) दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने का क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- जब बच्चे पतंग के लिए बेसुध होकर खुरदरी छतों पर दौड़ते हैं तो उनके पैरों की आवाज़ चारों दिशाओं में गूँजती है | यह आवाज़ इस प्रकार लगती है मानो चारों दिशाओं में ढोल-नगाड़े और मृदंग बज रहे हैं |

प्र.(5) खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद आप दुनिया की चुनौतियों के सामने स्वयं को कैसा महसूस करते हैं ?

उत्तर- खतरनाक परिस्थितियों का सामना करने के बाद हम अपने-आप को निडर और आत्मविश्वास से भरा महसूस करते हैं | हम अपने-आप को चुनौतियों का मुकाबला करने में अधिक सक्षम पाते हैं |

प्र.(6) कविता में आए बिम्बों को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर-

1. <u>दृश्य बिम्ब (आँखों के सामने उभरने वाले)</u> - सबसे तेज़ बौछारें गयीं, भादो गया, खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा, शरद आया पुलों को पार करते हुए, अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए, चमकीली इशारों से बुलाते हुए, सुनहले सूरज के सामने आते हैं |
2. <u>श्रव्य बिम्ब (सुनाई देने वाले)</u> - घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से, दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए |
3. <u>स्पर्श बिम्ब (महसूस करने वाले)</u> - आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए, छतों को नरम बनाते हुए|

प्र.(7) शरद के सवेरे की तुलना किससे की गई है और क्यों ? शरद की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

उत्तर- शरद के सवेरे की तुलना खरगोश की आँखों की गई है, क्योंकि शरद के सवेरे का सूर्य खरगोश की आँखों की तरह लाल और चमकदार होता है |

शरद की तुलना साइकिल चलाते बच्चे से की गई है, क्योंकि साइकिल चलाते बच्चे के समान शरद ऋतु उत्साह व उमंग से भरी होती है |

प्र.(8) छतों को नरम बनाने से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर पतंग के लिए खुरदरी छतों पर दौड़ते बच्चों के कोमल पैरों में चुभन का अहसास नहीं होता, तो ऐसा महसूस होता है कि उनके पैरों ने छतों को नरम बना दिया है |

****

पाठ-3 कविता के बहाने, बात सीधी थी पर - कुँवर नारायण

<u>कविता के बहाने का मूलभाव-</u>

- यह कविता एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है।

- कवि कहता है कि चिड़िया की उड़ान की सीमा है, फूल के खिलने के साथ उसकी परिणति निश्चित है, लेकिन बच्चे के सपने असीम हैं।
- बच्चों के खेल में किसी प्रकार की सीमा का कोई स्थान नहीं होता।
- कविता भी शब्दों का खेल है और शब्दों के इस खेल में जड़, चेतन, अतीत, वर्तमान और भविष्य-सभी उपकरण मात्र हैं। इसीलिए जहाँ कहीं रचनात्मक ऊर्जा होगी, वहाँ सीमाओं के बंधन खुद-ब-खुद टूट जाते हैं।

बात सीधी थी पर का मूलभाव-

- इसमें कथ्य के द्वंद्व को उकेरते हुए भाषा की सहजता की बात की गई है।
- अच्छी बात या अच्छी कविता का बनना सही बात का सही शब्द से जुड़ना होता है और जब ऐसा होता है तो किसी दबाव या अतिरिक्त मेहनत की जरूरत नहीं होती, वह सहूलियत के साथ हो जाता है।
- सही बात को सही शब्दों के माध्यम से कहने से ही रचना प्रभावशाली बनती है।
- मनुष्य अपनी भाषा को टेढ़ी तब बना देता है जब वह आडंबरपूर्ण तथा चमत्कारपूर्ण शब्दों के माध्यम से कथ्य को प्रस्तुत करने का प्रयास करता है।
- अंतत: शब्दों के चक्कर में पड़कर वे कथ्य अपना अर्थ खो बैठते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न- 1

1.कवि ने कविता को किसकी उड़ान माना है?

(क) प्रश्नों की (ख) शब्द की

(ग) सीमाओं की (घ) कल्पना की

2."कविता की उड़ान भला चिड़िया क्या जाने" पंक्ति का आशय क्या है?

(क) कविता की उड़ान चिड़िया की उड़ान से कम होती है

(ख) कविता की उड़ान असीमित है, इसे चिड़िया नहीं समझ पाती है

(ग) कविता और चिड़िया दोनों की उड़ान अनन्त है

(घ) कविता की उड़ान से चिड़िया भली-भाँति परिचित है

3.कवि ने फूल और कविता के खिलने में क्या अंतर बताया है?

(क) फूल क्षणिक होता है जबकि कविता अमर होती है

(ख) फूल में सुगंध होती है जबकि कविता में नहीं होती

(ग) फूल में सौंदर्य होता है जबकि कविता में क्षणिक सौंदर्य होता है।

(घ) फूल और कविता दोनों में कोई समानता नहीं है

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-

कथन (A) : कवि के अनुसार फूल कविता की समता नहीं कर सकते हैं।

कारण (R) : कविता अनंत जीवन एवं आनंद से युक्त होती है।

क. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन की सही व्याख्या नहीं करता।

घ. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.कविता को फूल के बहाने से किससे जोड़ा गया है?

(क) जड़ हो जाने की प्रक्रिया से (ख) मुरझाने की प्रक्रिया से

(ग) खिलने की प्रक्रिया से (घ) संवेदनशील हो जाने की प्रकिया से

उत्तर- 1-घ, 2-ख, 3-क, 4-घ, 5-ग

1.भाषा के चक्कर में पड़कर बात कैसी हो गई?

(क) सीधी (ख) उल्टी (ग) टेढ़ी (घ) ये सभी

2.उसे पाने की कोशिश में पंक्ति में 'उसे' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) कवि (ख) प्रेयसी (ग) बात (घ) कलम

3. 'बात सीधी थी पर' में कवि ने किस पर बल दिया है?

(क) भावों की सरलता (ख) भाषा की जटिलता (ग) भावों की गंभीरता (घ) भाषा की सहजता

4.निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन (A) :भाषा से भावों की अभिव्यक्ति ठीक से स्पष्ट नहीं होती।

कारण (R) : भाषा के साथ तोड़-मरोड़ करने का परिणाम होता है।

क. कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

ख. कथन (A) सही नहीं है, कारण (R) सही है।

ग. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) उसकी सही व्याख्या नहीं करता।

घ. कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं, कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

5.प्रस्तुत काव्यांश का केंद्रीय भाव क्या है?

(क) भाषा की सहजता पर जोर देना (ख) भावों को प्रमुखता प्रदान करना

(ग) बात कहने का ढंग सीखाना (घ) बातचीत के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करना

उत्तर- 1-ग, 2-ग, 3-घ, 4-घ, 5-क

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्र.(1) इस कविता के बहाने बताएँ कि 'सब घर एक कर देने के मायने' क्या है ?

उत्तर 'सब घर एक कर देने के मायने' है- आपसी भेदभाव समाप्त कर अपनत्व की भावना का विकास करना | कवि के अनुसार बच्चे आपसी भेदभाव मिटाकर अपनत्व व भाईचारे की भावना का विकास करते हैं | बच्चे खेलते हुए एक घर से दूसरे घर में बिना भेदभाव के चले जाते हैं और भाईचारा बढ़ाते हैं |

प्र.(2) 'उड़ने' व 'खिलने' का कविता से क्या सम्बन्ध बनता है ? तथा
कविता और बच्चे को समानांतर रखने के क्या कारण हो सकते हैं ?

अथवा

कविता, फूल और बच्चे से कविता की तुलना कवि ने किस प्रकार की है ?

उत्तर

चिड़िया, फूल, बच्चा	कविता
चिड़िया- उड़ान सीमित होती है और आसमान में एक निश्चित ऊँचाई तक ही उड़ सकती है |	कविता की उड़ान असीमित होती है और वह दिल की गहराइयों से आसमान की ऊँचाइयों तक उड़ सकती है |
फूल- फूल का खिलने के साथ ही मुरझाना भी निश्चित हो जाता है और वह थोड़े समय के लिए ही खुशबू देता है |	कविता बिना मुरझाए महकती रहती है | इसका प्रभाव कभी खत्म नहीं होता और यह हमेशा पाठकों को आनंद देती रहती है |
बच्चा = कविता 1. बच्चे खेल खेलते हैं व आनंद देते हैं उसी प्रकार कविता भी शब्दों का खेल है और आनंद प्रदान करती है | 2. दोनों ही भेदभाव मिटाकर अपनत्व व भाईचारे की भावना बढ़ाते हैं |	

3.दोनों में ही रचनात्मक ऊर्जा होती है |

उत्तर 'भाषा को सहूलियत' से बरतने का अभिप्राय है – भाषा को सरलता और सहजता से प्रयोग में लाना | बात को सीधे और सरल शब्दों में कहना, जिससे कथ्य और भाषा में सामंजस्य स्थापित हो सके और बात लोगों तक सरलता से पहुँच सके | भाषा को सुविधाजनक एवं सहज ढंग से प्रयोग में लाना |

प्र.(4) 'सीधी बात भी टेढ़ी हो जाती है |' कैसे ?

उत्तर कवि सीधी सरल बात को प्रभावी बनाने की कोशिश करता है | इसके लिए वह सुंदर, अलंकृत, प्रभावी व जटिल भाषा का प्रयोग करता है | भाषा के इस प्रदर्शन के चक्कर में सीधी बात भी टेढ़ी व पेचीदा हो जाती है |

प्र.(5) निम्नलिखित मुहावरों/ बिम्बों के आशय को स्पष्ट कीजिए-

(i) बात की चूड़ी मर जाना

(ii) पेंच को कील की तरह ठोंक देना

उत्तर (i) बात की चूड़ी मर जाना – बात का प्रभावहीन होना | जब भाषा के साथ ज़ोर ज़बरदस्ती की जाए तो बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है | इसे कवि ने बात की चूड़ी मरना कहा है |

(ii)पेंच को कील की तरह ठोंक देना – बात में कसावट न होना | जब कवि से बात बन नहीं पा रही थी तब वह उसे जैसे-तैसे पूरी कर देता है | यह बात उस कील की तरह महसूस होती है जो बाहर से तो पूरी लगती है परन्तु अंदर से उसमें कसावट नहीं होती |

प्र.(6) 'बात सीधी थी पर' कविता का सन्देश / कथ्य / प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए |

उत्तर कविता में कथ्य व माध्यम के द्वंद्व को बताते हुए कहा गया है कि हमें बात को सीधे-सरल शब्दों में कहना चाहिए | भाषा को सुन्दर, अलंकृत और जटिल बनाने के चक्कर में बात उलझने लगती है और मूल बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है | इसलिए हमें सही बात के लिए सही शब्दों का प्रयोग करना चाहिए | साथ ही भाषा की सरलता पर ध्यान देना चाहिए |

पाठ-4.कैमरे में बंद अपाहिज- रघुवीर सहाय

मूलभाव-

दूरदर्शन कर्मियों की संवेदनहीनता और क्रूरता पर प्रकाश डाला गया है। प्राय: मीडिया में कार्यक्रम को आकर्षक और बिकाऊ बनाने के लिए मानवीय दुख-दर्द को खोलकर दिखाया जाता है । अपाहिजों को कैमरे के सामने लाकर उनसे बड़े क्रूर प्रश्न पूछे जाते हैं। उनके सोए हुए दर्द को जानबूझकर ताजा किया जाता है। मीडिया की कोशिश होती है कि अपाहिज व्यक्ति अपने दर्द से और दर्शक करुणा से रो पड़े। इस प्रकार उनका कार्यक्रम रोचक बन जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न –

प्र.(1) 'हम समर्थ शक्तिवान' पंक्ति में समर्थ का प्रयोग किया गया है –

(क) दूरदर्शन एंकर के लिए (ख) नेता के लिए (ग) कैमरामैन के लिए (घ) अमीरों के लिए

प्र.(2) 'हम एक दुर्बल को लाएँगे' पंक्ति में दुर्बल का प्रयोग किया गया है –

(क) गरीब के लिए (ख) अपाहिज के लिए (ग) आम आदमी के लिए (घ) कैमरामैन के लिए

प्र.(3) एक बंद कमरे में – पंक्ति में बंद कमरे का तात्पर्य है -

(क) सिनेमा का स्टूडियो (ख) टेलीविज़न स्टूडियो (ग) घर का कमरा (घ) पूछताछ के लिए बनाया गया कमरा

प्र.(4) कविता में अपाहिज से पूछे गए प्रश्न किस प्रकार के थे ?

(क) बेतुके (ख) संवेदनहीन (ग) उक्त दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.(5) कैमरे में बंद अपाहिज कविता में अपाहिज का साक्षात्कार लेते समय मीडियाकर्मी का दृष्टिकोण कैसा था ?

(क) व्यावसायिक व संवेदनशील (ख) सहानुभूतिपूर्ण व व्यावसायिक

(ग) संवेदनशील व सहानुभूतिपूर्ण (घ) व्यावसायिक व संवेदनहीन

प्र.(6) दूरदर्शन कैसा माध्यम है ?

(क) दृश्य (ख) श्रव्य (ग) दृश्य-श्रव्य (घ) इनमें से कोई नहीं

प्र.(7) (कैमरा दिखाओ इसे बड़ा बड़ा) – ऐसा क्यों कहा गया है ?

(क) दर्शकों से सहानुभूति लेने के लिए (ख) कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने के लिए

(ग) अधिक धन कमाने के लिए (घ) उपर्युक्त सभी

प्र.(8) 'फूली हुई आँख की एक बड़ी तसवीर' पंक्ति में बिम्ब है –

(क) घ्राण (ख) स्पर्श (ग) श्रव्य (घ) दृश्य

प्र.(9) अपाहिज को रुलाने का प्रयास क्यों किया गया ?

(क) अपाहिजपन की पीड़ा को प्रकट करने के लिए (ख) दर्शकों की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए

(ग) अपाहिज के दुःख को कम करने के लिए घ) अपाहिज के प्रति संचालक की संवेदनशीलता के कारण

प्र.(10) 'हमें दोनों एक संग रुलाने हैं' इसके पीछे प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य है ?

(क) अधिक धन कमाना (ख) करुणा को प्रकट कर स्वार्थ सिद्ध करना

(ग) कार्यक्रम लोकप्रिय बनाना (घ) उपरोक्त सभी

प्र.(11) कैमरा बस करो, नहीं हुआ, रहने दो- इस पंक्ति से क्या पता चलता है ?

(क) कैमरामैन के काम न करने का (ख) कार्यक्रम संचालक का व्यावसायिक उद्देश्य पूर्णतः पूरा न होने का

(ग) अपाहिज की पीड़ा न बता पाना (घ) संवेदनशीलता का

प्र.(12) परदे पर वक्त की कीमत है- पंक्ति से साक्षात्कारकर्त्ता के किस नजरिए का पता चलता है?

(क) व्यावसायिक नजरिए (ख) सहानुभूतिपूर्ण नजरिए (ग) संवेदनशील नजरिए (घ) सकारात्मक नज़रिए

प्र.(13) बस थोड़ी ही कसर रह गई – पंक्ति में किस कसर या कमी की ओर संकेत है ?

(क) अपाहिज की पीड़ा को व्यक्त करने की (ख) अपाहिज व दर्शकों को एक साथ रुलाने की

(ग) केवल अपाहिज को रुलाने की (घ) अपाहिज को खुश करने की

प्र.(14) कैमरे में बंद अपाहिज कविता के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन गलत है ?

(क) कविता शारीरिक चुनौती झेलते लोगों के प्रति संवेदनशील नज़रिया अपनाने के लिए प्रेरित करती है

(ख) इस कविता में मीडियाकर्मियों के संवेदनशील व्यवहार को उजागर किया गया है

(ग) यह कविता बताती है कि करुणा जगाने के मकसद से शुरू हुआ कार्यक्रम किस प्रकार क्रूर बन जाता है

(घ) मीडियाकर्मियों का रवैया कारोबारी दबाव के तहत संवेदनहीन हो जाता है

उत्तर- 1-क, 2-ख, 3-ख, 4-ग, 5-घ, 6-ग, 7-घ, 8-घ, 9-ख, 10-घ 11-ख, 12-क, 13-ख, 14-ख

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्र).1 'कैमरे में बंद अपाहिज कविता करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है -स्पष्ट कीजिए |

अथवा

'कैमरे में बंद अपाहिज 'कविता के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए |

उत्तर- कैमरे में बंद अपाहिज कविता में मीडिया के लोगों की व्यावसायिक मानसिकता व संवेदनहीनता को उजागर किया गया है| मीडिया के लोग अपनी मन-मानी कर अपाहिज व्यक्ति से स्टूडियो में बेहूदे प्रश्न पूछते हैं ,जैसे -आप क्या अपाहिज हैं ,? आप अपाहिज क्यों हैं ,? आपको अपाहिज होकर कैसा महसूस हो रहा है ? आदि| जब अपाहिज व्यक्ति इन प्रश्नों से दुखी होकर रोने लगता है तो कार्यक्रम लोकप्रिय हो जाता है| इस प्रकार अपाहिज की पीड़ा को बेचकर वे लोकप्रियता और लाभ कमाने की कोशिश करते हैं|

प्र).2 हम समर्थ शक्तिवान और हम एक दुर्बल को लाएँगे- पंक्ति के माध्यम से कवि ने क्या व्यंग्य किया है?

उत्तर- हम समर्थ शक्तिवान – मीडिया के लोग अपने आप को सबसे अधिक ताकतवर मानते हैं | वे मानते हैं कि हम स्टूडियो में अपनी मनमानी कर कुछ भी कर सकते हैं|

हम एक दुर्बल को लाएँगे – अपाहिज व्यक्ति को मीडिया के लोग दुर्बल ,कमज़ोर और लाचार मानते हैं और अपनी मनमानी का मौका ढूँढते हैं|

इस प्रकार कवि ने मीडिया के लोगों की क्रूर व्यावसायिकता और संवेदनहीनता पर व्यंग्य किया है|

प्र).3 परदे पर वक्त की कीमत है- कहकर कवि ने साक्षात्कार के प्रति अपना नज़रिया किस रूप में रखा है?

उत्तर- परदे पर वक्त की कीमत है कहकर कवि ने मीडिया के लोगो (साक्षात्कार लेने वालों)के व्यावसायिक नज़रिए का पता चलता है | उनके लिए अपाहिज की पीड़ा का कोई महत्त्व नहीं बल्कि उनका उद्देश्य टी .वी .के परदे पर कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाकर अधिक धन कमाना है|

प्र).4 यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक ,दोनों एक साथ रोने लगेंगे ,तो प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा ?

उत्तर- यदि शारीरिक रूप से चुनौती का सामना कर रहे व्यक्ति और दर्शक ,दोनों एक साथ रोने लगेंगे ,तो प्रश्नकर्ता का यह उद्देश्य पूरा होगा कि उसका कार्यक्रम लोकप्रिय ,भावनापूर्ण और करुणापूर्ण हो जाएगा | साथ ही वे अपंग व्यक्ति की पीड़ा व करुणा को बेचकर अधिक से अधिक धन कमा सकेंगे ,साथ ही दिखावटी रूप से सामाजिक उद्देश्य भी पूरा हो जाएगा |

उषा (कविता) : शमशेर बहादुर सिंह

मूलभाव

- उषा कविता सूर्योदय के ठीक पहले के पल -पल परिवर्तित होते भोर के नभ का सौन्दर्य प्रदर्शित करती है |
- कवि ने यहाँ भोर की आसमानी गति को धरती की प्रातःकालीन हलचल से सम्बद्ध करने का प्रयास किया है |
- कविता में कवि ने नए बिम्ब और प्रतीकों के माध्यम से प्रकृति का अद्भुत सौन्दर्य चित्रण किया है जिसमें ग्रामीण उपमानों का प्रयोग किया गया है और प्रातःकालीन ग्रामीण परिवेश की समस्त गतिविधियों को रेखांकित किया गया है |
- कवि सूर्योदय के साथ एक जीवंत परिवेश की कल्पना करता है – जिसमें सिल है ,राख से लीपा हुआ चौका है और स्लेट की कालिमा पर चाक मलते अदृश्य बच्चों के हाथ हैं |
- भोर के नभ के लिए प्रयुक्त उपमान हैं – बहुत नीला शंख,राख से लीपा हुआ चौका,बहुत काली सिल,लाल खड़िया मली हुई स्लेट आदि|
- कवि ने सूर्योदय की परिकल्पना करते हुए लिखा है कि नीले आकाश में सूर्य ऐसा प्रतीत होता है मानो नीले जल में किसी का गौर शरीर झिलमिलारहा हो |सूर्य के पूर्ण रूप से उदित हो जाने पर भोर का वह जादुई प्रभाव समाप्त हो जाता है | यहाँ मानवीकरण अलंकार का प्रयोग देखा जा सकता है |
- यह कविता रंग ,गति और भविष्य की उजास और हर कालिमा को चीरकर बाहर आने की अनुभूति का अहसास कराती है |

प्रश्नोत्तरी-

प्रश्न 1.कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है ?

अथवा

“शमशेर की कविता गाँव की सुबह का जीवंत चित्रण है। पुष्टि कीजिए?

उत्तर-नीला शंख , राख से लीपा चौका , काली सिल में पीसा केसर और खड़िया से मली हुई स्लेट , ये सब उपमान कविता को ग्रामीण परिवेश से जोड़ते हैं । इन्ही उपमानों को देखकर कहा जा सकता है कि यह गाँव की सुबह का गतिशील शब्द चित्र है।

प्रश्न- भोर का नभ /राख से लीपा हुआ चौका(अभी गीला पड़ा है) –इन पंक्तियों में कोष्ठक से कविता में क्या विशेष अर्थ पैदा हुआ है ? समझाइए |

उत्तर- नई कविता में कोष्ठक , विराम चिह्नों और पंक्तियों के बीच का स्थान भी कविता को अर्थ देता है।कविता को प्रभावशाली बनाने के लिए और अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए कविता में कवियों द्वारा विराम चिह्नों , पंक्तियों के बीच का स्थान और कोष्ठक आदि का प्रयोग किया जाता है।यहां पर कवि ने “(अभी गीला पड़ा है)” को कोष्ठक में दिया है

जो वातावरण की नमी को राख से लीपे हुए गीले चौके की नमी और उसकी पवित्रता से जोड़ता है। यानि कवि को भोर का स्लेटी रंग का आकाश और वातावरण की नमी , राख से लीपे हुए गीले चौके जैसे पवित्र लगता है।

प्रश्न -कवि को सुबह का आकाश राख से लीपा हुआ क्यों दिखाई देता है ?

उत्तर-कवि को सुबह का आकाश राख से लीपा हुआ इसलिये दिखाई देता है क्योंकि उस समय आकाश गहरे नीले रंग से गहरे स्लेटी रंग में तब्दील हो जाता हैं। गहरे नीले , गहरे स्लेटी व काले रंग के मिलने से कवि को आकाश राख से लिपे हुए चौके के समान व पवित्र दिखाई देता है।

प्रश्न -कवि ने किस जादू के टूटने का वर्णन किया है ?

उत्तर-कवि ने सूर्योदय के बाद आसमान में चढ़ते सूरज के साथ-साथ सम्मोहित कर देने वाले व पल-पल रंग बदलने वाले प्रात: कालीन भोर के आकाश के जादू के टूटने का वर्णन किया है।

प्रश्न - निम्नलिखित काव्यांश का भाव – सौंदर्य बताइए |

बहुत काली सिर जरा से लाल केसर से/कि जैसे धुल गई हो ।

उत्तर-सूर्योदय होने के साथ ही आकाश में हल्की लालिमा छाने लगती है। आकाश के स्लेटी रंग में सूर्य की लालिमा का लाल रंग मिलने से कवि को आकाश ऐसा लगता है जैसे किसी ने काले सिल पर लाल केसर पीस कर उसे धो दिया हो। यानि कवि को उस वक्त आकाश लाल केसर से धुले हुए उस काले सिल के समान दिखाई देता है। जिसको धोने के बाद भी उसमें केसर का हल्का लाल रंग रह जाता है।"काली सिल"में **अनुप्रास अलंकार** है। "बहुत काली सिल , जरा से लाल केसर से" और "स्लेट पर या लाल खड़िया चाक मल दी हो किसी ने" में **उत्प्रेक्षा अलंकार** है।

प्रश्न -"उषा" कविता के आधार पर सूर्योदय से ठीक पहले के प्राकृतिक दृश्यों का चित्रण कीजिए ?

उत्तर-इस कविता में कवि ने सूर्योदय से पहले यानि भोर के समय के हर पल रंग बदलते आकाश व प्राकृतिक दृश्यों का बहुत ही सुंदर चित्रण किया है। कवि को भोर का नीला आकाश नीले शंख की भाँति तो स्लेटी रंग का आकाश राख से लीपे हुए चौके जैसा पवित्र लगता हैं। सूर्योदय होने से पहले आसमान में छाई लालिमा वाला आकाश कवि को केसर से धुले हुए काले सिल की तरह दिखाई देता हैं।

प्रश्न -"उषा" कविता में भोर के नभ की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

उत्तर-"उषा" कविता में भोर के आकाश की तुलना राख से लीपे हुए गीले चौके से की है। क्योंकि इस समय आकाश थोड़ा गहरा नीला और नम सा दिखाई देता है। इसीलिए कवि ने इसे राख से लिपे हुए चूल्हे का उपमान दिया है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. 'उषा' कविता किसकी रचना है?

क. निराला ख.पंत ग. शमशेर बहादुर सिंह घ.रघुवीर सहाय

2. 'उषा' कविता में वर्णित समय, दिन का कौन-सा समय है?

क. प्रभात ख. मध्याह्न ग. संध्या घ. रात्रि

3. प्रात:कालीन नीला आकाश किसके जैसा बताया गया है?

क. केसर ख. सिंदूर ग. झील घ. शंख

4. कवि ने राख से लीपा हुआ गीला चौका किसे कहा है?

क. भोर के तारे को ख. भोर के नभ को ग. भोर की वायु को घ. भोर की किरण को

5. उषा कविता में किस प्रकार के बिम्ब का प्रयोग किया गया है?

क. श्रव्य ख. गतिशील ग. कोई बिम्ब नहीं है घ. दृश्य और गतिशील दोनों

6. 'उषा' का जादू टूटने का क्या कारण है?

क. ओस ख. सूर्योदय ग. चंद्रास्त घ. तारे

7. 'उषा' कविता में किस रंग की खड़िया चाक मलने की बात कही गई है?

क. नीली ख. पीली ग. सफेद घ. लाल

8. 'उषा' कविता में राख से लीपा हुआ, क्या बताया है?

क. फर्श ख. चौका ग. दीवार घ. काली सिल

9. 'उषा' कविता में बहुत काली सिल की किससे धुलने की बात कही गई है?

क. खड़िया ख. पानी ग. लाल केसर घ. वर्षा

10. "और जादू टूटता है इस उषा" का में कौन सा भाव प्रतिबिंबित हो रहा है ?

क. प्रकृति का मानवीकरण ख.भोर का नभ ग. पतंग उड़ाते बच्चों का घ. वर्षा ऋतु का

उत्तर =1. (ग) 2.(क)3.(घ)4.(ख)5.(घ)6.(ख)7.(घ)8.(ख)9.(ग)10. (क)

बादल राग(कविता) : सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

मूलभाव

- बादल राग कविता 'अनामिका' काव्य से ली गई है।
- निराला ने बादल को ही अपना विषय बनाया है क्योंकि बादल के भीतर सृजन और ध्वंस की ताकत एक साथ समाहित है।
- बादल किसान के लिए उल्लास और निर्माण का अग्रदूत है तो मजदूर के संदर्भ में क्रांति और बदलाव का ।
- निराला जी बादलों को क्रांतिदूत मानते हैं। बादल शोषित वर्ग के हितैषी हैं, जिन्हें देखकर पूँजीपति वर्ग भयभीत होता है। बादलों की क्रांति का लाभ दबे-कुचले लोगों को मिलता है, इसलिए किसान और उसके खेतों में छोटे पौधे बादलों को हाथ हिला-हिलाकर बुलाते हैं।
- क्रांतिदूत रूपी बादल आकाश में ऐसे मंडराते रहते हैं , जैसे पवन रूपी सागर पर कोई नौका तैर रही हो। यह उसी प्रकार है जैसे अस्थिर सुख पर दुख की छाया मंडराती रहती है। सुख हवा के समान चंचल है तथा अस्थायी है।
- बादल संसार के जले हुए हृदय पर निर्दयी प्रलयरूपी माया के रूप में हमेशा स्थित रहते हैं। बादलों की युद्ध रूपी नौका में आम आदमी की इच्छाएँ भरी हुई रहती हैं।
- कवि कहता है कि बादल की भीषण गर्जना से धरती के गर्भ में सोए हुए अंकुर सजग हो जाते हैं अर्थात कमजोर व निष्क्रिय व्यक्ति भी संघर्ष के लिए तैयार हो जाते हैं।
- ये विप्लव के बादल अंकुर नए जीवन की आशा में सिर उठाकर तुझे ताक रहे हैं अर्थात शोषितों के मन में भी अपने उद्धार की आशाएँ फूट पड़ती हैं।
- शोषण के कारण किसान की बाँहें शक्तिहीन हो गई हैं, उसका शरीर कमजोर हो गया है। वह शोषण को खत्म करने के लिए अधीर होकर जीवन-दाता बादलों को बुला रहा है। शोषकों ने उसकी जीवन-शक्ति छीन ली है, उसका सार तत्त्व चूस लिया है। अब वह हड्डियों का ढाँचा मात्र रह गया है।

प्रश्न-उत्तर

प्रश्न . 'अस्थिर सुख पर दु:ख की छाया' पंक्ति में दु:ख की छाया किसे कहा गया है और क्यों ?

उत्तर– प्रस्तुत पंक्ति में 'दु:ख की छाया' मानव जीवन में आने वाले दु:खों, कष्टों, मुसीबतों एवं प्रतिकूल परिस्थितियों को कहा गया है। यह इसलिए कहा गया है क्योंकि सुख-दु:ख मानव जीवन के दो पक्ष हैं जो एक के बाद दूसरा आता रहता है। ये दोनों अस्थिर है जो आते जाते रहते हैं।

प्रश्न . 'अशनि पात से शापित उन्नत शत-शत वीर' पंक्ति में किसकी ओर संकेत किया गया है ?

उत्तर– 'अशनि पात'से शापित उन्नत शत-शत वीर पंक्ति में पूंजीपति या शोषक और धनी वर्ग के लोगों की ओर संकेत किया गया है। यह धनी वर्ग के लोग क्रांति के दूत बादल की विद्रोहपूर्ण बिजली गिरने से उन्नति के शिखर से पृथ्वी तल पर गिर जाते हैं।

प्रश्न . 'विप्लव-रव'से छोटे ही शोभा पाते' पंक्ति में विप्लव-रव से क्या तात्पर्य है? छोटे ही शोभा पाते ऐसा क्यों कहा गया है ?

उत्तर– प्रस्तुत पंक्ति में 'विप्लव रव' से तात्पर्य क्रांति के विद्रोह पूर्ण शब्दों या गर्जना से है। वह ऐसे लोगों की गर्जना या स्वर है जो सदियों से पूंजीपति वर्ग के शोषण का शिकार होकर दयनीय जीवन जी रहे हैं।'छोटे ही शोभा पाते हैं'— ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि क्रांति का विनाशकारी प्रभाव सदा उच्च या शोषक वर्ग के लोगों पर ही होता है। इस विद्रोह का निम्न या छोटे वर्ग के जनसामान्य पर कोई विनाशकारी प्रभाव नहीं होता। उच्च वर्ग तो क्रांति के शब्दों से भयभीत होता है जो लेकिन छोटे वर्ग अर्थात जनसामान्य वर्ग के लोग प्रसन्न हो उठते हैं तथा जीवन में शोषण की मार से निकलकर समृद्धि प्राप्त करते हैं।

प्रश्न . बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को कविता रेखांकित करती है ?

उत्तर– 'बादल राग' निराला द्वारा रचित एक प्रतीकात्मक कविता है जिसमें कवि ने बादलों का क्रांति के रूप में आह्वान किया है। इस कविता में बादलों के आगमन से पृथ्वी के गर्भ में सोए हुए अंकुर अंकुरित होते उठते हैं। वे अपने मन में नवजीवन का संचार कर अनेक आशाओं के साथ बादल की ओर देख रहे हैं। बादलों की घनघोर गर्जना से संपूर्ण संसार भयभीत हो उठता है। विशालकाय उच्च वर्ग के लोग घायल होकर मर जाते हैं। लेकिन शोषित वर्ग के प्रतीक छोटे भार वाले छोटे-छोटे पौधे हंसते मुस्कुराते रहते हैं। वे अपार हरियाली से भरकर,हिल-हिलकर तथा खिलखिलाते हुए हाथ हिलाते रहते हैं।

प्रश्न . 'ये तेरी रण तरी, भरी आंकाक्षाओं से' का क्या आशय है?

उत्तर– इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्रांति के दूत बादल को संबोधित करते हुए कहता है कि जिस प्रकार युद्ध रूपी नौका युद्ध की सामग्री से भरी होती है उसी प्रकार से तुम्हारे अंदर जनसामान्य की अनेक कामनाएं भरी हुई है जिन्हें बादलों को वर्षा के माध्यम से पूरा करना है।

प्रश्न. सुप्त अंकुर किसकी ओर ताक रहे हैं और क्यों ?

उत्तर– धरती मां की मिट्टी में सोए हुए अंकुर निरंतर बादलों की ओर ताक रहे हैं। उन्हें पूरी आशा है कि बादलों के बरसने से मिट्टी नम हो जाएगी; नरम हो जाएगी और उन्हें अंकुरित होने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ मिलेंगी;वे पनपेंगे;बड़े होंगे और उन्हें भी अपना रूप-गुण दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। प्रतीकात्मकता से निम्न और समाज के द्वारा तुच्छ समझे जाने वाले लोग सुख-समृद्धि प्राप्त कर तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। समाज में आने वाली क्रांति के कारण उन्हें भी अपना अस्तित्व प्रकट करने का अवसर प्राप्त होगा, वे भी अपना उत्थान कर पाएँगे।

प्रश्न . निराला जी ने 'क्षत-विक्षत हत अचल शरीर'के माध्यम से किनकी ओर संकेत किया है और क्यों ?

उत्तर– निराला जी ने 'क्षत-विक्षत हत अचल शरीर' के माध्यम से समाज के समृद्ध और उच्च वर्ग की ओर संकेत किया है क्योंकि यहाँ वर्ग शोषक बन शोषितों का शोषण करता है;उनके अधिकारों को छीन स्वयं संपन्न बनता है। जब भी क्रांति आती है; तब समृद्ध और उच्च वर्ग ही उसका शिकार बनता है। कवि उन्हें क्षत-विक्षत दिखाकर प्रकट करता है कि उनकी धन-दौलत, सुख-संपत्ति और शोषण से प्राप्त की गई सभी खुशियाँ क्रांति आने पर वापिस छीन ली जाएगी। जनक्रांति की गाज उन्हें पर गिरेगी।

प्रश्न . 'हँसते हैं छोटे पौधे लघुभार' के माध्यम से कवि ने किनकी ओर संकेत किया है और क्यों ?

उत्तर–कवि ने ' छोटे पौधे' के माध्यम से लघु मानव और शोषितों की ओर संकेत किया है जो संपन्न वर्ग के शोषण के कारण दीन-हीन दशा प्राप्त कर किसी प्रकार जीवन जी रहे हैं। वे क्रांति रूपी बादलों के आगमन पर प्रसन्न हैं कि क्रांति के बाद शोषक वर्ग मिट जाएगा और उन्हें फूलने-पनपने का उचित अवसर प्राप्त होगा।

प्रश्न . 'तुझे बुलाता कृषक अधीर' के माध्यम से किसानों को अधीर क्यों माना गया है ?

उत्तर– किसान शोषित वर्ग का प्रतीक है जो पूँजीपतियों के शोषण का सदा से ही शिकार बनता रहा है। वह क्रांति का पक्षधर है। जैसे वह फसलों के लिए बादलों का आह्वान करता है वैसे ही वह समाज के लिए जनक्रांति की भी कामना करता है जिससे कि उसकी दयनीय दशा में बदलाव आ सके।

अतिरिक्त प्रश्न -

1 . 'बादल राग' के अनुसार बताइए कि पूंजीपतियों को अपने खिलाफ क्रांति का डर क्यों रहता है?

उत्तर– पूंजीपति वर्ग मजदूरों की मेहनत से अपने लिए अपार सम्पत्ति जमा करता है और मजदूर और गरीबों का ही शोषण करता है | पूंजीपति, कमज़ोर, और गरीब को और ज़्यादा कमज़ोर और गरीब बना देते हैं| लेकिन पूंजीपतियों को हमेशा ये डर भी सताता रहता है कि कहीं ये कमज़ोर वर्ग क्रान्ति न कर दे| क्योंकि पूंजीपतियों को अपनी धन संपत्ति के छिन जाने का भय हमेशा बना रहता है|

2. कवि बादलों से क्या कह रहा है?

उत्तर– कवि बादलों को क्रांति का प्रतीक मानता है। कवि बादलों का आह्वान करते हुए कहता है, " हवा के समुद्र में तैरने वाले मेघ, आप आएं और अपनी क्रांति से कमज़ोर और दुखी लोगों को ख़ुशी दें। जैसे गर्मी से बेहाल लोग बादलों की गर्जना

और उनकी बारिश से खुश होतें हैं। उस तरह ही क्रांति से गरीबों और मजदूरों को पूंजीपतियों के शोषण और उत्पीड़न से मुक्ति मिलती है और उन्हें ख़ुशी प्राप्त होती है|"

3.कवि ने पूंजीपतियों की किस बात पर कटाक्ष किया है और बादलों को किसका प्रतीक बताया है?

उत्तर– 'महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' ने अपनी कविता के माध्यम से पूंजीपतियों की विलासिता पर कटाक्ष किया है तथा बादलों को क्रांति का प्रतीक बताया है। कवि कहते हैं कि पूंजीपति मजदूरों का शोषण करतें हैं और उनके ऊँचें महल गरीबों को भयभीत करतें हैं। पूंजीपति गरीबों को और गरीब बना देते हैं| आगे कवि कहते हैं कि क्रांति का बिगुल हमेशा गरीबों ने ही बज़ाया है|

4.कवि ने कविता में प्रकृति का मानवीकरण कैसे किया है?

उत्तर– कवि कहता है कि बादल प्रकृति में बहुत से परिवर्तन ला देते हैं| जब बादल आतें हैं तो वो आसमान को भर देतें हैं| इसके बाद तेज़ तूफ़ान आने लगता है| बादलों में तेज़ गर्जना के साथ बिजली कड़कने लगती है| बिजली की तेज गर्जना से धरती कांपने लगती है| इसके बाद तेज वर्षा शुरू हो जाती है| बादलों से बरसने वाले इस पानी से ज़मीन के नीचे दबे बीज अंकुरित हो जातें हैं और हवा के झोंको से झूमने लगते हैं| चारो तरफ हरियाली छा जाती है| बादल किसानों को भी ख़ुशी देते हैं और पशु पक्षी भी वर्षा ऋतु में ख़ुशी के गीत गाने लगते हैं| वातावरण भी शीतल और स्वच्छ हो जाता है|

बहुविकल्पीय प्रश्न --

1. 'बादल राग' के कवि हैं

क. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ख. कमलकांत त्रिपाठी 'निराला'

ग. सूर्यकांत तिवारी 'निराला' घ. कमलकांत तिवारी 'निराला'

2. कवि बादल का आह्वान किस रूप में करता है?

क. वर्षा ख. क्रांति ग. मजबूरी घ. शांति

3. मानव जीवन में सुख कैसा है?

क. स्थिर ख. अस्थिर ग. मायावी घ. अदृश्य

4. मानव जीवन में किस छाया का आवागमन चलता रहता है?

क. सुख-दुःख की ख. शांति-अशांति की ग. स्थिर-अस्थिर की घ. गतिहीन-गतिशील की

5. कविता में बादल किस का प्रतीक है?

क. क्रांति ख. निम्नवर्ग ग. शांति घ. उच्चवर्ग

6. क्रांति का सबसे अधिक लाभ किसे मिलता है?

क. धनी वर्ग को ख. छात्र वर्ग को ग. मध्य वर्ग को घ. निम्न वर्ग को

7. अंगना-अंग से लिपटे कौन काँप रहे हैं?

क. धनी ख. निर्धन ग. दुर्बल घ. बीमार

8. बादलों को अधीरता से कौन बुला रहा है?

क. वृक्ष ख. कृषक ग. योद्धा घ. बालक

9. क्रांति के बादलों की वज्र गर्जना से कौन-सा वर्ग भयभीत हो जाता है?

क. पूँजीपति वर्ग ख. श्रमिक वर्ग ग. निम्न वर्ग घ. कृषक वर्ग

10. 'रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष' -यहाँ रुद्ध का अर्थ है

क. रुका हुआ ख. क्रोधित ग. भरा हुआ घ. खाली

11. शैशव का सुकुमार शरीर किसमें हँसता है?

क. वर्षा ख. घायलावस्था ग. रोग-शोक घ. गर्मी

12. 'जीर्ण बाहु है, शीर्ण शरीर' यहाँ 'शीर्ण' का अर्थ है

क. क्षीण　　ख. विशाल　　ग. घायल　　घ. मोटा

13. 'रोग-शोक' में भी किसका सुकुमार शरीर हँसता है?

क. यौवन　　ख. शैशव　　ग. धनी　　घ. कृषक

14. 'बादल राग' कविता में रण-तरी किस से भरी होने की बात कही है?

क. धन　　ख. आकांक्षाओं　　ग. नवजीवन　　घ. गर्जन

15. 'रुद्ध कोष है", "क्षुब्द्ध तोष' यहाँ क्षुब्ध का अर्थ है-

क . खिन्न　　ख. हृदय　　ग. किसान　　घ. तप्त

उत्तर=1. (क) 2.(ख)3.(ख)4.(क)5.(क)6.(घ)7.(क)8.(ख)9.(क)10. (क)11.(ग)12.(क)13.(ख)14.(ख)15.(क)

(कवितावली) : गोस्वामी तुलसी दास

मूलभाव-

गोस्वामी तुलसीदास हिन्दी के मध्यकालीन उत्तर भारत भक्ति काव्य की सगुण भक्तिधारा की रामभक्ति शाखा के प्रधान कवि है।

- प्रथम **कवित्त**-यहाँ कविवर तुलसीदास राम-नाम की महिमा का गान करते हुए कहते हैं कि मजदूर, किसान, व्यापारी, भिखारी, चाकर, नौकर, नट, चोर, दूत और बाजीगर सभी अपना पेट भरने के लिए ही ऊँचे-नीचे कर्म करते हैं, गुण गढ़ते हैं, पहाड़ों पर चढ़ते हैं और घने जंगलों में शिकार करते हुए भटकते रहते हैं। यही नहीं, वे अच्छे-बुरे कर्म करके धर्म अथवा अधर्म का पालन करते हुए अपना पेट भरने के लिए बेटे-बेटियों को भी बेच देते हैं। यह पेट की आग वड़वानल(समुद्र की अग्नि) से भी अधिक भयंकर है। इसे तो केवल राम-नाम के कृपा रूपी बादल ही बुझा सकते हैं।
- द्वितीय **कवित्त**-इस कवित्त में कवि अपने युग की गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी का वर्णन करते हुए लिखता है कि किसान के लिए खेती नहीं है और भिखारी को भीख नहीं मिलती। व्यापारी के लिए व्यापार नहीं है और नौकर को नौकरी नहीं मिलती। आजीविका-विहीन लोग दुखी होकर आपस में कहते हैं कि कहाँ जाएँ और क्या करें। वेदों और पुराणों में यही बात कही गई है और संसार में भी देखा जा सकता है कि संकट के समय राम जी आप ही कृपा करते हैं। हे दीनबंधु राम! इस समय दरिद्रता रूपी रावण ने संसार को कुचला हुआ है। अतः पापों का नाश करने के लिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूँ।
- **सवैया**-यहाँ तुलसीदास लोगों के द्वारा की जा रही निंदा और आलोचना की परवाह न करते हुए कहते हैं कि चाहे मुझे कोई धूर्त कहे, योगी कहे, राजपूत या जुलाहा कहे, इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे किसी की बेटी से अपने बेटे का विवाह नहीं करना, जिससे किसी की जाति में बिगाड़ हो जाए। मैं तुलसीदास तो राम का दास हूँ। इसीलिए मेरे बारे में जिसको जो अच्छा लगता है, वह कहो मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं माँगकर खाता हूँ। मस्जिद में जाकर सो जाता हूँ। मुझे दुनिया से न कुछ लेना है और न देना है अर्थात् मुझे किसी की परवाह नहीं है।

प्रश्न-उत्तर -

प्रश्न .कवितावली में उद्धृत छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है।

अथवा

'कवितावली' के आधार पर पुष्टि कीजिए कि तुलसी को अपने समय की आर्थिक-सामाजिक समस्याओं की जानकारी थी।

उत्तर: 'कवितावली' में उद्धृत छंदों के अध्ययन से पता चलता है कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है। उन्होंने समकालीन समाज का यथार्थपरक चित्रण किया है। वे समाज के विभिन्न वगों का वर्णन करते हैं जो कई तरह के कार्य करके अपना निर्वाह करते हैं। तुलसी दास तो यहाँ तक बताते हैं कि पेट भरने के लिए लोग गलत-सही सभी कार्य करते हैं। उनके समय में भयंकर गरीबी व बेरोजगारी थी। गरीबी के कारण लोग अपनी संतानों तक को बेच देते थे। बेरोजगारी इतनी अधिक थी कि लोगों को भीख तक नहीं मिलती थी। दरिद्रता रूपी रावण ने हर तरफ हाहाकार मचा रखा था।

प्रश्न .पेट की आग का शमन ईश्वर (राम) भक्ति का मेघ ही कर सकता है—तुलसी का यह काव्य-सत्य क्या वर्तमान समय का भी युग-सत्य हो सकता है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर: जब पेट में भूख की आग जलती है तो उसे बुझाने के लिए व्यक्ति हर तरह के कार्य करने के लिए विवश हो जाता है, किंतु यदि वह ईश्वर का नाम जप ले तो उसकी अग्नि का शमन हो सकता है क्योंकि ईश्वर की कृपा से वह सब कुछ प्राप्त कर सकता है। तुलसी का यह काव्य सत्य आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना कि उस समय था। ईश्वर भक्ति का मेघ ही मनुष्य को अनुचित कार्य करने से रोकने की क्षमता रखता है।

प्रश्न . तुलसी ने यह कहने की ज़रूरत क्यों समझी? धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ/काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ। इस सवैया में काहू के बेटासों बेटी न ब्याहब कहते तो सामाजिक अर्थ में क्या परिवर्तन आता ?

अथवा

तुलसीदास जी ने तत्कालीन सामाजिक भेद भाव पर गहन व्यंग्य किया है | सिद्ध कीजिये |

उत्तर: तुलसीदास के युग में जाति संबंधी नियम अत्यधिक कठोर हो गए थे। तुलसी के संबंध में भी समाज ने उनके कुल व जाति पर प्रश्नचिहन लगाए थे। कवि भक्त था तथा उसे सांसारिक संबंधों में कोई रुचि नहीं थी। वह कहता है कि उसे अपने बेटे का विवाह किसी की बेटी से नहीं करना। इससे किसी की जाति खराब नहीं होगी क्योंकि लड़की वाला अपनी जाति के वर ढूँढ़ता है। पुरुष-प्रधान समाज में लड़की की जाति विवाह के बाद बदल जाती है। तुलसी इस सवैये में अगर अपनी बेटी की शादी की बात करते तो इस संदर्भ में बहुत अंतर आ जाता और जिस सामाजिक रूढ़ि पर वह व्यंग्य करना चाहते वह नहीं हो पाता |

प्रश्न. धूत कहौ ..... वाले छंद में ऊपर से सरल व निरीह दिखाई पड़ने वाले तुलसी की भीतरी असलियत एक स्वाभिमानी भक्त हृदय की है। इससे आप कहाँ तक सहमत हैं?

उत्तर: तुलसीदास का जीवन सदा अभावों में बीता, लेकिन उन्होंने अपने स्वाभिमान को जगाए रखा। इसी प्रकार के भाव उनकी भक्ति में भी आए हैं। वे राम के सामने गिड़गिड़ाते नहीं बल्कि जो कुछ उनसे प्राप्त करना चाहते हैं वह भक्त के अधिकार की दृष्टि से प्राप्त करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी स्वाभिमानी भक्ति का परिचय देते हुए राम से यही कहा है कि मुझ पर कृपा करो तो भक्त समझकर न कि कोई याचक या भिखारी समझकर।।

बहुविकल्पीय प्रश्न :-

1.तुलसीदास के अनुसार लोग अच्छे बुरे कार्य करते हैं | क्योंकि -

क. उन्हें वही कार्य करने आता है ख. उनमें कार्य करने की लगन नहीं

ग. ईश्वर की मर्जी के अनुसार घ. अपनी भूख को शांत करने के लिए

2. सभी लोगों के चिंतित होने का क्या कारण था?

क. लोगों के पास कोई रोजगार नहीं था ख.समाज में अन्याय बढ़ गया था

ग.मंहगाई बढ़ जाने के कारण घ. ईश्वर की प्राप्ति न होने के कारण

3. दारिद – दसानन का तात्पर्य है -

क. गरीबी रूपी रावण ख. दस सिर वाला रावण ग. लंकाधिपति रावण घ.इनमें से कोई नहीं

4. समाज के अनुसार तुलसीदास लोगों की जाति खराब कर सकते हैं, यदि-

क. तुलसीदास विवाह कर लेंगे ख.तुलसीदास अपने बेटे की शादी उच्च जाति की लड़की से कर देंगे

ग- तुलसीदास अपनी बेटी की शादी उच्च जाति की लड़की से कर देंगे घ. सभी सही हैं

5. तुलसीदास हिंदी साहित्य के किस काल के कवि हैं?

क. आदिकाल ख. भक्तिकाल ग. रीतिकाल घ. आधुनिक काल

6. गोस्वामी तुलसीदास जी के अनुसार पेट की आग बडवाग्नि से भी बड़ी क्यों है ?

क. पेट की आग बुझाने के लिए ही मनुष्य कर्म करता है ख. पेट में बहुत भयंकर आग लगती है

ग. पेट की आग बड़ी भयंकर व कष्टकारी होती है घ. समुद्र में कोई आग नहीं लगती

7. सभी लोगों के चिंतित होने का क्या कारण था ?

क. लोगों के पास कोई रोजगार नहीं था । ख. समाज में अन्याय बढ़ गया था

ग. मंहगाई बढ़ जाने के कारण घ. ईश्वर की प्राप्ति ना होने के कारण

8. 'राम रूपी घनश्याम क्या करता है?

क. बारिश ख. जल बरसाता है ग. रावण का वध घ. कृपा से करके पेट की आग शांत करते हैं।

9. तुलसीदास द्वारा मसीत में सोने का क्या निहितार्थ है ?

क. मस्जिद ख. मंदिर ग. गुरुद्वारा घ. जहाँ भी जगह मिलती है वहीं अर्थात् संसार से कोई लेना देना नहीं

10. राम घनश्याम में कौन-सा अलंकार हो सकता है?

क. उपमा ख. रूपक ग. उत्प्रेक्षा घ. अनुप्रास

उत्तर -1. (घ)2.(क)3. (क) 4. (ख) 5.(ख)6.(ग) 7. (क)8.(घ)9.(घ)10.(ख)

लक्ष्मण-मूर्च्छा और राम का विलाप : गोस्वामी तुलसी दास

मूलभाव-

- यह प्रसंग उस समय का है जब राम-रावण युद्ध के समय लक्ष्मण मेघनाद की शक्ति लगने से बेहोश हो गए और हनुमान जड़ी-बूटी लेने के लिए गए। परंतु हनुमान द्वारा की गई देरी के कारण राम अपने भाई लक्ष्मण के लिए चिंता करने लगे।
- यहाँ श्री राम का अपने भाई के प्रति अगाध प्रेम को प्रकट किया गया है और एक दिव्य शक्ति होने के बावजूद वे भाई के वियोग में इंसानों की तरह विचलित हो रहे हैं | राम विभिन्न प्रकार से लक्ष्मण को याद कर रहे हैं| इसमें भाई के महत्त्व को दर्शाया गया है| सुबह होने से पहले ही हनुमान पर्वत सहित संजीवनी बूटी लेकर आ जाते हैं और सुषेन वैद्य द्वारा लक्ष्मण का इलाज किया जाता है जिससे वे स्वस्थ हो जाते हैं| इस खबर को सुनकर रावण ने अपने भाई कुंभकरण को युद्ध के लिए जगाया| रावण ने कुभाकरण को पूरी कथा बताई जिसे सुनकर वह बहुत दुखी हुआ और रावण की मूर्खता पर पछताने लगा|

प्रश्न-उत्तर-

प्रश्न .भ्रातृशोक में हुई राम की दशा को कवि ने प्रभु की नर लीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रचा है। क्या आप इससे सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तर-हाँ , मैं इससे सहमत हूँ कि भ्रातृशोक में हुई राम की दशा को तुलसीदास जी ने प्रभु की नर लीला की अपेक्षा सच्ची मानवीय अनुभूति के रूप में रचा है। युद्ध भूमि में लक्ष्मण जी के मूर्छित हो जाने के बाद भगवान श्री राम सामान्य मनुष्य की भांति अत्यंत दुखी हो गए। वो लक्ष्मण का सिर अपनी गोद में रखकर तरह – तरह से विलाप करने लगे। भगवान श्रीराम कहते हैं कि इस संसार में सब कुछ दुबारा मिल सकता हैं लेकिन लक्ष्मण जैसा सगा भाई दुबारा नहीं मिल सकता हैं । वो इस सोच में भी पड़े दिखाई देते हैं कि वो अयोध्या जाकर लक्ष्मण की माता को क्या जबाब देंगे। "लोग क्या कहेंगे" उन्हें इस बात की भी चिंता सता रही थी । ये सब उनके मानवीय गुणों को दर्शाता हैं।

प्रश्न .शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?

उत्तर-हनुमान जी को संजीवनी बूटी लेकर आने में थोड़ी देर गई । समय को तेजी से गुजरता देख श्रीराम व्याकुल हो उठे और निराशा में उनकी आँखों से आंसू बहने लगे । वो मूर्छित लक्ष्मण जी का सिर अपनी गोद में रखकर विलाप करने लगे । प्रभु श्रीराम को व्याकुल व दुखी देखकर वानर व भालू का समूह भी बैचेन व व्याकुल हो गया । उस शोकग्रस्त माहौल में अचानक संजीवनी बूटी लेकर हनुमानजी पहुंच गए। हनुमानजी को देखकर सभी वानर व भालू खुशी से उछलने लगे।उन सबके मन में अचानक हताशा – निराशा की जगह उत्साह व साहस का संचार हो गया। उन्हें देखकर ऐसा लगा मानो जैसे करुण रस में अचानक वीर रस का संचार हो गया है ।

प्रश्न . "जैहउँ अवध कवन मुहुँ लाई" ।नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई।बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं। नारि-हानि बिसेष छति नाहीं ।" भाई के शोक में डूबे राम के इस प्रलाप वचन में स्त्री के प्रति कैसा सामाजिक दृष्टिकोण संभावित है ?

उत्तर-भाई के शोक में डूबे राम के इन प्रलाप वचनों में स्त्री के प्रति अच्छा व सम्मानीय सामाजिक दृष्टिकोण नहीं झलकता हैं क्योंकि श्रीराम कहते हैं कि मैने पत्नी के लिए अपना प्रिय भाई खो दिया। इस संसार में स्त्री (पत्नी) दुबारा मिल सकती हैं। मगर सगा भाई दुबारा नहीं मिल सकता हैं । तत्कालीन सामाजिक सोच के अनुसार वो स्त्री हानि को कोई विशेष क्षति नहीं मानते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न -

प्रश्न . राम कौशल्या के पुत्र थे और लक्ष्मण सुमित्रा के। इस प्रकार वो परस्पर सहोदर (एक ही माँ के पेट से जन्मे) नहीं थे। फिर राम ने उन्हें लक्ष्मण कर ऐसा क्यों कहा कि "मिलइ न जगत सहोदर भ्राता" ? इस पर विचार करें।

उत्तर-भले ही श्रीराम व लक्ष्मण जी अलग अलग माता के पुत्र थे मगर दोनों के पिता राजा दशरथ ही थे। और राजा दशरथ की मृत्यु हो चुकी हैं। इसीलिए श्रीराम को अब दूसरा सगा भाई नहीं मिल सकता हैं। इसीलिए उन्होंने ऐसा कहा। वैसे श्रीराम कैकई व सुमित्रा का भी सगी माता के जैसे ही सम्मान करते थे।

प्रश्न ."लक्ष्मण मूर्छा और राम का विलाप" काव्यांश में लक्ष्मण के प्रति राम के प्रेम के कौन-कौन-से पहलू अभिव्यक्त हुए हैं?

अथवा

तुलसीदास की संकलित चौपाइयों के आधार पर लक्ष्मण के प्रति राम के स्नेह संबंधों पर प्रकाश डालिए ?

उत्तर-लक्ष्मण को मूर्च्छित देखकर राम अत्यंत व्याकुल हो उठे।वो इस सब धटनाक्रम के लिए अपने आप को दोषी मानने लगे।उन्होंने भ्रातृ प्रेम को पत्नी के स्नेह से ऊपर रखा। उन्हें लगता हैं कि इस संसार में पुत्र , धन , स्त्री , घर और परिवार आदि सब कुछ दुबारा मिल सकता हैं। मगर सगा भाई दुबारा नहीं मिल सकता हैं ।

प्रश्न . कुंभकरण के द्वारा पूछे जाने पर रावण ने अपनी व्याकुलता के बारे में क्या कहा और कुंभकरण से उसे क्या सुनना पड़ा ?

उत्तर-जब कुंभकरण गहरी नींद से जागा तो रावण ने उसे सीता हरण से लेकर बड़े – बड़े राक्षसों के मारे जाने से संबंधित सारी बात विस्तार से बताई। साथ ही साथ उसने अपने भविष्य की चिंता भी उसके सामने प्रकट की। रावण की बातों को सुनकर कुंभकर्ण बहुत दुखी हुआ। और उसने रावण से कहा कि उसने जगतमाता सीता का हरण किया हैं। इसीलिये अब उसका कल्याण संभव नही है।

बहुविकल्पीय प्रश्न-उत्तर

1. हनुमान जी के मन में भरत की कैसी छवि बनी थी ? सबसे सही विकल्प का चयन कीजिए।

क. भरत बहुत विनम्र, राम से प्रेम करने वाले और राज्य के लोभी थे

ख. भरत बहुत विनम्र, राम से प्रेम करने वाले और शक्तिशाली थे

ग. भरत राम से ईर्ष्याकरने वाले और शक्तिशाली थे

घ. भरत बहुत विनम्र प्रसन्न रहने वाले और राम से जलन

2. श्री राम जी ने लक्ष्मण के विषय में निम्न में से क्या टिपणी नहीं की ? सबसे सही विकल्प का चयन कीजिए।

क. लक्ष्मण राम के प्रति बहुत विनम्र थे| राम को कभी दुखी नहीं देख सकते थे

ख. लक्ष्मण ने राम के लिए माता पिता को त्याग दिया| राम जी की सेवा के लिए सदैव तत्पर थे

ग. लक्ष्मण राम से जलन करने वाले और राम से शक्तिशाली थे

घ. लक्ष्मण ने राम की सेवा के लिए महलों का सुख भी त्याग दिया।

3. राम जी को ऐसा क्यों लगा कि लक्ष्मण अब राम से प्रेम नहीं करते ?

क. राम की आज्ञा न मानने के कारण ख.राम का सम्मान न करने के कारण

ग. राम को रोते बिलखते देखकर भी न उठने के कारण घ. इनमें से कोई नहीं

4. 'अब सठ चाहत कल्याण" यह बात किसने, किससे कही है?

क. राम ने रावण से ख. रावण से हनुमान से ग. रावण ने राम से घ. कुंभकरण ने रावण से

5. नारियों के प्रति राम जी का कथन -

क. राम जी की व्यक्तिगत विचार धारा को प्रतिबिम्बित करता है ख.राजतंत्र की सोच को प्रतिबिम्बित करता है

ग. सभी तत्कालीन नागरिकों की सोच को प्रतिबिम्बित करता है घ. समाज की विचार धारा को प्रतिबिम्बित करता है

उत्तर –1.(ख) 2. (ग)3. (ग) 4. (घ)5. (ग)

फ़िराक गोरखपुरी की रुबाइयाँ : फ़िराक गोरखपुरी

मूलभाव-

- फिराक गोरखपुरी की रुबाइयाँ कविता के प्रथम अंश में कवि मां और बच्चे के बीच के संपर्क के बारे में चर्चा करते हैं
- जब मां अपने बच्चे को अपने घुटनों के बीच में रखकर कपड़े पहनाती है, तब वह बच्चा एक टक बिना पलक झुकाए मां को देखता रहता है।
- फिराक गोरखपुरी की रुबाइयाँ कविता की प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने दिवाली का वर्णन किया है। ऐसे शुभ अवसर पर एक मां अपने बच्चे को खुशी प्रदान करने के लिए उसके लिए चीनी मिट्टी के खिलौने लाती है। उस खिलौने को बच्चे को देकर उसे भी खुशी प्रदान करती है।फिर मां घर के चारों ओर दीप प्रज्वलित करती है और अपने बच्चे के घरौंदे में एक दीप जलाती है। बालक की नाराजगी का वर्णन किया है। बच्चा रुठा हुआ है कि उसे चांद रूपी खिलौना ही चाहिए। अर्थात वही चांद चाहिए, जो उसने अभी आसमान पर देखा है। मां उसे मनाने की कोशिश करती है, मगर बच्चा मानता नहीं है। आखिर में मां एक दर्पण लाती है। आईना लाकर वह बच्चे को चांद का

प्रतिबिंब दिखाती है और कहती है कि देख यह रहा तेरा चांद। बच्चा उस बिंब को ही चांद मानकर मन ही मन खुश हो जाता है और हंसने लगता है।

- फिराक गोरखपुरी की रुबाइयाँ की इन पंक्तियों में कवि ने रक्षाबंधन का वर्णन करते हुए भाई-बहन के रिश्ते को प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। घटाओं में बिजली चमक रही है। घटा का जो संबध बिजली से है-वही संबंध भाई का बहन से होता है। राखी के लच्छे भी बिजली की तरह चमकते हैं। जब बहन भाई की कलाई पर राखी बाँधती है, तो ये लच्छे और भी चमक उठते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1 'रुबाइयाँ, गजल' किस कवि की रचना है?

क.फ़िराक गोरखपुरी ख. फ़िराक सुल्तानपुरी ग. मजरुह सुल्तानपुरी घ. मजरुह गोरखपुरी

2. फ़िराक गोरखपुरी किस भाषा के महान शायर थे?

क. उर्दू भाषा के ख. फारसी भाषा के ग.हिन्दी भाषा के घ.क और ख दोनों

3. 'रुबाइयाँ' कविता किस काव्य संग्रह से संगृहीत है?

क. गुलेनगमा ख. बज्मे जिंदगी ग. विश्व शान्ति घ. शहीद

4. 'रुबाइयाँ' कविता में किस रस का प्रयोग किया गया है?

क. वीर रस का ख. वात्सल्य रस का ग. करुण रस का घ. शांत रस का

5. प्रस्तुत कविता के अनुसार माँ अपने प्यारे बेटे को कहाँ लिए खड़ी है?

क. घर के मंदिर में ख. घर की छत पर ग. घर के आँगन में घ. घर के द्वार पर

6. प्रस्तुत कविता के अनुसार बच्चे की हँसी से क्या गूँज उठता है?

क. आँगन ख. सम्पूर्ण वातावरण ग. घर का द्वार घ. सम्पूर्ण व्यक्तित्व

7. प्रस्तुत कविता में माँ बार-बार हवा में क्या उछालती है?

क. गेंद को ख. बच्चे को फल को घ. कपड़े को

8. हवा में बच्चे की क्या गूँज रही है?

क. हँसी ख. कंगन ग. पायल घ. रोना

9. माँ बच्चे को नहलाने के बाद क्या करती है?

क. काजल लगाती है ख. तेल लगाती है ग. कंघी करती है घ. जूते पहनाती है

10. प्रस्तुत कविता में प्रयुक्त शब्द 'गेसुओं में' का क्या अर्थ है?

क. घुटनों में ख. बालों में ग. हाथों में घ पैरों में

11. किस पर्व पर घर लिपे-पुते और साफ-सुथरे होते हैं?

क. दशहरे के पर्व पर ख. होली के पर्व पर ग. दीवाली के पर्व पर घ. रक्षा-बंधन के पर्व पर

12. दीवाली के अवसर पर रूपवती के मुख पर क्या होती है?

क. एक ठंठी चमक ख. एक गर्म चमक ग. एक नर्म दमक घ. एक सरल चमक

13. प्रस्तुत कविता में बालक की पर ललचाया है ?

क. सूरज पर ख. चाँद पर ग. तारों पर घ. खिलौनों पर

उत्तर -1. (क)2.(क)3. (क) 4. (ख) 5.(ग)6.(ख) 7. (ख) 8.(क) 9.(ग)10.(ख) 11.(ग) 12.(ग) 13. (ख)

प्रश्न-उत्तर-

प्रश्न . शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है?

उत्तर- फिराक गोरखपुरी राखी की भावना को बिजली की चमक की तरह व्यक्त करना चाहते हैं क्योंकि, रक्षा बंधन का त्योहार सावन के महीने में आता है, और उस समय आकाश में बादलों के साथ-साथ बिजली की चमक भी होती है। राखी के लच्छे भी उसी बिजली की तरह चमकते हैं। जिस प्रकार बिजली की चमक सच्चाई को दर्शाती है उसी प्रकार राखी के लच्छे भी रिश्तों की पवित्रता को व्यक्त करते हैं । घटा और बिजली का रिश्ता भाई और बहन के रिश्ते के समान है।

प्रश्न .बच्चे के द्वारा माँ के चेहरे को एकटक निहारने के चित्र को प्रस्तुत कीजिए ?

उत्तर- माँ अपने बच्चे को साफ – स्वच्छ पानी से नहला कर , उसके उलझे बालों में कंघी कर उन्हें सुलझती है। फिर जब माँ उसे अपने घुटनों के बीच खड़ा कर कपड़े पहनाती है तो नन्हा बच्चा अपनी माँ के चेहरे को टकटकी लगाकर बड़े प्यार से देखने लगता हैं। उस समय उसे अपनी माँ किसी फरिस्ते के समान लगती हैं।

प्रश्न .रुबाइयाँ किसे कहते हैं ?

उत्तर – रुबाइयां , उर्दू – फारसी भाषा की एक छंद शैली होती है जिसकी पहली , दूसरी और चौथी पंक्ति एक जैसी मात्रा पर खत्म होती है मगर तीसरी पंक्ति स्वतंत्र यानि अलग होती है ।

प्रश्न .टिप्पणी करें- गोदी के चाँद और गगन के चाँद का रिश्ता।

उत्तर- गोदी के चाँद से आशय है – बच्चा और गगन के चाँद से आशय है – आसमान में निकलने वाला चाँद। इन दोनों में गहरा और नजदीकी रिश्ता है। दोनों में कई समनाताएँ हैं। आश्चर्य यह है कि गोदी का चाँद गगन के चाँद को पकड़ने के लिए उतावला रहता है तभी तो सूरदास को कहना पड़ा "मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहों।"

प्रश्न . "चाँद का टुकड़ा' किसे कहा गया है? शायर ने उसके बारे में क्या बताया है?

उत्तर: "चाँद का टुकड़ा' सुन्दर बच्चे को कहा गया है। शायर ने बताया है कि माँ अपने सुन्दर बच्चे को घर के आँगन में अपनी गोद में लेकर खड़ी है तथा अपने हाथों में लेकर झूला झुला रही है। वह उसे बार – बार हवा में उछाल देती है। इससे बच्चा खिलखिलाकर हँस पड़ता है। उसकी हँसी चारों ओर गूंज उठती है।

10 छोटा मेरा खेत (उमाशंकर जोशी) गुजराती कवि

छोटा मेरा खेत (सार)

खेती के रूपक द्वारा काव्य रचना– प्रक्रिया को स्पष्ट किया गया हे।काव्य कृति की रचना बीज– वपन से लेकर पौधे के पुष्पित होने के विभिन्न चरणों से गुजरती है।अंतर केवल इतना है कि कवि कर्म की फसल कालजयी, शाश्वत होती है।उसका रस-क्षरण अक्षय होता है।कागज का पन्ना, जिस पर रचना शब्दबद्ध होती है, कवि को एक चौकोर खेत की तरह लगता है। इस खेत में किसी अँधड़ (आशय भावनात्मक आँधी से होगा) के प्रभाव से किसी क्षण एक बीज बोया जाता है। यह बीज-रचना विचार और अभिव्यक्ति का हो सकता है। यह मूल रूप कल्पना का सहारा लेकर विकसित होता है और प्रक्रिया में स्वयं विगलित हो जाता है। उससे शब्दों के अंकुर निकलते हैं और अंततः कृति एक पूर्ण स्वरूप ग्रहण करती है, जो कृषि-कर्म के लिहाज से पल्लवित -पुष्पित होने की स्थिति है। साहित्यिक कृति से जो अलौकिक रस-धारा फूटती है, वह क्षण में होने वाली रोपाई का ही परिणाम है पर यह रस-धारा अनंत काल तक चलने वाली कटाई है |

बगुलों के पंख (सार)

बगुलों के पंख कविता एक चाक्षुष बिंब की कविता है। कवि काले बादलों से भरे आकाश में पंक्ति बनाकर उड़ते सफेद बगुलों को देखता है। वे कजरारे बादलों में अटका-सा रह जाता है। वह इस माया से अपने को बचाने की गुहार लगाता हैं। क्या यह सौंदर्य से बाँधने और बिंधने की चरम स्थिति को व्यक्त करने का एक तरीका है।

प्रकृति का स्वतंत्र (आलंबन गत) चित्रण आधुनिक कविता की विशेषता है।चित्रात्मक वर्णन द्वारा कवि ने एक ओर काले बादलों पर उड़ती बगुलों की श्वेत पंक्ति का चित्र अंकित किया है तो दूसरी ओर इस अप्रतिम दृश्य के हृदय पर पड़ने वाले प्रभाव को चित्रित किया है|

अर्थ-ग्रहण-संबंधी प्रश्न

"छोटा मेरा खेत चौकोना / कागज़ का एक पन्ना ,कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया| / कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष ;शब्द के अंकुर फूटे ,/ पल्लव –पुष्पों से नमित हुआ विशेष |"

1. कवि ने कवि-धर्म की तुलना किससे की है ?

(क) गीत रूपी बीज से (ख) प्रेम रूपी बीज से (ग) कृषि उत्पादन से (घ) उपरोक्त सभी से

2. यहाँ कवि किस खेत की बात करता है?

(क) मनरूपी खेत (ख) कागज़ रूपी खेत (ग) प्यार रूपी खेत (घ) हरियाली रूपी खेत

3. अक्षय' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) अंत (ख) छोटा (ग) जो कभी ख़त्म न हो (घ) उत्पन्न

4. कवि ने अपने खेत में कौन-सा बीज बोया?

(क) प्रेम रूपी बीज (ख) विचार रूपी बीज (ग) शब्द रूपी बीज (घ) धान रूपी बीज

5. कवि की फसल की कटाई कब तक चलती है?

(क) पाँच दिन तक (ख) दस दिन तक (ग) बीस दिन तक (घ) अनंत काल तक

उत्तर- 1-ग, 2-ख, 3-ग, 4-घ, 5-घ

अतिरिक्त प्रश्न

1. 'पाँति-बँधे' वाक्यांश का क्या अर्थ है?

(क) धीरे-धीरे (ख) पंख (ग) पंक्तिबद्ध (घ) उज्ज्वल

2. कवि विचारों का बीज बोकर कौन-सा रसायन डालता है?

(क) यूरिया का (ख) शब्दों का (ग) कल्पना का (घ) भावों का

3. बगुलों के पंख काले बादलों के ऊपर तैरते हुए किसके समान प्रतीत होते हैं ?

(क) प्रातःकाल की सिंदूरी काया (ख) सांयकाल की पीली काया

(ग) साँझ की श्वेत काया (घ) रात्रि की काली काया

4. आकाश में किसकी पंक्ति बंधी है?

(क) हंसों की (ख) बत्तखों की (ग) बगुलों की (घ) कबूतरों की

5. आकाश किससे भरा हुआ है?

(क) सफेद बादलों से (ख) संतरी बादलों से (ग) काले बादलों से (घ) स्लेटी बादलों से

6. कवि को बादलों का कौनसा सौन्दर्य अपने आकर्षण में बाँध रहा है?

(क) काया रूपी सौन्दर्य (ख) माया रूपी सौन्दर्य (ग) प्रकृति रूपी सौन्दर्य (घ) जीवन रूपी सौन्दर्य

7. 'कजरारे बादलों की छाई नभ छाया' में कौनसा अलंकार है?

(क) यमक अलंकार (ख) श्लेष अलंकार (ग) रूपक अलंकार (घ) उत्प्रेक्षा अलंकार

8. बगुलों की पंक्ति क्या चुराए लिए जा रही है?

(क) कवि की आँखें (ख) कवि का मन (ग) कवि के शब्द (घ) कवि की कविता

9. कवि ने किसकी सुंदरता का मनोहारी चित्रण किया है?

(क) पंक्तिबद्ध बगुलों की (ख) पंक्तिबद्ध हंसों की (ग) पंक्तिबद्ध बत्तखों की (घ) पंक्तिबद्ध कबूतरों की

उत्तर- 1-ग, 2-ग, 3-ग, 4-ख, 5-ग, 6-ख, 7-ग, 8-क, 9-क

वर्णनात्मक प्रश्न-

प्रश्न1:- 'चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें' से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर :-चित्रात्मक वर्णन द्वारा कवि ने एक ओर काले बादलों पर उड़ती बगुलों की श्वेत पंक्ति का चित्र अंकित किया है तथा इस अप्रतिम दृश्य के हृदय पर पड़ने वाले प्रभाव को चित्रित किया है। कवि के अनुसार यह दृश्य उनकी आँखें चुराए लिए जा रहा है |मंत्र मुग्ध कवि इस दृश्य के प्रभाव से आत्म विस्मृति की स्थिति तक पहुँच जाता है।

प्रश्न2:-कवि किस माया से बचने की बात कहता है?

उत्तर :- माया विश्व को अपने आकर्षण में बाँध लेने के लिए प्रसिद्ध है | कबीर ने भी 'माया महा ठगिनी हम जानी' कहकर माया की शक्ति को प्रतिपादित किया है | काले बादलों में बगुलों की सुंदरता अपना माया जाल फैलाकर कवि को अपने वश में कर रही है |

प्रश्न 3:- "कजरारे बादलों की छाई नभ छाया ,

हौले –हौले जाती मुझे बाँध निज माया से |"- आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर:- काले बादलों के बीच साँझ का सुरमई वातावरण बहुत सुंदर दिखता है | ऐसा अप्रतिम सौंदर्य अपने आकर्षण में कवि को बाँध लेता है |

आरोह (गद्य खंड)

भक्तिन (महादेवीवर्मा)

पाठ का सार

भक्तिन जिसका वास्तविक नाम लक्ष्मी था लेखिका महादेवी वर्मा की सेविका है| बचपन में ही भक्तिन की मां की मृत्यु हो गई| सौतेली मां ने 5 वर्ष की आयु में ही विवाह तथा नौ वर्ष की आयु में गौना कर भक्तिन को ससुराल भेज दिया। ससुराल में भक्तिन ने तीन बेटियों को जन्म दिया, जिस कारण उसे सास और जेठानियों की उपेक्षा का सामना करना पड़ा| सास और जेठानियां आराम फरमाती थी और भक्तिन और उसकी नन्ही बेटियां घर और खेत का सारा काम करती| भक्तिन का पति भक्तिन को बहुत आदर सम्मान देता था| पति के साथ भाव विचार कर वह अपना अलगोझा कर लेती है| भक्तिन चालक भी है, अलग होते समय असंतोष के भाव को प्रकट करते हुए लेकिन अंदर ही अंदर अत्यंत प्रसन्न होते हुए उसने बंटवारे में घर की सभी अच्छी चीजों को प्राप्त कर लिया| जब वह सुख और मेहनत से रहने लगी तो उसके निष्ठुर भाग्य ने आकस्मिक ही उसके पति को छीन लिया| भक्तिन के सिर पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा| ससुराल वाले भक्तिन की दूसरी शादी करके वहां से निकालने की जुगत बैठाने लगे| जिसका भक्तिन ने खुलकर विरोध किया और वहीं बसे रहने का फरमान सुना दिया| भक्तिन ने अपनी बेटियों का विवाह कर दिया और बड़ी बेटी के पति को घर जमाई बनाकर अपने साथ रख लिया| लेकिन वह भी कुछ दिनों बाद विधवा हो गई। जिठौत भक्तिन की विधवा बेटी का विवाह अपने तीतरबाज साले के साथ करना चाहते थे| इसमें भक्तिन व उसकी बेटी उनकी चाल का शिकार हो गई| गले पड़े दामाद को घर जमाई बनाना भक्तिन का दुर्भाग्य ही था| जिसके कारण भक्तिन को अनेक कष्ट हुए क्योंकि जमाई कुछ भी कामकाज में हाथ न बंटाता था| इस कारण उसे महाजन के कर्ज के दंड स्वरूप धूप में खड़ा रहना पड़ा| इस अपमान के चलते वह घर छोड़कर शहर में लेखिका के पास काम की तलाश में पहुंचती है।

भक्तिन प्रत्येक प्रकार से लेखिका की सच्ची सेविका के रूप में अपने आप को सिद्ध करती है| वह लेखिका के चूल्हे-चौके, लेखन, अध्यापन सभी कार्यों में सहयोग देती है। वह लेखिका को अपनी सरलता से प्रभावित करके उनके व्यवहार में बदलाव ला देती है। भक्तिन लेखिका का साथ किसी भी परिस्थिति में नहीं छोड़ना चाहती। युद्ध के समय वह गाँव अकेली न जाकर लेखिका को भी अपने साथ चलने का आग्रह करती है| भक्तिन को जेल जाने से डर लगता है, अन्य लोग उसे चिढ़ाते हैं कि मालकिन को जेल हो जाएगी| वह महादेवी जी के साथ जेल भी जाने को तैयार रहती है| लेखिका सोचती हैं कि कभी यदि ऐसा बुलावा आ जाएगा तो वह देहाती बुढ़िया क्या करेगी? भक्तिन को खोकर लेखिका उसकी कहानी पूरी नहीं करना चाहती।

अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए -

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए। 'हाय लछमिन अब आई' की अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दुख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उलटे पैरों ससुराल लौट पड़ी। सास को खरी-खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक-फेंककर उसने पिता के चिर विछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की।

(I) भक्तिन की विमाता ने पिता की बीमारी का समाचार देर से दिया | इस संबंध में कौन-सी अवधारणा शामिल नहीं है?

(क) पिता का भक्तिन के प्रति आगाध प्रेम (ख) पिता द्वारा भक्तिन को संपत्ति दे देने का भय

(ग) सौतेली माता के मन में भक्तिन को दुःख से बचाने की भावना (घ) भक्तिन के मन में बसी इर्ष्या

(II) सास द्वारा भक्तिन की मृत्यु की सूचना भक्तिन को क्यों नहीं दी गई?

(क) भक्तिन को पितृशोक से बचाए रखने के लिए (ख) भक्तिन से असीम प्रेम के कारण

(ग) भक्तिन के द्वारा बार – बार नैहर जाने की जिद्द के कारण

(घ) रोने -विलाप करने से घर में अपशकुन न हो इसलिए

(III) सास द्वारा भक्तिन के प्रति अप्रत्याशित अनुग्रह का प्रदर्शन किस तरह किया गया?

(क) भक्तिन के पिता की मृत्यु की बात बताकर (ख) भक्तिन को उसके पिता के घर भेजकर

(ग) भक्तिन को उसके पिता के घर न भेज कर (घ)भक्तिन के दिन प्रतिदिन के कार्यों में सहयोग देकर

(IV) भक्तिन के पैरों में लगे पंख झड़ने का कारण क्या था?

कथन 1- उसे पता चल गया कि उसके पिता की मृत्यु हो चुकी है|

2- गाँववालों द्वारा उसे सहानुभूतिपूर्ण दृष्टि से देखना |

(क) कथन 1 सही है|

(ख) कथन 2 सही है|

(ग) कथन 1 तथा कथन 2 दोनों सही हैं|

(घ) कथन 1 तथा कथन 2 दोनों गलत हैं|

(V) भक्तिन ने सौतोली माँ पर आया क्रोध कैसे शांत किया?

(क) अपनी सास को बुरा भला कहकर (ख) अपने गहने उतारकर पति पर फेंक-फेंककर

(ग) उपरोक्त दोनों विकल्प सही हैं| (घ) उपरोक्त दोनों विकल्प गलत हैं|

उत्तरमाला- I-ग, II-घ, III-ख, IV-क, V- ग

पाठ आधारित अतिरिक्त अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

1- लोगों से भक्तिन ऐसा क्यों कहती कि वह महादेवी जी के साथ 50 वर्षों से रह रही है?

(क) वह 50 वर्ष से ही साथ रह रही थी

(ख) वास्तव में उसे याद ही नहीं था कि वह कितने वर्ष से साथ रह रही है।

(ग) उसे गिनती नहीं आती थी इसलिए कुछ भी बोल देती थी।

(घ) ऐसा कह कर वह अपना महत्व बढ़ाना चाहती थी।

2- भक्तिन को खोटे सिक्कों की टकसाल कहना समाज की किस मानसिकता को दर्शता है?

(क) लोकतांत्रिक दृष्टिकोण को (ख) पुरुष वर्चस्व की स्थापना न करना

(ग) नारी की दयनीय स्थिति को दर्शाना (घ) नारी के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित करना

3- भक्तिन के हठी दुर्भाग्य के संबंध में कौन सी अवधारणा शामिल नहीं है?

(क) भक्तिन की माता -पिता का बिछोह (ख) सौतेली माँ से मिले कष्ट

(ग) परिवार का सुख (घ) 'क' और 'ख ' दोनों

4- भक्तिन की विधवा बेटी का पुनर्विवाह करवाने के मूल में जिठौत की कौन से मंशा छिपी थी ?

(क) भक्तिन की जायदाद पर गिद्धदृष्टि (ख) भक्तिन को शहर भेजने की इच्छा

(ग) सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वाह (घ) चचेरी बहन का घर बसने की शुभेच्छा

5- कथन : भक्तिन की विधवा पुत्री ने अपने चचेरे भाइयों की पसंद के वर को स्वीकार कर लिया|

कारण : भक्तिन की विधवा पुत्री को अपने चचेरे भाइयों पर पूरा विशवास था|

(क) कथन व कारण दोनों सही हैं| कारण, कथन की सही व्याख्या कर रहा है|

(ख) कथन व कारण दोनों सही हैं परन्तु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं कर रहा है|

(ग) कथन सही है व कारण गलत है|

(घ) कथन व कारण दोनों गलत हैं|

6. लेखिका ने भक्तिन का नाम किस आधार पर रखा?

(क) उसे सजा-धजा देखकर (ख) उसे मन्त्र जपते हुए देखकर

(ग) गले में फूल माला देखकर (घ) इनमें से कोई नहीं

7.भक्तिन की सौतेली माँ उससे बुरा व्यवहार क्यों करती थी?

क) पिता द्वारा अधिक प्रेम से (ख) पिता द्वारा संपत्ति भक्तिन के नाम करने के डर से

(ग) उसके प्रति अत्यधिक प्रेम के कारण (घ) 'क' और 'ख ' दोनों

8. जिठौत किस कारण भक्तिन को दूसरा विवाह करने के लिए कहते है?

क) संपत्ति हड़पने के लालच में (ख) भक्तिन को खुश देखने के लिए

(ग) भक्तिन के प्रति अगाध स्नेह होने के कारण (घ) 'क' 'ख ' और' ग ' तीनों।

9.जिठौत अपने तीतर लड़ाने वाले साले को क्यों बुला लाया?

क) विधवा बहन की दुबारा शादी करवा कर उसका दुख दूर करने के लिए

(ख विधवा बहन का विवाह करवाने के बहाने उनकी सारी संपत्ति हड़पने के लिए।

(ग) भक्तिन को जिम्मेदारियों से मुक्त करने के लिए।

(घ) इनमें से कोई नहीं।

10.पंचायत का अपीलहीन फैसला किस बात को प्रकट करता है?

(क) स्नेह की भावना (ख) न्यायप्रियता की भावना

(ग) नारी की समाज में दयनीय स्थिति को (घ) 'क' और 'ख ' दोनों सही हैं

11. भक्तिन ने घर बार क्यों छोड़ दिया?

क) जमींदार का लगान अदा न करने के कारण (ख) सास व जेठानियों की बात न मानने के कारण

(ग) बेटी का विवाह जिठैतों की मर्जी से न करने के कारण (घ) उपरोक्त सभी

12. भक्तिन में दुर्गुणों का अभाव न था लेखिका ने ऐसा क्यों कहा?

(क) इधर-उधर पड़े पैसे मटकी में छुपा देने के कारण (ख) झूठ बोलने की आदत के कारण

(ग) शास्त्रों का प्रश्न अपनी सुविधानुसार सुलझाने के कारण (घ) उपरोक्त सभी

13. भक्तिन लेखिका की सहायता कैसे करती थी?

(क) कभी उत्तर - पुस्तकों को बांधकर (ख) अधूरे चित्रों को कोने में रखकर

(ग) कभी रंग की प्याली धोकर (घ) क, ख और ग तीनों सही हैं

14 'फिर तो लड़ाई अमरौती खाकर आई नही है'- में <u>अमरौती</u> का क्या अर्थ है?

(क) स्वतंत्रता (ख) सहानुभूति (ग) अमरता (घ) आम का अचार

15. भक्तिन और लेखिका के बीच सेवक–स्वामी का संबंध था यह कहना कठिन होगा -लेखिका ने ऐसा क्यों कहा?

(क) लेखिका की सेवा करने के कारण (ख) इच्छा होने पर भी उसे हटा न सकने के कारण

(ग) काम अधिक करने के कारण (घ) काम कम करने के कारण

उत्तरमाला- 1- घ, 2-ग, 3-ग, 4-क, 5-घ, 6-घ, 7-घ, 8-क, 9-ख, 10-ग, 11-क, 12क, 13-घ, 14-ग, 15-ख,

<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u> (2 अंक)

प्रश्न-1. भक्तिन की विमाता ने पिता की बीमारी का समाचार देर से क्यों भेजा?

उत्तर- लछमिन से पिता को बहुत अधिक प्रेम था। इस कारण विमाता (सौतेली माँ) उससे ईर्ष्या करती थी। दूसरे, लछमिन इकलौती संतान थी। इसलिए पिता की पूरी संपत्ति की वह अकेली हकदार थी। विमाता उस संपत्ति में लछमिन को हिस्सा नहीं देना चाहती थी। यही कारण रहा होगा कि विमाता ने पिता की मरणान्तक बीमारी का समाचार लछमिन को देर से दिया।

प्रश्न 2. लेखिका की राय में, भक्तिन की जीवन के दूसरे परिच्छेद में की गई उपेक्षा उचित क्यों थी?

उत्तर- लेखिका ने यह बात व्यंग्य में कही है। इसका कारण यह है कि भारतीय समाज में उसी स्त्री को सम्मान मिलता है जो पुत्र को जन्म देती है। लड़कियों को जन्म देने वाली स्त्री को अशुभ माना जाता है। भक्तिन ने तो तीन लड़कियों को जन्म दिया । जिसके कारण उसकी उपेक्षा उचित ही थी।

प्रश्न-3. लेखिका को भक्तिन से निपटना टेढ़ी खीर क्यों लगा ?

उत्तर- लेखिका को भक्तिन से निपटना टेढ़ी खीर लगा क्योंकि उसे पता था कि भक्तिन जैसे लोग पक्के इरादों के होते हैं। ऐसे लोगों के कार्य में बाधा होने पर ये खाना-पीना छोड़कर जान देने तक तैयार रहते हैं।

प्रश्न- 4. लेखिका के भोजन के लिए बैठने के समय भक्तिन के चेहरे पर प्रसन्नता और आत्मतुष्टि के भाव क्यों थे?

उत्तर- लेखिका ने भक्तिन की धार्मिक प्रवृत्ति और पवित्रता को स्वीकार लिया था। उसने भक्तिन द्वारा रसोई में खींची रेखा का उल्लंघन भी नहीं किया। भक्तिन को लगा था कि वह बहुत ही अच्छा खाना बनाई है| इसी कारण भक्तिन के चेहरे पर प्रसन्नता तथा आत्मतुष्टि के भाव आ गए थे।

प्रश्न-5. इधर-उधर बिखरे रुपये-पैसों का भक्तिन जो कुछ करती है, क्या आप उसे चोरी मानेंगे? क्यों?

उत्तर- इधर-उधर बिखरे रुपये-पैसों का भक्तिन जो कुछ करती है, उसे हम चोरी मानेंगे। इसका कारण यह है कि वह घर में नौकरी करती है। घर की किसी वस्तु पर उसका स्वामित्व नहीं है। पैसे या अन्य सामान मिलने पर उसकी जिम्मेदारी यह है कि वह उन चीजों को घर की मालकिन महादेवी जी को दे। ऐसा न करने पर उसका कार्य चोरी के अंतर्गत आएगा ।

(3 अंक)

प्रश्न-1. 'सभी को अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है । क्यों? 'भक्तिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- भक्तिन पाठ की लेखिका महादेवी वर्मा के अनुसार संसार में हम सभी में से अधिकांश लोग अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीते हैं अर्थात हमारे नाम के अर्थ एवं गुणों में साम्य होना अनिवार्य नहीं है । लेखिका कहती है कि उनका नाम महादेवी है परंतु वे ऐसा विशेष कुछ नहीं कर पाई हैं कि लोग उनको महान माने और ऐसे ही उनकी सेविका भक्तिन अपने मूल नाम लक्ष्मी के नाम को सार्थक नहीं कर पाती है क्योंकि उसके पास लक्ष्मी (धन) कभी नहीं आ पाई ।

प्रश्न- 2. लेखिका के लिए कोयले की रेखा लक्ष्मण रेखा कैसे बन गई?

उत्तर- भक्तिन धार्मिक प्रवृत्ति की औरत थी। वह रसोई के मामले में बेहद पवित्रता रखती थी। रसोई बनाते समय वह कोयले से मोटी रेखा खींच देती थी ताकि बाहरी व्यक्ति प्रवेश न कर सके। स्वयं लेखिका का प्रवेश भी वर्जित था। यदि वह रेखा का उल्लंघन करती तो भक्तिन जैसे लोग भूखे मरने को तैयार हो जाते हैं अर्थात खाना नहीं खाते। अतः कोयले की रेखा महादेवी जी ले लिए लक्ष्मण रेखा जैसी बन गई थी।

प्रश्न- 3. भक्तिन अन्य व्यक्तियों से किस प्रकार अधिक बुद्धिमान प्रमाणित होती है?

उत्तर- अन्य व्यक्ति महादेवी जी के लेखन या चित्रकारी में सहायता करने के विषय में सोच भी नहीं पाते हैं, परंतु भक्तिन सदैव लेखिका के सामने बैठकर कुछ-न-कुछ क्रियात्मक सहयोग देती रहती थी । अन्य लोग जहाँ लेखिका का हाथ बटाने की कल्पना तक नहीं कर पाते थे, वहीं भक्तिन पुस्तकों को बाँधकर, रंग की प्याली धोकर, अधूरे चित्र कोने में रखकर आदि प्रकार से सहयोग करती थी। इससे सिद्ध होता है कि वह अन्य लोगों से अधिक बुद्धिमान थी।

प्रश्न-4. भक्तिन पाठ के आधार पर भारतीय ग्रामीण समाज में लड़के-लड़कियों में किये जाने वाले भेदभाव का उल्लेख कीजिए

उत्तर- भारतीय ग्रामीण समाज में लड़के-लड़कियों में भेदभाव किया जाता है। लड़कियों को खोटा सिक्का या पराया धन माना जाता है। भक्तिन ने तीन बेटियों को जन्म दिया, जिस कारण उसे सास और जिठानियों की उपेक्षा सहनी पड़ती थी। सास और जिठानियाँ आराम फरमाती थी क्योंकि उन्होंने लड़के पैदा किए थे और भक्तिन तथा उसकी नन्हीं बेटियों को घर और खेतों का सारा काम करना पडता था । भक्तिन और उसकी बेटियों को रूखा-सूखा मोटा अनाज खाने को मिलता था जबकि उसकी जिठानियाँ और उनके बेटे दूध-मलाई राब-चावल की दावत उड़ाते थे ।

प्रश्न-5. भक्तिन पाठ के आधार पर पंचायत के न्याय पर टिप्पणी कीजिए।

उत्तर- भक्तिन की बेटी के सन्दर्भ में पंचायत द्वारा किया गया न्याय, तर्कहीन और अंधे कानून पर आधारित है। भक्तिन के जिठौत ने संपति के लालच में षडयंत्र कर भोली बच्ची को धोखे से जाल में फंसाया। पंचायत ने निर्दोष लड़की की कोई बात नहीं सुनी और एक तरफ़ा फैसला देकर उसका विवाह जबरदस्ती जिठौत के निकम्मे तीतरबाज साले से कर दिया। पंचायत के अंधे कानून से दुष्टों को लाभ हुआ और निर्दोष को दंड मिला।

अभ्यास के लिए अतिरिक्त प्रश्न

1- भक्तिन के नाम में क्या विरोधाभास था?

2- भक्तिन ने लेखिका से क्या आग्रह किया?

3- लेखिका ने लक्ष्मी का क्या नामकरण किया और क्यों?

4- विमाता ने लक्ष्मी को क्या संदेश भेजा?

5- भक्तिन की सास ने उसके पिता का समाचार क्यों नहीं बताया?

6- भक्तिन के जीवन के दूसरे परिच्छेद में (विवाह के बाद) क्या हुआ?

7- भक्तिन के जीवन के दूसरे परिच्छेद में (विवाह के बाद) जीवन कैसा चला?

8- जेठानियों के बच्चों की तुलना काकभुसुंडी से क्यों की गई है?

9- भक्तिन कौन-सी लीक छोड़कर चली? जिसके कारण उसे सास का दंड भोगना पड़ा?

10-लक्ष्मी का दुर्भाग्य भी काम हठी नहीं था| ऐसा लेखिका ने क्यों कहा है?

11-जिठौतों को कौन सी आशा की कर किरण दिखाई दी?

12-जिठौत ने क्या षड्यंत्र किया?

13-भक्तिन के जीवन के चार परिच्छेद कौन से थे?

बाजार दर्शन (जैनेंद्र कुमार)

पाठ का सार

बाजार दर्शन पाठ बाजार के आकर्षण एवं बढ़ती बाज़ारूवृत्ति पर कटाक्ष करने वाला एक ऐसा मनोवैज्ञानिक ललित निबंध हैं जो चिंतन-प्रधान होने के साथ-साथ उपदेशात्मक और प्रतीकात्मक शैली में लिखा गया है| बाजार-दर्शन पाठ में बाजारवाद और उपभोक्तावाद के साथ-साथ अर्थनीति एवं दर्शन से संबंधित प्रश्नों को सुलझाने का प्रयास किया गया है। बाजार का जादू तभी असर करता है जब मन खाली हो| बाजार के जादू को रोकने का उपाय यह है कि बाजार जाते समय मन खाली न हो, मन में लक्ष्य भरा हो| बाजार की असली कृतार्थता है जरूरत के वक्त काम आना| बाजार को वही मनुष्य लाभ दे सकता है जो वास्तव में अपनी आवश्यकतानुसार खरीदना जानता है| जो लोग अपने पैसों के घमंड में अपनी पर्चेजिंग पावर को दिखाने के लिए चीजें खरीदते हैं वे बाजार को शैतानी व्यंग्य शक्ति देते हैं| ऐसे लोग बाज़ार का बाजारूपन और कपट बढाते हैं | पैसे की यह व्यंग्य-शक्ति व्यक्ति को अपने सगे लोगों के प्रति भी कृतघ्न बना सकती है | साधारण जन का हृदय लालसा, ईर्ष्या और तृष्णा से जलने लगता है| दूसरी ओर ऐसा व्यक्ति जिसके मन में लेश मात्र भी लोभ और तृष्णा नहीं है, संचय की इच्छा नहीं है वह इस व्यंग्य-शक्ति से बचा रहता है| भगतजी ऐसे ही आत्मबल के धनी आदर्श ग्राहक और बेचक हैं जिन पर पैसे की व्यंग्य-शक्ति का कोई असर नहीं होता | अनेक उदाहरणों के द्वारा लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि एक ओर बाजार, लालची, असंतोषी और खोखले मन वाले व्यक्तियों को लूटने के लिए है वहीं दूसरी ओर संतोषी मन वालों के लिए बाजार की चमक-दमक, उसका आकर्षण कोई महत्त्व नहीं रखता।लेखक के अनुसार आज बाजार की चकाचौंध हमें अपनी ओर आकर्षित करती है, पर हमें आत्म-संतुष्ट होना चाहिए और मन को जबरदस्ती से नहीं अपितु स्वाभाविक नियंत्रण में रखना चाहिए।

अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :- (1x5=5)

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी पर्चेजिंग पावर के नशे में, अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति, शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी।

1. बाजार को सार्थकता कौन देते हैं?

(क) जो अपनी आवश्यकता को जानते हैं (ख) जिनके पास पर्चेजिंग पावर है

(ग) जो वस्तु खरीद सकते हैं (घ) जो महंगी वस्तुएँ खरीदते हैं

2. 'पर्चेजिंग पावर का क्या तात्पर्य है?

(क) बाजार को सार्थकता प्रदान करने वाले लोग (ख) बाजार को विनाशक शक्ति देने वाले लोग

(ग) जो खाली मन से बाजार जाते हैं (घ) वस्तु खरीदने की क्षमता

3. बाजार को पर्चेजिंग पावर वाले लोगों की क्या देन है?

(क) बाजार को विनाशक शक्ति देते हैं (ख) बाजार की सार्थकता बढ़ा देते हैं

(ग) उनके कारण ही बाजार उपयोगी बनते हैं (घ) सद्भाव बढ़ाते हैं।

4. कौन लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं?

(क) जो जानते हैं कि उन्हें बाजार से क्या खरीदना है। (ख) जो बाजार से उपयोगी वस्तु खरीदते हैं

(ग) जो नहीं जानते कि उन्हें बाजार से क्या खरीदना है (घ) जिनके अन्दर कपट की भावना होती है

5. परस्पर सद्भाव में कमी कब आती है?

(क) जब बाजार में वस्तुओं की कमी हो जाती है। (ख) जब बाजार सार्थक बनता है

(ग) जब कपट बढ़ता है। (घ) जब लोग बाजार को सच्चा लाभ देते हैं

उत्तरमाला- 1-क, 2-घ, 3-क, 4-ग, 5-ग

पाठ आधारित अतिरिक्त अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

1. बाज़ारवाद को बढ़ावा कौन देता है?

क) मन का खालीपन ख) मन का भरा होना

ग) 'क' और 'ख' दोनों घ) न तो 'क', न तो 'ख'

2. बाज़ार का जादू उतरने पर क्या पता चलता है?

क) आकर्षक चीजें उपयोगी होती हैं ख) आकर्षित करने वाली चीजें हमारे जीवन में महत्त्व नहीं रखती हैं

ग) आकर्षण ही व्यक्ति को जीना सिखाता है। घ) आकर्षित करने वाली चीजें स्वाभिमान को बचाती हैं

3. बाज़ार के जादू के आकर्षण की तुलना किससे की गई

क) धन से ख) चुंबक से ग) रेशमी डोरी से घ) सवारी से।

4. प्रस्तुत पाठ में क्या समझाया गया है?

(क) बाज़ार में जेब भरी और मन खाली जाना चाहिए (ख) बाज़ार में जेब खाली और मन खाली जाना चाहिए

(ग) बाज़ार में भरा मन लेकर जाना चाहिए (घ) बाज़ार में बंद मन लेकर जाना चाहिए

5. जैनेन्द्र कुमार के अनुसार क्या योग से मन पर नियंत्रण संभव है?

(क) नहीं (ख) हाँ (ग) कुछ-कुछ (घ) कहा नहीं जा सकता

6. धूल उड़ाती हुई मोटर किसका अहसास करवाती है?

(क) सुख का (ख) धन का (ग) धन की व्यंग्य शक्ति का (घ) संयम का

7. बाज़ार के चौक के बारे में पाठ में क्या बताया गया हैं?

(क) यह असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल मनुष्य को सदा के लिए बेकार कर देता है।

(ख) बाजार का चौक हमें विकल व पागल कर सकता है।

(ग) उपर्युक्त दोनों विकल्प सही है

(घ) सभी गलत है

8. किसके गर्व में विनाशक और शैतानी शक्ति जन्म लेती है?

(क) संयम (ख) बाज़ार (ग) बाजारूपन (घ) पर्चेजिंग पावर

9. कपट की बढ़ती और सद्भाव की घटती में भाई और सुहृद परस्पर क्या रह जाते है?

(क) केवल गाहक और बेचक (ख) मित्र (ग) कुछ नहीं (घ) सच्चे साथी

10. "बाजार का ज़ादू" किसे कहा गया है?

(क) बाज़ार से आवश्यकता के अनुसार सामान की उपलब्धता को |

(ख) बाज़ार के सामानों को देखकर अनावश्यक रूप से उन्हें खरीदने की लालसा जगाने को |

(ग) उपर्युक्त दोनों विकल्प सही हैं |

(घ) उपर्युक्त सभी विकल्प असत्य हैं |

उत्तरमाला- 1-क, 2-ख, 3-ख, 4-ग, 5-ख, 6-ग 7-ग, 8-घ, 9-क, 10-ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न-1 बाज़ार के जादू को 'रूप का जादू' क्यों कहा गया है?

उत्तर- बाज़ार का रूप बड़ा आकर्षक होता है। वहाँ मन को लुभाने के लिए वस्तुओं को आकर्षक तरीके से सजाया जाता है। उस रूप को देखकर मनुष्य उनकी तरफ खिंचा चला आता है। इसलिए बाज़ार के जादू को रूप का जादू' कहा गया है।

प्रश्न-2 आज का उपभोक्ता जेब खाली होने पर भी खरीदारी करता है, यह समाज की किस प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है?

उत्तर- आज का उपभोक्ता जेब खाली होने पर भी खरीददारी करता है, यह समाज की अंध-उपभोक्तावादी प्रवृत्ति की ओर संकेत करता है। ऐसे व्यक्ति दिखावे के चक्कर में ऐसा करते हैं। वे अधिक सुख की चाह तथा अपनी धाक जमाने के लिए गैर-जरूरी उत्पादों को खरीदते हैं।

प्रश्न-3 लेखक के अनुसार लोभ की जीत क्या है तथा आदमी की हार क्या है ?

उत्तर- लेखक के अनुसार, लोभ मनुष्य के मन में होता है। मन को बंद करने से लोभ की जीत हो जाती है और मनुष्य की हार हो जाती है क्योंकि उसकी जूझने या संघर्ष की प्रवृत्ति समाप्त हो जाती है।

प्रश्न-4 'आँख फोड़ डालने' का क्या अर्थ है? उससे मनुष्य पर क्या असर पड़ेगा?

उत्तर- इसका अर्थ है-सांसारिक गतिविधियों को अनदेखा करना। इससे मनुष्य बेचैन हो जाता है क्योंकि मानव का स्वभाव कल्पना करने का है। वह कल्पना आँखों से पूरी होती नहीं दिखेगी तो उसे परेशानी पैदा होगी।

(3 अंक)

प्रश्न-1 भगत जी की कौन सी विशेषताएं हैं जो एक स्वस्थ समाज के लिए उपयोगी हैं?

उत्तर - भगत जी की निम्नलिखित विशेषताएं एक स्वस्थ समाज के लिए उपयोगी हैं -

- बाजार की चमक दमक से आकर्षित न होना
- समाज को संतोषी जीवन की शिक्षा देना
- जितनी आवश्यकता है बाजार से उतना ही सामान खरीदना
- अत्यधिक धन दौलत इकट्ठा करने की चाहत ना रखना
- सभी व्यक्तियों का उचित आदर और सम्मान करना।

अभ्यास के लिए अतिरिक्त प्रश्न

1- मन खाली और जेब भरी होने से लेखक का क्या आशय है?

2- आजकल बाजारों में फैंसी चीजों की भरमार है| इससे क्या लाभ-हानि है?

3- भगत जी का उदाहरण देकर सिद्ध कीजिए कि सभी पर बाजार का जादू नहीं चलता?

4- मनुष्य की धन पर विजय जड़ की चेतन पर विजय कैसे है?

5- इस पाठ में लेखक ने किस बाजार को मानव की विडंबना कहा है?

6- पाठ के आधार पर बताएं कि किन लोगों के आगे पैसे की व्यंग्य शक्ति चूर-चूर हो जाती है?

काले मेघा पानी दे (धर्मवीर भारती)

पाठ का सार

काले मेघा पानी दे निबंध लोक जीवन के विश्वास और विज्ञान के तर्क पर आधारित है| जब भीषण गर्मी के कारण व्याकुल लोग वर्षा करने के लिए पूजा-पाठ और कथा-विधान कर थक जाते हैं, तब वर्षा करने के लिए अंतिम उपाय के रूप में इंदरसेना निकलती है| इंदरसेना नंग-धडंग बच्चों की टोली है| जो कीचड़ में लोटपोट होकर गली-मोहल्ले में पानी मांगने निकलती है| लोग अपने घरों की छतों, खिड़कियों से इंदरसेना पर पानी डालते हैं| लोगों की मान्यता है कि इंद्र बादलों के स्वामी और वर्षा की देवता हैं| इंद्र की सेना पर पानी डालने से इंद्र भगवान पानी बरसाएंगे| लेखक का तर्क है कि जब पानी की इतनी कमी है तो लोग मुश्किल से जमा किए पानी को क्यों बर्बाद कर रहे हैं? आर्य समाज विचारधारा वाला लेखक इसे अंधविश्वास मानता है| इसके बिल्कुल विपरीत लेखक की जीजी इसे त्याग और दान से जोड़कर देखती हैं| त्याग के बिना दान नहीं हो सकता| प्रस्तुत निबंध में लेखक ने भ्रष्टाचार की समस्या को उठाते हुए कहा है कि जीवन में कुछ पाने के लिए त्याग जरूरी है| जो लोग त्याग और दान को नहीं मानते हैं वही भ्रष्टाचार में लिप्त होकर देश और समाज को लूटते हैं| जीजी की आस्था भावनात्मक सच्चाई को पुष्ट करती है और तर्क केवल वैज्ञानिक तथ्य को सत्य मानता है| भारत की स्वतंत्रता के 50 साल बाद भी देश में व्याप्त भ्रष्टाचार और स्वार्थ की भावना को देखकर लेखक दुखी है| सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं गरीबों तक क्यों नहीं पहुंच रही हैं? काले मेघा के दल उमड़ रहे हैं पर आज भी गरीब की गगरी फूटी ही क्यों रह जा रही है? लेखक हमें इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है।

अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :- (1x5=5)

हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नामो-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जांचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल प्यासे के प्यासे रह जाते हैं। आखिर कब बदलेगी ये स्थिति?

(i) आज हम देश के लिए क्या नहीं करना चाहते?

(क) सेवा (ख) त्याग (ग) मेहनत (घ) कोई भी विकल्प ठीक नहीं है

(ii) हम चटखारे लेकर क्या करते हैं?

(क) भ्रष्टाचार (ख) अपने भ्रष्टाचार की बातें

(ग) दूसरों के भ्रष्टाचार की बातें (घ) सभी विकल्प ठीक हैं

(iii) हमारा एकमात्र लक्ष्य क्या रह गया है?

(क) समाजसेवा (ख) स्वार्थसिद्धि (ग) भ्रष्टाचार (घ) त्याग

(iv) काले मेघा उमड़ने के बावजूद गगरी फूटी और बैल प्यासा क्यों रह जाता है?

(क) हमारे अपने भ्रष्टाचार के कारण (ख) बारिश न होने के कारण

(ग) गगरी और बैल में ही कमी होने के कारण (घ) कोई भी विकल्प ठीक नहीं है

(v) इस गद्यांश में लेखक क्या संदेश देता है?

(क) हमें दूसरों के काम पर ध्यान देना चाहिए (ख) हमें सभी को पानी पिलाना चाहिए

(ग) हमें दूसरों के भ्रष्टाचार की बातें करनी चाहिएँ (घ) हमारे मन में देश के लिए त्याग की भावना होनी चाहिए

उत्तरमाला- I-ख, II-ग, III-ख, IV-क, V-घ

पाठ आधारित अतिरिक्त अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

1- लेखक किसका विरोध करता था?

(क) आर्यसमाज का (ख) अंधविश्वासों का (ग) कुमार सुधार सभा का (घ) गाँव वालों का

2- गाँव के लोग बरसात के लिए क्या उपाय करते?

(क) पूजा-पाठ आदि अनुष्ठान करते (ख) सरकार से प्रार्थना करते

(ग) गाँव छोड़कर चले जाते (घ) सभी विकल्प ठीक हैं

3- लेखक को क्या बात समझ नहीं आती थी?

(क) लोग पूजा पाठ क्यों करते हैं (ख) इंदर सेना क्यों बनी है

(ग) लोग इतनी कठिनाई से इकट्ठा किया पानी बरबाद क्यों कर रहे हैं (घ) सभी विकल्प ठीक है

4- अंतिम पंक्तियों में 'काले मेघा' किसके प्रतीक हैं?

(क) संसाधनों के (ख) सरकार के (ग) बादल के (घ) मौसम के

5- पानी बरसने पर भी गगरी क्यों फूटी रहती है?

(क) संसाधन पर्याप्त मात्रा में होने पर भी भ्रष्टाचार के कारण जन-जन तक नहीं पहुँच पाता है |

(ख) संसाधन पर्याप्त मात्रा में हैं और वे जन-जन तक पहुँच रहे हैं |

(ग) संसाधन पर्याप्त मात्रा में होने पर भी भ्रष्टाचार के कारण अधिकारी/सम्बन्धित कर्मचारी वर्ग तक बहुत मात्रा में नहीं पहुँच पाता है |

(घ) संसाधन पर्याप्त मात्रा में न होने के कारण जन-जन तक नहीं पहुँच नहीं पाता है

6- काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता हैं, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे रह जाते हैं। पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करें -

(क) सरकारी सुविधाओं का जनता तक न पहुँच पाना (ख) सरकारी सुविधाओं का जनता तक पहुँच पाना

(ग) बादल का बरसना और धरती का सूखा रह जाना (घ) उपर्युक्त सभी

7- जीजी के लिए लेखक को क्या काम करने पड़ते थे?

(क) जीजी `के लिए खाना बनाता है | (ख) जीजी के सभी धार्मिक अनुष्ठान में उसे भाग लेना पड़ता है |

(ग) जीजी के साथ घूमना पड़ता है | (घ) जीजी के लिए सुबह शाम पानी भरना पड़ता है |

8- लेखक बचपन में कैसा था?

(क) लेखक बचपन से धार्मिक था (ख) लेखक बचपन में बहुत पढ़ाकू था

(ग) लेखक आर्य समाजी था (घ) लेखक ब्रह्म समाजी था |

9- लेखक ने जीजी की किस बात को मानने से इनकार कर दिया?

(क) लेखक ने कुएँ से पानी लाने से इंकार कर दिया |

(ख) लेखक ने गाँव के कीचड़ में लोटने से इनकार कर दिया |

(ग) लेखक ने इन्दर सेना पर पानी फेंकने से इनकार कर दिया था |

(घ) उपर्युक्त सभी कार्यों से |

10- लेखक को कुमार सुधार सभा में कौन सा पद दिया गया था?

(क) मंत्री (ख) उपमंत्री (ग) महामंत्री (घ) सहमंत्री

उत्तरमाला- 1-ख, 2-क, 3-ग, 4-क, 5-क, 6-क, 7-ख, 8-ग, 9-ग, 10-ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 1. लेखक को बचपन में किस प्रकार के संस्कार मिले और उनका क्या प्रभाव रहा ?

उत्तर- लेखक को बचपन में आर्यसमाजी संस्कार मिले। उसे एक कुमार-सुधार समिति का उपमंत्री बना दिया गया था। वह समाज में अन्धविश्वास के खिलाफ हमेशा आवाज उठाता था। कुरीतियों और अन्धविश्वासों को वह जड़ से उखाड़ फेंक देना चाहता था।

प्रश्न 2. जीजी कौन थी? और उसके लेखक से कैसे सम्बन्ध थे ?

उत्तर- वैसे तो लेखक का जीजी से कोई खून का रिश्ता नहीं था, परन्तु उसके प्राण लेखक में ही बसते थे। वह उम्र में लेखक की माँ से भी बड़ी थी। उन दोनों के बीच स्नेह का सम्बन्ध था। जीजी लेखक को अपनी संतान से बढ़कर मानती थी।

प्रश्न 3. 'इन्दरसेना' को लेखक मेंढक-मंडली क्यों कहता है? जीजी के बार-बार कहने पर भी वह इन्दरसेना पर पानी फेंकने को राजी क्यों नहीं होता ?

उत्तर- इन्दरसेना का कार्य आर्यसमाजी विचारधारा वाले लेखक को अंधविश्वास लगता है, उसका मानना है कि यदि इंदरसेना इंद्र देवता से पानी दिलवा सकती है तो स्वयं अपने लिए पानी क्यों नहीं माँग लेती? पानी की कमी होने पर भी लोग घर में एकत्र किये हुए पानी को इंदरसेना पर फेंकते हैं। लेखक इसे पानी की निर्मम बरबादी मानता है।

प्रश्न-4 काले मेघा पानी दे पाठ की इंदर सेना युवाओं को रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दे सकती है| तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

उत्तर- इंदर सेना युवाओं को रचनात्मक कार्य करने की प्रेरणा दे सकती है। जैसे वह सामूहिक प्रयास से इंद्र देवता को प्रसन्न करके वर्षा करने के लिए कोशिश करती है। उसी प्रकार यदि ये लोग समाज में व्याप्त शोषण, अनैतिकता, भ्रष्टाचार के खिलाफ सामूहिक प्रयास करें तो देश का स्वरूप अलग ही होगा।

प्रश्न-5 लेखक को जीजी के कौन-से कार्य मन न होते हुए भी करने पड़ते थे ?

उत्तर- आर्यसमाजी संस्कारों के कारण लेखक पूजा अनुष्ठानों, तीज त्योहारों को ढकोसला मानता था| मगर जीजी के लिए गोबर और कौडियों से गोवर्धन बनाना, जन्माष्टमी पर झांकी सजाना, छठ के अवसर पर छोटी रंगीन कुल्हियों में भूजा भरना आदि कार्य करने पड़ते थे। जीजी यह सब कार्य लेखक के हाथों से ही करवाती थी, ताकि पुण्य का लाभ उसी को मिले।

(3 अंक)

प्रश्न 1. लेखक ने लोगों द्वारा मेढक-मण्डली पर पानी फेंके जाने को किस प्रकार अनुचित माना?

उत्तर- लेखक के शब्दों में लोगों द्वारा पानी की किल्लत के समय पर मेढक मण्डली पर पानी फेंकना बिलकुल अनुचित है| उसका तर्क वजन रखता है कि अगर यह इंद्रदेव की सेना है तो उनसे सीधे पानी क्यों नहीं माँगती। उनको इस तरह पानी बरबाद करने का अधिकार किसने दिया है। यह जो करते हैं, वह सब पाखण्ड है, अन्धविश्वास है, इसी के कारण हम भारतीय अंग्रेजों से पिछड़ गए।

प्रश्न-2 'काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है'- आशय स्पष्ट कीजिए

उत्तर - लेखक कहता है कि देश में लोग हर समय सुविधाओं की मांग करते हैं परंतु देश के लिए त्याग व समर्पण का भाव नहीं रखते| उन्हें सिर्फ अपने हित सर्वोपरि लगते हैं| एक दूसरे के भ्रष्टाचार की आलोचना करते हैं लेकिन खुद देश के विकास में कोई योगदान नहीं करते| विकास के नाम पर अरबों रुपयों की योजनाएं बनती हैं| बहुत पैसा खर्च होता है परंतु भ्रष्टाचार के कारण वह आम आदमी तक नहीं पहुंचता उसकी हालत वैसी ही बनी रहती है।

प्रश्न-3 'काले मेघा पानी दे'- के आधार पर जीजी की दृष्टि में त्याग और दान को परिभाषित कीजिए ।

उत्तर- लेखक को जीजी के अन्धविश्वासों पर तनिक भी विश्वास नहीं था। जीजी कहती थी कि अगर हम इन्द्र भगवान को जल नहीं देंगे तो वे हमें पानी कैसे देंगे? मेढ़क मंडली पर जल डालना उनको समर्पित अर्ध्य है| यदि मनुष्य दान में कुछ देगा नहीं तो पायेगा कैसे? ऋषियों ने भी दान और त्याग की महिमा गाई है। असली त्याग वही है कि जो चीज हमारे पास कम है और हमें उसकी जरुरत है, उसे ही लोक-कल्याण के लिए दे दिया जाये| तभी दान का फल मिलेगा ।

अभ्यास के लिए अतिरिक्त प्रश्न

1- काले मेघा पानी दे पाठ का मूल उद्देश्य स्पष्ट करें?

2- इंदर सेना का कार्य-कलाप लेखक को अंधविश्वास क्यों लगा?

3- जीजी ने लेखक को समझने के लिए क्या-क्या तर्क दिए?

4- 'त्याग के बिना दान नहीं होता'- पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए|

5- पानी संकट की वर्तमान स्थिति पर विचार कीजिए।

पहलवान की ढोलक (फणीश्वर नाथ रेणु)

पाठ का सार

आंचलिक कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु की कहानी पहलवान की ढोलक में कहानी के मुख्य पात्र लुट्टन के माता-पिता का देहांत उनके बचपन में ही हो गया था| अनाथ लुट्टन को उसकी विधवा सास ने पाल-पोसकर बड़ा किया| उसकी सास को गांव वाले सताने लगे, लोगों से इस अपमान का बदला लेने के लिए कुश्ती के दांव-पेंच सीखकर कसरत करके लुट्टन पहलवान बन गया| एक बार लुट्टन श्याम नगर मेले में गया, जहां ढोल की आवाज और कुश्ती के दांव-पेंच देखकर उसने जोश में आकर नामी पहलवान चांद सिंह को चुनौती दे दी| ढोल की आवाज से प्रेरणा पाकर लुट्टन ने दांव लगाकर चाँदसिंह को पटक कर हरा दिया और राज पहलवान बन गया| उसकी ख्याति दूर-दूर तक फैल गई| 15 वर्षों तक वह अजेय पहलवान बना रहा| उसके दो पुत्र थे, लुट्टन दांव-पेंच अपने दोनों बेटों को भी सिखा दिए थे| राजा की मृत्यु के बाद राजकुमार ने लुट्टन का पूरा राज खर्च देखकर उसे दरबार से बाहर का रास्ता दिखा दिया| अब लुट्टन गांव में ही अपने बेटों के साथ रहने लगा और गांव के बच्चों को दांव-पेंच सिखाने लगा| गाँव में महामारी फ़ैल गई| महामारी के दिनों में भी लुट्टन सुबह-शाम ढोल के साथ कुश्ती का अभ्यास करता था| वह ढोल को ही अपना गुरु मानता था| महामारी और अकाल में लड़ने का साहस वह इसी ढोल से लिया करता था| पहलवान ढोल बजाकर लोगों को बीमारी से लड़ने की हिम्मत बढ़ा रहा था| जिस दिन पहलवान के दोनों लड़के मृत्यु के शिकार हुए उस दिन भी वह ढोल बजाकर सभी लोगन का हौसला बढ़ा रहा था| इस कहानी में लुट्टन पहलवान की हिम्मत और जिजीविषा का वर्णन हुआ है| इस करूण त्रासदी में लुट्टन कई सवाल कर छोड़ कर जाता है कि कला का कोई स्वतंत्र अस्तित्व है या कला केवल व्यवस्था की मोहताज है| अंत में लुट्टन का मरना वास्तव में संरक्षण के भाव में लोककला के लुप्त हो जाने का द्योतक है|

अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक की ललकारकर चुनौती देती रहती थी| पहलवान संध्या से सुबह तक चाहे जिस ख्याल से ढोलक बजाता हो किंतु गांव के अर्द्धमृत, औषधि उपचार पथ्य विहीन प्राणियों में संजीवनी शक्ति ही भरती थी| बूढ़े, बच्चे, जवानों की शक्तिहीन आंखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था| स्पंदन शक्ति शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी| अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति थी, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आंख मूंदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी| मृत्यु से वह डरते नहीं थे| जिस दिन पहलवान के दोनों बेटे क्रूर काल की चपेटाघात में पड़े, असह्य वेदना से छटपटाते हुए दोनों ने कहा था बाबा उठा पटक दो वाला ताल बजाओ| चटाक-चट-धा... सारी रात ढोलक पीटता रहा पहलवान| बीच-बीच में पहलवानों की भाषा में उत्साहित भी करता था।- "मारो बहादुर।"

1- पहलवान रात में भी ढोलक क्यों बजता था?

(क) वातावरण में जोश भरने के लिए (ख) महामारी की दवाई के रूप में

(ग) महामारी के प्रति सचेत करने के लिए (घ) महामारी को दूर भगाने के लिए

2- अर्द्धमृत किसे कहा गया है?

(क) महामारी के कारण रोग ग्रस्त लोगों को (ख) मरने से डरे हुए लोगों को

(ग) 'क' व 'ख' दोनों सही हैं (घ) 'क' व 'ख' दोनों गलत हैं

3- ढोलक की आवाज सुनकर महामारी से पीड़ित लोगों पर कौन-सा प्रभाव नहीं पड़ता?-

(क) स्वस्थ हो जाते थे (ख) उत्साह-उमंग अनुभव करते थे

(ग) बीमारी से लड़ने की क्षमता आ जाती (घ) दर्द भूल जाते थे।

4- आंख मूंदना का क्या आशय है?

(क) आंखें बंद करना (ख) निराश होना (ग) अनदेखी करना (घ) मृत्यु होना

5- कथन - ढोलक की आवाज सुनकर बीमार लोगों में उत्साह भर जाता|

कारण- ढोलक की आवाज सुनकर लोगों के सामने दंगल का दृश्य नाचने लगता|

(क) कथन व कारण दोनों सही हैं| कारण, कथन की सही व्याख्या कर रहा है|

(ख) कथन व कारण दोनों सही हैं परन्तु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं कर रहा है|

(ग) कथन सही है व कारण गलत है|

(घ) कथन व कारण दोनों गलत हैं|

उत्तरमाला- 1-क, 2-ग, 3-क, 4-घ, 5-क

पाठ आधारित अतिरिक्त अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

1. राजपुरोहित और मैनेजर लुट्टन को क्षत्रिय कहने का विरोध क्यों कर रहे थे ?

(क) क्योंकि लुट्टन ने क्षत्रिय का काम किया था| (ख) क्योंकि लुट्टन क्षत्रिय नहीं था

(ग) 'क' और 'ख' दोनों सही हैं| (घ) 'क' और 'ख' दोनों गलत हैं|

2. 'पहलवान की ढोलक' मुख्य रूप से किसका वर्णन करती है?

(क) लुट्टन पहलवान की गरीबी का (ख) लुट्टन पहलवान की जिजीविषा और हिम्मत का

(ग) लुट्टन की त्रासदी का (घ) लुट्टन की निराशा का

3. गाँव में कौन-से रोग फैले हुए थे?

(क) डेंगू, तपेदिक (ख) मलेरिया और हैज़ा

(ग) 'क' और 'ख' दोनों सही हैं| (घ) सभी विकल्प गलत हैं

4. ढोलक की आवाज़ गाँव में क्या करती थी?

(क) संजीवनी शक्ति का काम (ख) घर में छुप जाने की चेतावनी

(ग) कुश्ती लड़ने के लिए तैयार (घ) रोग से मुक्त कर देती

5. लुट्टन ने किसकी प्रेरणा से कुश्ती में विजय प्राप्त की?

(क) ढोलक की (ख) राजा साहब की (ग) लोगों की (घ) पंचायत की

6. अंधेरी रात किस बात पर आंसू बहा रही थी?

(क) मानवों की करतूतों पर (ख) महामारी में हुई मौतों पर

(ग) पहलवान की निर्ममता पर (घ) पहलवान के ढोलक बजाने पर

7. कथन - शक्तिशाली लोग अपना दबदबा बनाने के लिए उसका प्रदर्शन अवश्य करते हैं |

कारण- चांद सिंह भी अखाड़े में गरज कर सबको डरा रहा था |

(क) कथन सत्य है किंतु कारण उसकी सही व्याख्या नहीं है |

(ख) कथन सत्य है और कारण भी सही है |

(ग) कथन असत्य है कारण भी असत्य है |

(घ) कथन असत्य किंतु कारण ठीक है |

8. लुट्टन चांद सिंह से कुश्ती लड़ने के लिए क्यों मचल पड़ा?

(क) चांद सिंह की हुंकारों को सुनकर (ख) ढोल की ललकारती हुई आवाज सुनकर

(ग) अंदर से आई आवाज के कारण (घ) पहलवानों के दांव पेंच देखकर

9. पहलवान ढोल को गुरु क्यों मानता था?

(क) ढोलक उसे प्रिय थी (ख) उसे ढोलक की थाप सुनकर आनंद मिलता था

(ग) ढोलक की आवाज से उत्साहित होता था (घ) ढोलक बजाना उसका पेशा था

10. कथन - पहलवान की बहादुरी प्रसंसनीय है|

कारण - पहलवान ने मरने से पहले कभी हार नहीं मानी|

(क) कथन सत्य है कारण भी सत्य है

(ख) कथन सत्य है किंतु कारण सत्य नहीं है

(ग) कथन असत्य है किंतु कारण सत्य है

(घ) कथन असत्य और कारण भी असत्य है

उत्तरमाला- 1-ख, 2-ख, 3-ख, 4-क, 5-क, 6-ख, 7-ख, 8-ख, 9-ग, 10-क,

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न 1. लुट्टन को पहलवान बनने की प्रेरणा कैसे मिली ?

उत्तर- लुट्टन को पहलवान बनने की प्रेरणा उन लोगों से मिली, जो उसकी सास को बहुत परेशान करते थे। लुट्टन के मन में आता था कि वह एक-एक करके अपनी सास के दुश्मनों से बदला ले। इसके लिए स्वस्थ शरीर की जरूरत थी। वह गायें चराता, धारोष्ण दूध पीता और कसरत करने लगा । जवानी में कदम रखते ही वह गाँव का सबसे ताकतवर नौजवान बन गया।

प्रश्न 2. लुट्टन के अखाड़े में कूदते ही चारों ओर खलबली क्यों मच गई ?

उत्तर- लुट्टन ने चाँदसिंह को लड़ने की चुनौती दी और अखाड़े में आ गया। चाँदसिंह उसकी चुनौती सुनकर उपेक्षा से मुस्कुराया और बाज की तरह उस पर टूट पड़ा। यह देख दंगल के आसपास जुटे दर्शकों में खलबली मच गई। वे लोग लुट्टन की शक्ति को नहीं जानते थे। अतः उन्हें लगा कि यह नया और कमजोर पहलवान चाँदसिंह के हाथों मारा जाएगा।

प्रश्न 3. लुट्टन पहलवान की अंतिम इच्छा क्या थी और क्यों?

उत्तर- पहलवान की अंतिम इच्छा यह थी कि उसे चिता पर पेट के बल लिटाया जाए। कारण यह कि वह कभी चित नहीं हुआ। उनकी दूसरी इच्छा यह थी कि उसे आग देते समय ढोल अवश्य बजाया जाए क्योंकि ढोल की आवाज में पहलवान के प्राण बसे हुए थे। वह इसको जीवन मानता था।

(3 अंक)

प्रश्न-1. लुट्टन को गाँव वापस क्यों लौटना पड़ा?

उत्तर- तत्कालीन राजा कुश्ती के शौकीन थे, परन्तु उनकी मृत्यु के बाद लुट्टन को परेशानी का सामना करना पड़ा क्योंकि जब विलायत से शिक्षा पाए राजकुमार ने सत्ता संभाली तो उन्होंने राजकाज से लेकर महल के तौर-तरीकों में भी परिवर्तन कर दिए। मनोरंजन के साधनों में कुश्ती का स्थान घुड़सवारी ने ले लिया। अतः पहलवानों पर अनावश्यक राजकीय खर्च का बहाना बनाकर उन्हें जवाब दे दिया गया। इस कारण लुट्टन को गाँव वापस लौटना पड़ा।

प्रश्न 2. 'पहलवान की ढोलक गाँव के असहाय और मरणासन्न लोगों को बढ़ने का हौसला देती है।' इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

उत्तर- लुट्टन पहलवान की ढोलक बजती है, तो गाँव के मरीज और बेसहारा लोगों को उत्साह मिलता है। उन्हें मौत के मुँह में बैठकर भी हौसला मिलता है। हिम्मत मिलती है। पहलवान की ढोलक की आवाज सुनते ही बूढ़े बच्चे -जवानों की आँखों के सामने दंगल का दृश्य नाचने लगता था । तब उन लोगों के बेजान अंगों में बिजली दौड़ जाती थी। उनकी तेजविहीन आँखों के सामने दंगल का दृश्य उपस्थित हो जाता और वे मौत की आशंका को भूल जाते थे ।

अभ्यास के लिए अतिरिक्त प्रश्न

1- कुश्ती के समय ढोलक की आवाज और लुट्टन के दाव-पेंच में क्या तालमेल था? पाठ में आए ध्वन्यात्मक शब्दों को सुनकर आपके मन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

2- गांव में महामारी फैलने और बेटों की मौत के बाद भी लुट्टन ढोल क्यों बजता था?

3- ढोलक की आवाज का पूरे गांव पर क्या असर पड़ता था?

4- महामारी फैलने के बाद गांव में सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य का वर्णन करिए\

5- रात्रि में पहलवान की ढोलक किसे ललकारती थी?

6- लुट्टन ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई और नहीं यह ढोलक ही है?

शिरीष के फूल (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

पाठ का सार

शिरीष की फूल नामक ललित निबंध में लेखक ने शिरीष के फूल के माध्यम से मनुष्य की जिजीविषा, धैर्यशीलता और कर्तव्यनिष्ठ बने रहने के मानवीय मूल्य को स्थापित किया है| शिरीष को अवधूत कहा गया है क्योंकि संन्यासी की भांति वह सुख-दुख की चिंता नहीं करता| गरमी, लू, वर्षा और आंधी में भी अविचल खड़ा रहता है| निबंधकार ने शिरीष के फूल के सौंदर्य महत्व और स्वरूप का वर्णन करते हुए विभिन्न सामाजिक विषयों पर रोचक टिप्पणी की है| लेखक शिरीष के फल की कठोरता की तुलना आधुनिक नेताओं से करते हुए संदेश देते हैं कि समय के साथ परिवर्तन आवश्यक है| अंत में वह शिरीष की तुलना गांधी जी से करते हुए कहते हैं कि है आज वह अवधूत कहां है? आज के समय में लोगों के अंदर विपरीत परिस्थितियों से लड़ने की क्षमता में कमी नजर आती है।

अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

ऐसे दुमदारों से तो लंडूरे भले| फूल है शिरीष| वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है| मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है| जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है| एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भांति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है| यद्यपि कवियों की भांति हर फूल-पत्ते को देखकर मुग्ध होने लायक हृदय विधाता ने नहीं दिया है, पर नितांत ठूँठ भी नहीं हूं शिरीष के पुष्प मेरे मानस में थोड़ा हिल्लोल जरूर पैदा करते हैं

1. ऐसे दुमदारों से तो लंडूरे भले- का क्या तात्पर्य है?

(क) पूँछवाले से बिना पूँछवाले भले (ख) नश्वर से अनश्वर भले

(ग) कोमल फूलों से कठोर फूल अच्छे (घ) छोटे पूंछ वाला होना अच्छी बात है

2. शिरीष में अवधूत जैसा कौन-सा गुण है?

(क) वह केवल गर्मी में खिलता है (ख) वह गर्मी-सर्दी की परवाह किए बिना फूलों से लदा रहता है

(ग) वह गर्मी को खत्म करता है (घ) चट्टान से भी रस खींचता है

3. अवधूत को कालजयी क्यों कहा गया है?

(क) वह मृत्यु पर विजय पा लेता है

(ख) वह समय और परिस्थिति के अनुसार अपने को बदलता रहता है

(ग) प्रत्येक अच्छी-बुरी परिस्थिति में वह एक सामान रहता है

(घ) वह कठिन परिस्थितियों में भी खिला रहता है

4. हिल्लोल पैदा करने का आशय है-

(क) कंपकपी आना (ख) तरंग पैदा करना (ग) प्रसन्न करना (घ) डर पैदा करना

5. 'नितांत ठूँठ भी नहीं हूं'- का क्या आशय है?

(क) लेखक के सिर पर बाल की कमी नहीं है (ख) लेखक में भाव की कमीं है

(ग) लेखक भाव रहित नहीं है (घ) 'ख' और 'ग' दोनों सही हैं

उत्तरमाला- 1-क, 2-ख, 3-ग, 4-ख, 5-ग

पाठ आधारित अतिरिक्त अर्थ ग्रहण संबंधी प्रश्न

1. शिरीष के फलों की सामानता किन-से की गई है?

(क) पुराने ढीठ नेताओं से (ख) नए दबंग नेताओं से

(ग) गद्दी न छोड़ने वाले नेताओं से (घ) समय की परवाह न करने वाले नेताओं से

2. परवर्ती कवि किन्हे कहा गया है?

(क) पहले के कवि (ख) बाद के कवि (ग) पुराने कवि (घ) दूसरे कवि

3. कथन - मृत्यु का आना सुनिश्चित है|

प्रमाण- कोई भी मृत्यु से आंख चुरा सकता|

(क) कथन तथा प्रमाण दोनों सत्य हैं|

(ख) कथन तथा प्रमाण दोनों असत्य हैं |

(ग) कथन सत्य है किंतु प्रमाण गलत है|

(घ) कथन असत्य है किंतु प्रमाण सत्य है|

4. आशय स्पष्ट कीजिए-

"जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना"

(क) मृत्यु अनिश्चित है (ख) जीवन अनंत है

(ग) जीवन मरता नहीं है (घ) जो पैदा हुआ है वह अवश्य मरेगा

5. पुराने की अधिकार लिप्सा में किस पर व्यंग्य है?

(क) पुराने नेताओं पर (ख) शिरीष के फूल पर

(ग) शिरीष के फल पर (घ) दोनों 'क' तथा 'ग'

6. अनासक्त योगी किसे कहते हैं?

(क) जो निस्वार्थ होकर योगासन करता है (ख) जो योग द्वारा निस्वार्थ बनता है

(ग) जो संसार से विरक्त होता है (घ) जो संसार के सुख-दुख से ऊपर उठकर साधना करता है।

7. शिरीष और गांधी में कौन सी समानता थी?

(क) कठिनाइयों को नजरअंदाज करना (ख) सदा नीरस बने रहना

(ग) कष्ट में भी अविचलित रहना (घ) मृत्यु को चुनौती देना

8. कालिदास की सौंदर्य दृष्टि कैसी थी?

(क) स्थूल और बाहरी (ख) सूक्ष्म और संपूर्ण (ग) आसक्ति और आडंबरों से भरी (घ) 'क' और 'ग' दोनों सही हैं

9. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-

1- कला की कोई सीमा नहीं होती

2- शिरीष के वृक्ष को कालजयी अवधूत के समान कहा गया है

3- कालिदास की सामानता आधुनिक काल के कवियों के साथ दिखाई गई है।

ऊपर लिखित कथनों मे से कौन-सा/कौन से सही है/हैं?

(क) केवल 1 (ख) केवल 2 (ग) 1 और 2 (घ) 1 और 3

10. कर्णाट राज्य की राजकुमारी ने किसे वास्तविक कवि कहा था?

(क) बाल्मीकि को (ख) कालिदास को (ग) तुलसीदास को (घ) उपरोक्त तीनों को

उत्तरमाला- 1-ग, 2-ख, 3-ग, 4-घ, 5-घ, 6-घ, 7-ग, 8-ख, 9-ग, 10-क

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न-1: लेखक ने शिरीष के माध्यम से नई व पुरानी पीढ़ी के द्वंद्व को कैसे व्यक्त किया है ?

उत्तर-लेखक ने शिरीष के पुराने फलों की अधिकार लिप्सु खड़खड़ाहट और नए पत्ते, फलों द्वारा उन्हें धकियाकर बाहर निकालने में साहित्य, समाज व राजनीति में पुरानी व नयी पीढ़ी के द्वंद्व को बताया है। वह स्पष्ट रूप से पुरानी पीढ़ी व हम सब में नयेपन के स्वागत का साहस देखना चाहता है।

प्रश्न-2: शिरीष की तुलना किससे और क्यों की गई हैं?

उत्तर – शिरीष की तुलना कालजयी अवधूत (संन्यासी) से की गई है। कालजयी संन्यासी का अर्थ है हर युग में स्थिर और व्यवस्थित रहना। वह किसी भी युग में विचलित या विगलित नहीं होता। शिरीष भी बसंत के आगमन के साथ ही लहक जाता है और आषाढ़ तक निश्चित रूप से खिला रहता है। जब उमस हो या तेज़ लू चल रही हो तब भी शिरीष खिला रहता है। उस पर उमस या लू का कोई प्रभाव पड़ता नहीं दिखता। वह अजेयता के मंत्र का प्रचार करता रहता है इसलिए वह कालजयी अवधूत की तरह है।

प्रश्न-3: लेखक कवियों को फक्कड़(मस्तमौला) बनने की सलाह क्यों देता है?

उत्तर :- लेखक का मानना है कि कवि बनने के लिए फक्कड़ बनना ज़रूरी है। जिस कवि में निरपेक्ष और अनासक्ति भाव नहीं होते वह श्रेष्ठ कवि नहीं बन सकता और जो कवि पहले से लिखी चली आ रही परंपरा को ही काव्य में अपनाता है वह भी कवि नहीं है। कबीर फक्कड़ थे, इसलिए कालजयी कवि बन गए। अतः कवि बनना है तो फक्कड़पन को ग्रहण करो।

प्रश्न-4: शिरीष की तीन ऐसी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनके कारण आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने उसे कालजयी अवधूत' कहा है।

उत्तर- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष को 'कालजयी अवधूत' कहा है। उन्होंने उसकी निम्नलिखित विशेषताएँ बताई हैं-

1. वह संन्यासी की तरह कठोर मौसम में जिंदा रहता है।
2. वह भीषण गरमी में भी फूलों से लदा रहता है तथा अपनी सरसता बनाए रखता है।
3. वह कठिन परिस्थितियों में भी घुटने नहीं टेकता ।
4. वह संन्यासी की तरह हर स्थिति में मस्त रहता है।

(3 अंक)

प्रश्न-1: उत्कृष्ट साहित्य की रचना हेतु साहित्यकारों के लिए लेखक ने क्या मानदंड निर्धारित किया है। पाठ के आधार पर समझाए ।

उत्तर -कवि या साहित्यकार के लिए अनासक्त योगी जैसी स्थितप्रज्ञता होनी चाहिए क्योंकि इसी के आधार पर वह निष्पक्ष और सार्थक काव्य (साहित्य) की रचना कर सकता है। वह निष्पक्ष भाव से रहे और किसी जाति, लिंग, धर्म या विचारधारा विशेष को प्रश्रय न दे। जो कुछ समाज के लिए उपयोगी हो सकता है उसी का चित्रण करे। साथ ही उसमें विदग्ध प्रेमी का-सा हृदय भी होना ज़रूरी है। क्योंकि केवल स्थित प्रज्ञ होकर कालजयी साहित्य नहीं रचा जा सकता। यदि मन में वियोग की विदग्ध हृदय की भावना होगी तो कोमल भाव अपने-आप साहित्य में निरूपित होते जाएंगे, इसलिए दोनों स्थितियों का होना अनिवार्य है।

प्रश्न-2: विज्जिका ने ब्रह्मा, वाल्मीकि और व्यास के अतिरिक्त किसी को भी कवि क्यों नहीं माना है?

उत्तर - कर्णाट राज की प्रिया विज्जिका ने केवल तीन ही को कवि माना है-ब्रह्मा, वाल्मीकि और व्यास को। ब्रह्मा ने वेदों की रचना की जिनमें ज्ञान की अथाह राशि है। वाल्मीकि ने रामायण की रचना की जो भारतीय संस्कृति के मानदंडों को बताता है । व्यास ने महाभारत की रचना की, जो अपनी विशालता व विषय व्यापकता के कारण विश्व के सर्वश्रेष्ठ महाकाव्यों में से एक है। भारत के अधिकतर साहित्यकार इनसे प्रेरणा लेते हैं। अन्य साहित्यकारों की रचनाएँ प्रेरणास्रोत के रूप में स्थापित नहीं हो पाई। अतः उसने किसी और व्यक्ति को कवि नहीं माना|

अभ्यास के लिए अतिरिक्त प्रश्न

1- लेखक ने शिरीष के फूल को कालजयी अवधूत क्यों कहा है?

2- हृदय की कोमलता बचाने के लिए कभी-कभी व्यवहार की कठोरता भी आवश्यक हो जाती है- स्पष्ट करें|

3- द्विवेदी जी ने शिरीष के माध्यम से कोलाहल व संघर्ष से भरी जिंदगी में जिजीविषु बने रहने की सीख कैसे दी है?

4- हाय! वह अवधूत आज कहां? कह कर किस महापुरुष की ओर संकेत किया गया है?

श्रमविभाजन और जातिप्रथा,मेरीकल्पनाकाआदर्शसमाज: बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर

श्रम विभाजन और जाति प्रथा - सारांश

श्रम विभाजन सभी समाज के लिए स्वीकार्य हो सकता है लेकिन जाति के आधार पर श्रमिकों का विभाजन किया जाना किसी भी दृष्टि से स्वीकार्य नहीं है| क्योंकि श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में विभाजन किसी भी सभ्य समाज में नहीं किया गया है| जबकि भारतीय जाति प्रथा श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन करने के साथ विभिन्न वर्गों को एक दूसरे की अपेक्षा ऊंचा और नीचा भी मानती है| इसलिए जाति प्रथा श्रम विभाजन का रूप होने के बावजूद आपत्तिजनक है| श्रम विभाजन जाति प्रथा का स्वाभाविक विभाजन तभी माना जा सकता है जब यह लोगों की रुचि पर आधारित हो| उसमें व्यवसाय के प्रति कौशल विकसित हो| भारतीय जाति प्रथा में श्रम विभाजन व्यक्ति की रुचि या योग्यता के आधार पर न होकर माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार गर्भधारण के समय ही कर दिया जाता है| इस प्रकार के विभाजन में मनुष्य पेशे से लाभ अनुपयुक्त और अपर्याप्त होने पर भी जीवन भर एक पेशे से ही बंधा रहता है और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपना पेशा नहीं बदल पता| यह प्रथा आर्थिक पहलू से भी न्याय संगत नहीं है तथा मनुष्य की स्वाभाविक प्रेरणा रुचि और आत्म शक्ति को दबाकर उसे निष्क्रिय बना देती है।

मेरी कल्पना का आदर्श समाज - सारांश

लेखक के अनुसार आदर्श समाज स्वतंत्रता ,समता एवं भाईचारे पर आधारित तथा लोकतांत्रिक होना चाहिए| इसमें अपने साथियों के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव हो |लोगों को अपनी शक्ति के सक्षम और प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता भी शेष अन्य प्रकार की प्राप्त स्वतंत्रताओं के ही समान दी जाए |लेकिन जाति प्रथा के प्रशंसक इसे स्वीकार नहीं करेंगे क्योंकि इसका अर्थ होगा लोगों को व्यवसाय चुनने की आजादी देना| इसके अभाव में व्यक्ति दासता से मुक्त नहीं हो पाएगा | दासता केवल कानूनी ही नहीं होती ,दूसरों के द्वारा निर्धारित व्यवहारों और कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना भी दासता ही है |सभ्य समाज में स्वतंत्रता के साथ क्समता का होना भी अनिवार्य है लेकिन आलोचकों के अनुसार क्योंकि सभी मनुष्य बराबर नहीं होतेअतः उन्हें समान मानना गलत है| मनुष्य की क्षमता उसकी शारीरिक बनाबट , वंश परंपरा, सामाजिक परंपरा के रूप में माता-पिता की कल्याण कामना, शिक्षा और मनुष्य के अपने प्रयत्न इन सभी दृष्टियों से तय की जाती है| इन विभिन्नताओं के आधार पर लोगों के साथ असमान व्यवहार करना ठीक नहीं |सभी को आरंभ से ही समान अवसर उपलब्ध कराए जाने चाहिए और समान व्यवहार करना चाहिए |राजनीतिज्ञ भी सभी के साथ एक समान व्यवहार करता है क्योंकि अधिक जनसंख्या और समय की कमी के कारण वह आवश्यकताओं और क्षमताओं के आधार पर अलग-अलग प्रकार के व्यवहार की आवश्यकता होने पर भी समाज को विभिन्न वर्गों और श्रेणियां में नहीं बांट सकता| अतः वह सामान व्यवहारीय सिद्धांत का ही पालन करता है और यही उसके व्यवहार की एकमात्र कसौटी भी है।

गद्यांशों पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए-

जाति प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके इस सिद्धांत के विपरीत जाति प्रथा का दूषित सिद्धांत दिया है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पैसा निर्धारित कर दिया जाता है।

प्रश्न 1. लेखक किसे श्रम विभाजन का स्वाभाविक आधार नहीं मानता?

क. जाति प्रथा ख. कार्य कुशलता ग. प्रशिक्षण घ. सक्षमता

प्रश्न 2. लेखक कुशल श्रमिक समाज के निर्माण के लिए किस आवश्यक मानता है ?

क. रुचि को ख. योग्यता को ग. क्षमता को घ. सभी को

प्रश्न 3. जाति प्रथा का दूषित सिद्धांत किसे कहा गया है?

क. कार्य के चुनाव की स्वतंत्रता ख. रुचि के आधार पर कार्य का चुनाव

ग. जन्म से पूर्व ही पेशे का निर्धारण घ. क्षमता का विकास

प्रश्न 4.जाति के आधार पर श्रम विभाजन करना गलत है। क्योंकि-

क. यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है ख. यह मनुष्य के प्रशिक्षण पर आधारित है

ग. यह व्यक्ति को व्यवसाय चुनने की आजादी देता है घ. इससे परंपरागत उद्योग नष्ट हो रहे हैं

प्रश्न 5. उपर्युक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?

क. मेरी कल्पना का आदर्श समाज ख. श्रम विभाजन और जाति प्रथा

ग. श्रम का अस्वाभाविक विभाजन घ. अंबेडकर का श्रम विभाजन सिद्धांत

उत्तर- 1-क, 2 घ, 3-ग, 4-क, 5-ख

अतिरिक्त प्रश्न-

प्रश्न 1.पाठ में लेखक ने समाज में व्याप्त किस समस्या को विडंबना माना है।

क. सांप्रदायिकता ख.जातिवाद ग. क्षेत्रियतावाद घ. आतंकवाद

प्रश्न 2. भारतीय जाति प्रथा विश्व से अलग है क्योंकि यहां -

क. श्रम का अस्वाभाविक विभाजन है ख.विभाजित वर्ग में उच्च नीच की भावना है

ग.श्रमिकों को भी जातिवाद में बांटा गया है घ .उपर्युक्त सभी

प्रश्न 3. जातिवाद के समर्थन के तर्क में क्या आपत्तिजनक है?

क. श्रमिकों का विभिन्न श्रेणियां में अस्वाभाविक विभाजन

ख. कार्य कुशलता के लिए श्रम विभाजन ग.जाति प्रथा को श्रम विभाजन का दूसरा रूप मानना

घ.श्रमिकों के लिए कार्य कुशलता को अनिवार्य मानना

प्रश्न 4. श्रमिक विभाजन से अभिप्राय है

क.कुशलता के आधार पर श्रमिकों का स्तर निश्चित करना ख .जन्म के आधार पर श्रमिकों का स्तर निश्चित करना

ग.क्षेत्र के आधार पर श्रमिकों का स्तर निश्चित करना घ.धर्म के आधार पर श्रमिकों का स्तर निश्चित करना

प्रश्न 5. उपयुक्त गद्यांश के लेखक हैं

क. रजिया सज्जाद जहीर ख .मोहन राव आंबेडकर ग. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर घ. सतीश राव अंबेडकर

उत्तर- 1-ख, 2-घ, 3-क, 4-ख, 5-ग

लघु उत्तरीय प्रश्न (2अंक)

प्रश्न 1. जाति प्रथा के दूषित सिद्धांत से आप क्या समझते हैं?

उत्तर- किसी व्यक्ति के प्रशिक्षण अथवा उसकी क्षमता पर विचार किए बिना माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार जन्म से पूर्वी उसका पैसा निर्धारित करना जाति प्रथा का दूषित सिद्धांत है।

प्रश्न 2. लेखक के अनुसार आधुनिक समाज के सामने कौन सी समस्या उत्पन्न हो गई है?

उत्तर- लेखक के अनुसार आधुनिक समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि बहुत से लोग अपने निर्धारित काम को अरुचि के साथ विवशतापूर्वक करते हैं। यह प्रवृत्ति मनुष्य को टालू काम करने या कार्य को न करने के लिए प्रेरित करती है।

प्रश्न 3. मनुष्य की कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक कौन-कौन से हैं ?

उत्तर- मनुष्य का रंग रूप, बनावट(कद - काठी), सामाजिक उत्तराधिकार और उसके स्वयं के प्रयास उसकी कार्य क्षमता को प्रभावित करते हैं।

प्रश्न 4.डॉ अंबेडकर ने राजनीतिज्ञ को व्यवहार में किस व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता बताई है।

उत्तर- डॉ अंबेडकर ने राजनीतिक दलों को अपने व्यवहार में समाज के सभी वर्गों तथा मनुष्यों के साथ बिना किसी भेदभाव के समान व्यावहारिक सिद्धांत की आवश्यकता बताइए है।

प्रश्न 5. भीमराव अंबेडकर के अनुसार आदर्श समाज किस पर आधारित होगा?

उत्तर- भीमराव अंबेडकर के अनुसार एक आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता तथा भ्रातृत्व पर आधारित होगा।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (3अंक)

प्रश्न 1. डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जाति प्रथा को श्रम विभाजन का स्वाभाविक विभाजन क्यों नहीं मानते उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

जाति प्रथा को श्रम विभाजन का एक रूप न मानने के पीछे डॉक्टर अंबेडकर के तर्कों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर- जाति प्रथा को श्रम विभाजन का एक रूप न मानने के पीछे यह तर्क है की जाति प्रथा से श्रम विभाजन नहीं बल्कि श्रमिक विभाजन होता है व्यक्ति को उसकी प्रतिमा के अनुसार नहीं जाति के अनुसार कार्य करना पड़ता है गर्भधारण के समय से ही उसका कार्य निश्चित रहता है उसे निर्धारित क्षेत्र में रुचि न होने के कारण इंसान टालू करता रहता है इससे देश निर्माण में हानि होती है इस परिवर्तनशील जगत में अगर किसी का कार्य बंद हो गया उसे दूसरा कार्य करने की इजाजत नहीं होती जाती प्रथा इसलिए भुखमरी और बेरोजगारी का भी प्रमुख कारण है जाती निर्धारित करना मनुष्य के खुद के बस में नहीं है इसलिए इसके आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

प्रश्न 2. डॉक्टर अंबेडकर की कल्पना के आदर्श समाज की तीन विशेषताएं लिखिए।

उत्तर -डॉ अंबेडकर की कल्पना का आदर्श समाज स्वतंत्रता समता और भ्रातृत्व अर्थात भाईचारे पर आधारित है उनके अनुसार ऐसे समझ में सभी के लिए एक जैसा मापदंड तथा उसकी रुचि के अनुसार कार्यों की उपलब्धता होनी चाहिए सभी व्यक्तियों को समान अवसर और समान व्यवहार उपलब्ध होना चाहिए उनके आदर्श समाज में जातीय भेदभाव का ना तो नामोनिशान हो इस समाज में करनी प्रबल दिया जाए कठिन पर नहीं।इसके विडियो पाठ के लिए लिंक -

वितान (भाग-दो)

सिल्वर वेडिंग :मनोहर श्याम जोशी

कहानी का सारांश

यशोधर बाबू एक संस्कार संपन्न व्यक्ति हैं |उनका व्यवहार सभी के लिए उचित है किंतु आधुनिक लोग उनके विचारों से सहमत नहीं रहते |दफ्तर में भी समय पर जाते हैं और प्रसन्नचित होकर काम करते हैं |अस्सिटेंट ग्रेड में आए एक नए लड़के चड्ढा ने यशोधर बाबू से बदतमीजी से बात की फिर भी बाबूजी ने उसे अनदेखा कर दिया |यशोधर बाबू ने शादी की 25वीं सालगिरह पर दफ्तर के सभी कर्मचारियों को चाय पिलाई |यशोधर बाबू के जीवन में किशन दा का महत्व गुरु जैसा था क्योंकि जब यशोधर बाबू गांव से दिल्ली आए थे तब किशन दा ने ही उन्हें अपने यहाँ मेस का रसोइया बनाया था |फिर बाद में अपने ही दफ्तर में सरकारी नौकरी दिलाई और जीवन के हर कठिन समय में किशन दास सदैव ही यशोधर बाबू के साथ बने रहे |किशन दा ने विवाह नहीं किया था जबउनकी मृत्यु हुई तो सही कारण का किसी को कुछ पता नहीं चला |यशोधर बाबू जीवन पर्यंत किशन दा के सिद्धांतों पर ही चलते रहे | यशोधर बाबू के परिवार में उनकी पत्नी एक बेटी और तीन बेटे हैं उनकी बेटी डॉक्टरी की पढ़ाई करना चाहती है|उनका बड़ा बेटा भूषण विज्ञापन एजेंसी में 1500 प्रति माह पर काम करता है |दूसरा बेटा दूसरी बार आई ए एस की परीक्षा देने की तैयारी कर रहा है और तीसरा बेटा स्कॉलरशिप लेकर अमेरिका चला गया है |यशोधर बाबू का परिवार आधुनिक विचारों का समर्थक है और वे पुराने विचारों वाले व्यक्ति हैं |इसलिए उनका अपने परिवार के साथ मतभेद बना रहता है |यशोधर बाबू यह चाहते हैं उनका परिवार उनसे सलाह करे ,दुनियादारी के कामों के लिए उनसे पूछे |पर बच्चे थये यह कहकर उन्हें चुप कर जाते हैं कि आपको कुछ पता ही नहीं है तो क्या पूछे ?उधर बाबू का मंदिर जाना, प्रवचन सुनना और पूजा पाठ करना परिवार को पसंद नहीं| उनकी पत्नी और बच्चे चाहते थे कि यशोधर बाबू पुरानी परंपराओं को छोड़कर नए युग की कृतियों को अपनाए|

बाबूजी को पता नहीं था कि उनके घर पर उनकी शादी की 25वीं सालगिरह की पार्टी चल रही है |वे पार्टी पसंद नहीं करते थे |लेकिन उन्हें कहीं न कहीं इस बात की खुशी भी थी कि जिस अनाथ के जन्मदिन पर आज तक लड्डू नहीं आए, आज उसी की शादी की सालगिरह की पार्टी बहुत ही आधुनिक रीति रिवाज के साथ मनाई जा रही है| न चाहते हुए भी पार्टी में उन्होंने अपनी पत्नी के साथ केक काट ही दिया |उनके बड़े बेटे ने उन्हें ड्रेसिंग ग्राउंड उपहार में दिया और कहा कि जब आप सवेरे दूध लेने जाएं , इसे अवश्य पहन कर जाएं | जबकि यशोधर बाबू चाहते थे कि उनके बच्चे घर की सभी जिम्मेदारियाँ का भार अपने ऊपर ले ले | प्रस्तुत कहानी में नई पीढ़ी और पुरानी पीढ़ी के लोगों के विचारों एवं व्यवहारों में आए परिवर्तन को दिखाया गया है।

पाठ पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न1. सिल्वर वेडिंग कहानी के आधार पर बताइए कि यशोधर बाबू ऑफिस में दिन भर के शुष्क व्यवहार का निराकरण कैसे किया करते थे?

क. अपने बिखरे सामान को समेटने की जिम्मेदारी अपने मन हाथों पर डालकर

ख.चलते-चलते जूनियरों से कोई मनोरंजक बात कह कर

ग .छुट्टी के समय जूनियरों के साथ चाय समोसा खाकर
घ.छुट्टी के समय क्षेत्र की सुस्त पड़ी घड़ी को सही करके
प्रश्न 2. सिल्वर वेडिंग कहानी के आधार पर यह बताइए कि यशोधर बाबू का अपने परिवार से मतभेद का कारण था -
क.गरीब रिश्तेदारों के प्रति उपेक्षा का भाव रखना ख.प्राचीन संस्कारों को भूलकर आधुनिकता के रंग में रंग जाना
ग.पुराने विचारों के पक्षधर होना घ.महत्वाकांक्षा और प्रगतिशील होना
प्रश्न 3. सिल्वर वेडिंग कहानी के आधार पर बताइए की यशोधर बाबू का अपने परिवार से मतभेद क्यों रहता था?
क.क्योंकि उनकी दृष्टि में नई सोच और नए विचार महत्वहीन थे
ख.क्योंकि वह परंपरावादी और सिद्धांत वादी थे ग. क्योंकि इनके और उनके परिवार के बीच अनबन थी
घ.क्योंकि उनका ध्यान आध्यात्मिकता की ओर मुड़ गया था
प्रश्न 4. यशोधर बाबू किसे अपना आदर्श मानते थे ?
क .गांधी जी को ख .चढ़ा साहब को ग.किशन दा को घ.रविंद्र नाथ टैगोर को
प्रश्न 5. यशोधर बाबू रोजाना अपनी घड़ी किससे मिलाते थे?
क.रेडियो समाचार से ख.मस्जिद की अजान से ग.घंटाघर के सायरन से घ.दफ्तर की घड़ी से
प्रश्न 6 किशन दा का वास्तविक नाम क्या था ?
क.किशन पंत ख.कृष्णानंद पांडे ग.केशव नाथ शर्मा घ.कृष्ण नारायण पंत
प्रश्न 7.यशोधर बाबू का चड्ढा के संबंध में क्या विचार था ?
क.अद्भुत ख.बदतमीज ग.कामचोर घ. समहाऊ इंप्रोपर
प्रश्न 8. चड्ढा यशोधर बाबू की कलाई घड़ी को क्या कह कर मजाक उड़ाता था?
क.चुनेदानी ख .चूहेदानी ग.माचिस की डिबिया घ. खटारा
प्रश्न 9 किशनदा ने यशोधर बाबू को कितने रुपए उधार देकर मदद की थी?
क. ₹50 ख. 20 रुपए ग.₹100 घ. ₹150
प्रश्न 10. यशोधर बाबू की शादी कब हुई थी?
क.2 जनवरी 1947 ख.6 फरवरी 1947 ग.8 मार्च 1947 घ.6 अप्रैल 1947
प्रश्न 11.यशोधर बाबू को अपना साला गिरीश कैसा व्यक्ति प्रतीत होता था?
क. बहुत मेहनती ख.भयंकर ओछाट ग.निहायत शरीफ घ.अजायबघर का प्राणी
प्रश्न 12. यशोधर बाबू को कौन सी बात बचकानी लगती है?
क. वेडिंग एनिवर्सरी मनाना ख.टाई सूट पहनना ग.अंग्रेजी बोलना घ.केक काटना
प्रश्न 13. यशोधर बाबू ने पार्टी में लड्डू खाने से भी इंकार क्यों कर दिया?
क. उन्हें भूख नहीं थी ख.उन्हें लड्डू पसंद नहीं था ग.उन्होंने पूजा नहीं की थी घ.वे गुस्से में थे
प्रश्न 14. गीता की व्याख्या में जनार्दन शब्द सुनकर यशोधर बाबू को किसकी याद आ गई?
क.जीजा की ख .मित्र की ग.भाई की घ. चाचा की
प्रश्न 15. यशोधर बाबू अपनी पत्नी के विद्रोह का क्या कह कर मजाक उड़ाते थे?
क.शानयल बुढ़िया ख. चटाई का लहंगा ग.बूढ़े मुंह मुंहासे लोग करें तमासे घ.उपर्युक्त सभी
प्रश्न 16. यशोधर बाबू को स्वयं के लिए कौन सा संबोधन पसंद था?
क.कुंवर सा ख .कुंवर सा ग.लाडेसर बाबू घ. भाऊ
प्रश्न 17. यशोधर बाबू ने किशन दा की किस परंपरा को जीवित रखा था?
क. सोमवती अमावस्या पर गंगा स्नान को जाना ख .दरवाजे पर आए भिखारी को खाली हाथ न लौटना
ग.घर में होली मनाना घ.कृष्ण जन्माष्टमी पर पड़ोसियों के साथ उत्सव मनाना
प्रश्न 18. यशोधर बाबू की कितनी संताने थी?
एक ख .दो ग. तीन घ. चार
प्रश्न 19. यशोधर बाबू का बड़ा बेटा कहां नौकरी करता था?
क. जल विभाग में ख .नगर निगम में ग.विज्ञापन संस्था में घ. समाचार एजेंसी में
प्रश्न 20. यशोधर बाबू को अपने बड़े बेटे की नौकरी समझ में क्यों नहीं आती थी?

क.कार्य के अनुसार वेतन कम होने से ख.प्रतिभा के अनुसार पद नहीं मिलने से
ग.प्रतिभा के अनुसार वेतन अधिक मिलने से घ. कंपनी के विश्वसनीय न होने से

उत्तर- 1-ख, 2-ग, 3-ख, 4-ग, 5-क, 6-ख, 7-घ, 8-क, 9-क, 10-ख, 11-ख, 12-क, 13-ग, 14-क, 15-घ, 16-घ, 17-घ, 18-घ, 19-ग, 20-ग

जूझ- आनंद यादव

पाठ का सारांश

आनंद और उसका परिवार: आनंद के परिवार में उसके पिता(दादा) और माँ रहते थे। आनंद अपने पिता से अपने पढ़ने की बात नहीं कर पता था क्योंकि उसके पिता अच्छे आचरण वाले नहीं थे। वह अत्यधिक गुस्से वाले भी थे |वह सारा दिन गाँव में घूमते और रमाबाई के कोठे पर भी जाते थे। वे घर - गृहस्थी के किसी भी काम में हाथ नहीं बंटाते थे और खेत का सारा काम आनंद से करवाते थे। इसलिए वे आनंद को पाठशाला नहीं भेजना चाहते थे ।आनंद की माँ चाहती थी कि उसका बेटा सातवीं कक्षा तक अवश्य पढ़ाई करे, पर दादा के आगे उसकी एक न चलती थी। आनंद और उसकी माँ ने दत्ता राव जी के पास जाने की सोची क्योंकि वे ही पाठशाला जाने के लिए पिता या दादा को समझा कर राजी कर सकते थे।

दत्ता जी राव का व्यवहार :दत्ता जी राव देसाई गाँव के प्रभावशाली व्यक्ति थे। उन्होंने आनंद और उसकी माँ की सभी बातों को ध्यानपूर्वक सुना और कहा कि दादा को मेरे पास भेजना। दत्ता जी राव भी चाहते थे कि आनंद पढ़ लिखकर एक शिक्षित व्यक्ति बने। वे पढ़ाई के महत्व को जानते थे। जब दत्ता जी के पास उसके पिता (दादा)आए तो उन्होंने दादा को बहुत धमकाया और कहा कि तेरी ओर से आनंद को पाठशाला भेजने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए, यदि वह आनंद को पढ़ाने में असमर्थ हैं तो वे स्वयं ही आनंद को पाठशाला भेज देंगे। आधुनिक युग के अनुसार दत्ता जी का व्यवहार बहुत ही उत्तम श्रेणी का है ।

आनंद और उसकी पाठशाला: आनंद जब पहले दिन पाठशाला गया तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे पांचवी कक्षा में ही दोबारा जाकर बैठना पड़ा। चह्वाण नामक लड़के ने उसकी मटमैली धोती और गमछे को लेकर मजाक उड़ाया तो आनंद का मन बहुत दुखी हुआ पर कक्षा में बसंत पाटिल नाम का एक बहुत होशियार लड़का आनंद का मित्र बन गया। आनंद वसंत को देखकर पढ़ाई में भी मन लगाने लगा और अब उसे भी कक्षा में शाबासी मिलने लगी ।आनंद को पाठशाला जाने में आनंद आने लगा।

आनंद और श्री सौंदलगेकर जी: श्री सौंदलगेकर जी एक मराठी अध्यापक थे ।कक्षा में कविता बहुत ही आनंद के साथ गाकर पढ़ते थे। उनके पास सुरीला गला, छंद की बढ़िया चाल और रसिकता भी थी। आनंद को सौंदलगेकर जी की कविताएं इतनी अच्छी लगती कि जब वह पाठशाला के बाद खेत में काम करने जाता तो हर समय उन्हें गुनगुनाते रहता था। उसकी रुचि कविता में दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी। सौंदलगेकर जी भी उसे विशेष रूप से सीखने लगे और आनंद की प्रशंसा भी करने लगे कर जिसे ही प्रेरणा पाकर आनंद अब स्वयं भी कविता रचने लगा और अपने गुरु जी को दिखाने लगा जिससे वह कविता की कमी को ठीक कर सकें इसलिए आनंद भी अब श्री सौंदलगेकर जी के बहुत करीब आ गया था।

आनंद और उसकी लगन :आनंद और उसकी लगन आनंद को कविता लिखने की ऐसी लगन लगी कि जब उसके पास कागज और पेंसिल नहीं होती तो वह लकड़ी के छोटे टुकड़े से भैंस की पीठ पर रेखा खींचकर लिखना या पत्थर की शिला पर कंकड से लिख लेता था ।कभी-कभी वह कविता रविवार को लिखता तो सोमवार को सबसे पहले अपनी कविता मास्टर जी को दिखाता ।और कभी कभी तो वह सोमवार का इंतजार भी नहीं करता और रात को ही सौंदलगेकर मास्टर जी के घर पर जाकर कविता दिखा देता था। इसलिए आनंद की मराठी भाषा में भी सुधार आया और अब आनंद अलंकार छंद आदि को सूक्ष्मता से समझने लगा। आनंद को कविता की ऐसी लगन लगी कि अब उसके मन में कोई न कोई मधुर गीत हमेशा ही बजता रहता था।

पाठ पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए

प्रश्न 1. जूझ कहानी के कथा नायक आनंद ने अपने पढ़ने की बात अपनी मां से ही क्यों की?

क. पिता के गुस्सैल स्वभाव के कारण ख.मां के साथ अत्यधिक लगाव के कारण
ग.दिन-रात मां के साथ रहने के कारण घ.पिता से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद न होने के कारण

प्रश्न 2.जूझ कहानी का नायक आनंद खेतों में काम क्यों करता था?

क. अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए ख. पिता की जिम्मेवारियों का भार उठाने के लिए
ग.स्कूल में जाकर पढ़ने लिखने से बचने के लिए घ. अपने पिता के कामों में हाथ बंटाने के लिए

प्रश्न 3.जूझ कहानी के आधार पर बताइए कि मास्टर सौंदलगेकर जी का आनंद पर क्या प्रभाव पड़ा ?

क.वह पढ़ाई लिखाई में रुचि लेने लगा ख .वह खेतों में के काम में रुचि लेने लगा
ग.वह स्कूल जाने में रुचि लेने लगा घ.वह कविता लेखन - पठन में रुचि लेने लगा

प्रश्न 4. जूझ पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया?

क.अकेलापन डरावना है ख.अकेलापन उपयोगी है
ग.अकेलापन अनावश्यक है घ.अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है

प्रश्न 5. जूझ पाठ के अनुसार पढ़ाई- लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था ।क्योंकि-

क.लेखक खेती बाड़ी नहीं करना चाहता था ख.दत्ता जी राव जानते थे की खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है
ग.लेखक का पढ़ लिखकर सफल होना बहुत आवश्यक था
घ.लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करें

प्रश्न 6. लेखक का मन कहां जाने को तड़पता था?

क. सिनेमा ख .मेला ग.पाठशाला घ.खेत

प्रश्न 7.जूझ कहानी के लेखक कौन है?

क.आनंद यादव ख .मनोहर श्याम जोशी ग.ओम थानवी घ.अमित यादव

प्रश्न 8. लेखक पढ़ - लिखकर किसकी तरह बनना चाहता था ?

क.दादा की तरह ख.विठोबा आन्ना की तरह ग.बाबा की तरह घ.देसाई की तरह

प्रशन 9.लेखक के यहां ईख पेरने का कोल्हू जल्दी क्यों शुरू किया जाता था?

क.ताकि ज्यादा गुड़ निकल सके ख .ताकि भाव ज्यादा मिल सके
ग.ताकि बढ़िया गुड़ मिल सके घ.इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 10. माँ ने लेखक आनंद यादव के पिता की तुलना किससे की?

क.मरियल बैल से ख.आवारा सांढ से ग.खूंखार शेर से घ.बरहेला सूअर से

प्रश्न 11. लेखक के पिता के लिए किसका बुलावा सम्माननीय बात थी?

क. देसाई का ख.गणपा का ग.सौंदलगेकर का घ.बोरकर का

प्रश्न 12 लेखक के पिता का क्या नाम था?

क. गणपा ख.दत्ता जी राव ग.रत्नाप्पा घ.केशव

प्रश्न 13. लेखक के पिता द्वारा लेखक को पाठशाला न भेजे जाने का क्या कारण बताया गया ?

क. लेखक को खेतों में पानी लगाने का काम करना होता है ख.लेखक को बीमार माँ की सेवा करनी है
ग. लेखक का मन पढ़ाई में नहीं लगता घ.लेखक रखमाबाई के यहां पड़ा रहता है

प्रश्न 14. लेखक के पिता ने दत्ता जी राव से लेखक की किन बुरी आदतों का जिक्र किया?

क.कंडे बेचने की ख .सिनेमा देखने की ग. खेती और घर के काम में मन न लगाने की घ.उपर्युक्त सभी

प्रश्न 15. लेखक पुनः पाठशाला जाकर किस कक्षा में बैठा?

क. चौथी ख. पांचवी ग.छठी घ.सातवीं

प्रश्न 16. कक्षा में बैठने पर लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया?

क. वह पढ़ना नहीं चाहता था ख.कम उम्र और कम अक्ल के लड़कों के साथ बैठना पड़ रहा था
ग. साथ के सभी लड़के अगली कक्षा में चले गए थे घ. (ख) और (ग) दोनों

प्रश्न 17. दादा ने पाठशाला भेजने के बदले लेखक से क्या वचन लिया ?

क.पाठशाला में मन लगाकर पड़ेगा ख .कभी फेल नहीं होगा
ग.सुबह शाम खेतों पर भी काम करेगा घ. पढ़ लिखकर बलिस्टर बनेगा

प्रश्न 18. लेखक की कक्षा का मॉनिटर कौन था?

क. वसंत पाटिल ख .मंत्री ग.जकाते घ.चह्वाण

प्रश्न 19. लेखक को कब विश्वास हुआ कि कवि भी हाड़ - मांस का ही एक मनुष्य होता है?

क.कविता पढ़कर ख.सौंदलगेकर से मिलकर ग.मालती की बेल देखकर घ.सिनेमा देख कर

प्रश्न 20. लेखक को अकेले रहना क्यों अच्छा लगने लगा ?

क.ताकि गणित के सवाल हल कर सके ख .ताकि आराम कर सके

ग. ताकि ऊंची आवाज में कविता गा सके घ. ताकि भैंस की सवारी कर सके

उत्तर- 1-घ, 2-घ, 3-घ, 4-ख, 5-ग, 6-ग, 7-क, 8-ख, 9-ख, 10-घ, 11-क, 12-ग, 13-क, 14-घ, 15-ख, 16-घ, 17-ग, 18-क, 19-ख, 20-ग

अतीत में दबे पांव:ओम थानवी

पाठ का सारांश

सिंधु घाटी सभ्यता का केंद्र: प्रस्तुत पाठ में पाकिस्तान स्थित मोहनजोदड़ो और हड़प्पा शहरों का विस्तृत रूप से वर्णन किया गया है ।मोहनजोदड़ो सिंधु घाटी सभ्यता का केंद्र था। यह नगर ताम्र काल के शहरों में अपनी बड़ी-बड़ी गलियों और इमारत की अनुभूति कराते हुए सबसे बड़ा नगर रहा होगा। इसकी जनसंख्या लगभग 85000 रही होगी। खुदाई से प्राप्त मोहरें,इमारतें, खिलौने और बर्तन आदि इस सभ्यता की जानकारी देने के लिए पर्याप्त है कि यह शहर किस प्रकार पूर्णतया एक योजना के अनुसार बसाया गया होगा।

नगर नियोजन और बौद्ध स्तूप: वर्ष 1922 में बौद्ध स्तूप के आसपास की खुदाई में ईसा पूर्व के निशान प्राप्त हुए। भारत की सिंधु घाटी सभ्यता सबसे प्राचीन सभ्यता है। इसका वैज्ञानिक आधार पाए जाने पर मिश्र और मेसोपोटामिया की सभ्यता के अनुरूप ही इस सभ्यता को आंका गया है। यह शहर भारत का लैंडस्केप है क्योंकि इस शहर को बनाने और यथार्थ स्वरूप देने का कार्य पूर्व नियोजित व्यवस्था के अनुसार एक संपूर्ण प्रणाली के अनुरूप किया गया होगा ।इस शहर के दक्षिण में कुछ कामगारों की बस्तियां हैं।

संपन्न वर्ग की बस्तियां :इस सभ्यता की सबसे अच्छी व्यवस्था यह थी कि वह समाज को विकसित करने के लिए कार्य करती थी। यह सभ्यता सबसे सुंदर थी और पूर्णत; विकसित थी इसीलिए आज भी इस सभ्यता का उदाहरण दिया जाता है। इस सभ्यता में संपन्न वर्ग की बस्तियां पाई गई हैं , पर 5000 सालों में निम्न वर्ग की बस्तियां मिट गई है।

महाकुंड और सामुदायिक केंद्र :यहां पर पक्की ईंटों का एक कुंड है जिसमें पानी की निकासी का उचित प्रबंध पाया गया है। सामुदायिक केंद्र जैसा एक सभा भवन इसके दक्षिण में स्थित है जो कि 20 खंभों पर आधारित है।

फसल :बैल गाड़ियों का प्रयोग यहां ढुलाई के लिए होता था। यहां अनेक प्रकार की फैसलें जैसे - गेहूं, जौ ,सरसों, चने आदि का उत्पादन किया जाता था। अधिकतर कामगार खेत में ही काम करते थे । मकानो में सभी प्रकार की सुविधाएं मौजूद थी।

जल संस्कृति: यहां पानी की निकासी के उचित प्रबंधन के कारण किसी भी रूप में बीमारी का प्रकोप अधिक नहीं हो सकता था क्योंकि नालियां आदि उचित रूप में ढकी हुई थी। घरों के भीतर से पानी या मैले की नालियां बाहर होदी तक आती थीं और फिर नालियों के साथ जुड़ जाती थीं ।वे नालियां अधिकतर बंद है। यहां पर कुओं का प्रबंध आवश्यकता अनुसार उचित रूप में किया गया था।

अजायबघर :मोहनजोदड़ो में स्थित इससे संबंधित अजायबघर छोटा ही है, जैसे वह किसी कस्बाई स्कूल की इमारत हो। यहां पर अधिक सामान नहीं है। अहम चीजें कराची, लाहौर ,दिल्ली और लंदन में ही है ।काला पड़ गया गेहूं, मोहरे, तांबे और कांसे के बर्तन, चाक पर बने विशाल मृदभांड, उन पर काले भूरे चित्र, चौपड़ की गोटियां ,तांबे का आईना और पत्थर के औजार आदि के बारे में अली नवाज बताता है कि यहां पर सोने के गहने भी थे, पर वह चोरी हो गए।अजायबघर में प्रदर्शित चीजों में औजार तो है पर हथियार कोई नहीं है। यहां कुछ सुइयां भी मिली है। सुईयों के अलावा हाथी दांत और तांबे के सूए, नर्तकी और दुशाला ओढ़े दाढ़ी वाले नरेश की मूर्ति भी मिली है। पर शायद अधिकांश महत्वपूर्ण चीजें हम खो चुके हैं क्योंकि सिंधु नदी के पानी के कारण खुदाई के स्थान पर दलदल की समस्या उत्पन्न हो गई है। इसीलिए खुदाई को अब बंद करना पड़ा है ।लेखक ओम थानवी ने इस सभ्यता के इतिहास को इतने सुंदर रूप में वर्णित किया है जैसे मोहनजोदड़ो सभ्यता उसकी जानी पहचानी हो।

पाठ पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1.मोहनजोदड़ो और हड़प्पा किस सभ्यता से संबंधित नगर हैं?

क. मेसोपोटामिया ख .सिंधु घाटी सभ्यता

ग.दजला फरात की सभ्यता घ.मिश्र की सभ्यता

प्रश्न 2. ताम्र कल के शहरों में सबसे बड़ा शहर किसे माना जाता है?

क. ग्रीस को ख .हड़प्पा को ग.राखी गढ़ी को घ. मोहनजोदड़ो को

प्रश्न 3. मोहनजोदड़ो का क्या अर्थ है?

क. मुहाने पर स्थित ख .पक्के मकानो का शहर ग.मुर्दों का टीला घ.मोहन का नगर

प्रश्न 4 मोहनजोदड़ो की आबादी कितनी रही होगी?

क. लगभग 5000 ख .लगभग 500 ग.लगभग 1500 घ.लगभग 85000

प्रश्न 5. लेखक ने नगर भारत का सबसे पुराना लैंडस्केप किसे कहा है?

क.बौद्ध स्तूप को ख.कुंड को ग.ऊंचे चबुतरे को घ. मेहराब को

प्रश्न 6. लेखक ने मोहनजोदड़ो और राजस्थान में क्या समानता बताई है?

सूना परिवेश ख.बबुल के पेड़ ग.ज्यादा ठंड ज्यादा गर्मी घ. यह सभी

प्रश्न 7. सिंधु सभ्यता की तस्वीरें उतारते समय दृश्य के रंग उड़े हुए क्यों प्रतीत होते हैं?

क.धूल उड़ाने के कारण ख.चौंधियाती धूप के कारण

ग.खेतों के हरेपन के कारण घ.पारदर्शी धूप के कारण

प्रश्न 8. मोहनजोदड़ो के जिस हिस्से पर बौद्ध स्तूप स्थित है, वह कहलाता है -

गढ़ ख. चौबारा ग. मेहराब घ. छत

प्रश्न 9.किसे सिंधु घाटी सभ्यता की वास्तुकला का बेजोड़ नमूना माना जाता है?

क.चबूतरे को ख.बौद्ध स्तूप क ग.महाकुंड को घ.नगर नियोजन को

प्रश्न 10.लेखक ने वर्तमान सेक्टर मार्का कॉलोनी में रहन-सहन को नीरस बताया है क्योंकि-

क.उनकी बनावट शहर के खुद विकसने का अवसर नहीं छोड़ती

ख .उनकी सड़के बहुत कम चौड़ी और टेढ़ी-मेढ़ी है

ग.वहां के लोगों में अपनत्व का अभाव है घ.वे ग्रिड- प्लान पर आधारित नहीं है

प्रश्न 11. महाकुंड की ओर जाने वाली गली का क्या नाम रखा गया?

क.दैव मार्ग ख.परी मार्ग ग.स्वर्ग मार्ग घ. मोक्ष मार्ग

प्रश्न 12. पाठ मे ग्रिड शैली में बसे किस शहर का उल्लेख किया गया है?

क.आगरा का ख.लाहौर का ग.काठमांडू का घ.ब्रासीलिया का

प्रश्न 13. कुंड की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या थी?

क.इसका विशाल आकार ख.कुंड के नीचे उतरती सीढ़ियां

ग. पक्की ईंटों का जमाव घ. तीन तरफ बने साधुओं के कक्ष

प्रश्न 14. विशाल कोठार किस प्रयोग में लाया जाता था?

क.सेना के अस्त्र-शस्त्र रखने के ख.कर के रूप में प्राप्त अनाज रखने के

ग.तीर्थ यात्रियों और साधुओं के ठहरने के घ.लगान के हिसाब किताब के वही खाते रखने के

प्रश्न 15. इस सभ्यता में फसलों की ढुलाई किसके द्वारा की जाती थी?

क.बैलगाड़ी के द्वारा ख.हाथ ठेला के द्वारा ग.सर पर रखकर घ ऊंट के द्वारा

प्रश्न 16. मोहनजोदड़ो के सभी खंडहरों का नामकरण किस आधार पर किया गया है?

क.खुदाई करने वाले पुरातत्व नेताओं के संक्षिप्त नाम के आधार पर

ख .खुदाई में मिली वस्तुओं के आधार पर

ग.खुदाई करने वाले दल के आधार पर घ. इनमें से कोई नहीं

प्रश्न 17. मोहनजोदड़ो में किसकी खेती की जाती थी?

क.रबी की ख.खरीफ की ग.(क)और(ख)दोनों की घ. केवल कपास की

प्रश्न 18. मोहनजोदड़ो में रंगाई कारखाना किसे मिला?

क.राखाल दास बनर्जी को ख.माधव स्वरूप वत्स को

ग.जॉन मार्शल को घ.काशीनाथ को

प्रश्न 19. मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मोहनजोदड़ो के लिए किस शब्द का प्रयोग मिलता है?

क.मुदडा ख. मोहल ग. मेलुहा घ. माकड़

प्रश्न 20. गढ़ के मुकाबले छोटे टीलों पर बनी बस्तियों को क्या कहा गया है?

क.छोटा टीला ख.नीचा नगर ग.टीला नगर घ.खुदा नगर

उत्तर- 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-घ, 5-क, 6-घ, 7-ख, 8-क, 9-ग, 10-क, 11-क, 12-घ, 13-ग, 14-ख, 15-क, 16-क, 17-ग, 18-ख, 19-ग, 20-ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (वितान)

1. सिल्वर वेडिंग

प्रश्न 1:यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं। ऐसा क्यों?

अथवा

'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर बताइए कि यशोधर बाबू समय के अनुसार क्यों नहीं ढल सके?

उत्तर –यशोधर बाबू की पत्नी समय को अच्छी तरह पहचानती हैं। वह जानती है कि बच्चों की सहानुभूति तभी प्राप्त की जा सकेगी जब बच्चों की सोच के अनुसार चला जाए। व्यवहार भी यही कहता है। दूसरे उसके व्यक्तित्व के विकास पर किसी व्यक्तिविशेष या वाद का प्रभाव नहीं है। तीसरे, संयुक्त परिवार के साथ उसका अनुभव सुखद नहीं रहा। उसकी इच्छाएँ अतृप्त रही। उसके अनुसार, "मुझे आचार-व्यवहार के ऐसे बंधनों में रखा गया मानो मैं जवान औरत नहीं, बुढ़िया थी।" अब वह बेटी के कहने के हिसाब से कपड़े पहनती है। वह बेटों के मामले में भी दखल नहीं देती।दूसरी तरफ, यशोधर बाबू स्वयं को बदल नहीं पाते। वे सदैव किसी-न-किसी उलझन के शिकार हैं। वे सिद्धांतवादी हैं। इस कारण वे परिवार के सदस्यों से तालमेल नहीं बिठा पाते। उन पर किशनदा का प्रभाव है जो परंपरा को ढोते हुए अंत में फटेहाल मरे। वे संयुक्त परिवार, भारतीय परंपराओं को बनाए रखना चाहते हैं, परंतु परिवार उन्हें निरर्थक मानता है। यशोधर बाबू पार्टीबाजी, फैशन, अच्छे मकान में रहना आदि को पसंद नहीं करते। वे आधुनिक भौतिक वस्तुओं को बंधन मानते हैं। फलतः वे अलग-थलग हो जाते हैं। अंत में, उन्हें परिस्थितियों से समझौता करना पड़ता है।

प्रश्न 2: यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशन दा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। आपके जीवन की दिशा देने में किसका महत्वपूर्ण योगदान रहा और कैसे?

उत्तर –यशोधर बाबू की कहानी को दिशा देने में किशन दा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मेरे जीवन पर मेरे बड़े भाई साहब का प्रभाव है। वे बड़े शिक्षाविद हैं। उन्होंने हर परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी। उन्हें कई विषयों का गहन ज्ञान है। परिवार वाले उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, परंतु उन्होंने साफ़ मना कर दिया तथा शिक्षक बनना स्वीकार किया। आज वे विश्वविद्यालय में हिंदी के प्रोफेसर हैं। उनके विचार व कार्यशैली ने मुझे प्रभावित किया। मैंने निर्णय किया कि मुझे भी उनकी तरह मेहनत करके आगे बढ़ना है। मैंने पढ़ाई में मेहनत की तथा अच्छे अंक प्राप्त किए। मैंने स्कूल की सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लेना शुरू कर दिया। कई प्रतियोगिताओं में मुझे इनाम भी मिले। मेरे अध्यापक प्रसन्न हैं। मैं बड़े भाई की सरलता, व सादगी से बहुत प्रभावित हूँ।

2. जूझ

प्रश्न 1: 'जूझ' शीर्षक के औचित्य पर विचार करते हुए यह स्पष्ट करें कि क्या यह शीर्षक कथा नायक की किसी केंद्रीय चारित्रिक विशेषता को उजागर करता हैं।

उत्तर –जूझ का साधारण अर्थ है जूझना अथवा संघर्ष करना। यह उपन्यास अपने नाम की सार्थकता को सिद्ध करता है। उपन्यास का कथानायक भी जीवनभर स्वयं से और अपनी परिस्थितियों से जूझता रहता है। यह शीर्षक कथानायक के संघर्षशील वृत्ति का परिचय देता है। हमारे कथानायक में संघर्ष की भावना है। वह संघर्ष करने के लिए मजबूर है लेकिन उसका यह संघर्ष ही उसे एक दिन पढ़ा-लिखा इंसान बना देता है। इस संघर्ष में भी उसने आत्मविश्वास बनाए रखा है। यद्यपि परिस्थितियाँ उसके विरुद्ध होती हैं तथापि वह अपने आत्मविश्वास के बल इस प्रकार की परिस्थितियों से जूझने में सफल हो जाता है। वास्तव में कथानक की संघर्षशीलता ही उसकी चारित्रिक विशेषता है। उपन्यास के शीर्षक से यही केंद्रीय विशेषता उजागर होती है।

प्रश्न 2: स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास लखक के मन में कैस पैदा हुआ?

उत्तर –लेखक की पाठशाला में मराठी भाषा के अध्यापक न०बा० सौंदलगेकर कविता के अच्छे रसिक व मर्मज्ञ थे। वे कक्षा में सस्वर कविता-पाठ करते थे तथा लय, छद, गति-यति, आरोह-अवरोह आदि का ज्ञान कराते थे। लेखक इनकी देखकर बहुत प्रभावित हुआ। इससे पहले उसे कवि दूसरे लोक के जीव लगते थे। सौंदलगेकर ने उसे अन्य कवियों के बारे में बताया। वह स्वयं भी कवि थे। इसके बाद आनंद को यह विश्वास हुआ कि कवि उसी की तरह आदमी ही होते हैं। एक बार उसने

देखा कि उसके अध्यापक ने अपने घर की मालती लता पर ही कविता लिख दी, तब उसे लगा कि वह अपने आस-पास के दृश्यों पर कविता बना सकता है। इस प्रकार उसके मन में स्वयं कविता रच लेने का आत्मविश्वास पैदा हुआ।

3. अतीत में दबे पाँव

प्रश्न 1:सिंधु-सभ्यता साधन-सपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडबर नहीं था। कैसे?

उत्तर –सिंधु सभ्यता बहुत संपन्न सभ्यता थी। प्रत्येक तरह के साधन इस सभ्यता में थे। इतना होने के बाद भी इस सभ्यता में दिखावा नहीं था। कोई बनवावटीपन या आडंबर नहीं था। जो भी निर्माण इस सभ्यता के लोगों ने किया, वह सुनियोजित और मनोहारी था। निर्माण शैली साधारण होने के बाद भी दिखावे से कोसों दूर थे। जो वस्तु जिस रूप में सुंदर लग सकती थी, उसका निर्माण उसी ढंग से किया गया था। इसीलिए सिंधु सभ्यता में भव्यता थी, आडंबर नहीं।

प्रश्न 2:"सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध हैं जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था।" ऐसा क्यों कहा गया?

अथवा

'सिंधु-घाटी के लोगों में कला या सुरुचि का महत्व अधिक था"-उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर –सिंधु-सभ्यता के लोगों में कला या सुरुचि का महत्व अधिक था। यहाँ प्राप्त नगर-नियोजन, धातु व पत्थर की मूर्तियाँ, मृद्-भांड, उन पर चित्रित मनुष्य, वनस्पति व पशु-पक्षियों की छवियाँ, सुनिर्मित मुहरें, खिलौने, आभूषण तथा सुघड़ अक्षरों का लिपिरूप आदि सब कुछ इसे तकनीक-सिद्ध से अधिक कला-सिद्ध जाहिर करता है। यहाँ से कोई हथियार नहीं मिला। इस बात को लेकर विद्वानों का मानना है कि यहाँ अनुशासन जरूर था, परंतु सैन्य सभ्यता का नहीं। यहाँ पर धर्मतंत्र या राजतंत्र की ताकत का प्रदर्शन करने वाली वस्तुएँ-महल, उपासना-स्थल आदि-नहीं मिलतीं। यहाँ आम आदमी के काम आने वाली चीजों को सलीके से बनाया गया है। इन सारी चीजों से उसका सौंदर्य-बोध उभरता है। इसी आधार पर कहा जाता है कि सिंधु-सभ्यता का सौंदर्य-बोध समाज-पोषित था।

प्रश्न 3:पुरातत्व के किन चिहनों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि-'सिंधु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी?"

अथवा

'सिंधु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी"-अतीत में दबे पाँव के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर –पुरातत्ववेत्ताओं ने जो भी खुदाई की और खोज की। उसमें उन्हें मिट्टी के बर्तन, सिक्के, मूर्तियाँ, पत्थर और लकड़ी के उपकरण मिले। इन चित्रों के फलस्वरूप यही बात सामने आई कि लोग समय के अनुरूप इन वस्तुओं का उपभोग करते थे। दूसरा उनकी नगर योजना भी उनकी समझ का पुख्ता प्रमाण है। आज की नगर योजना भी उनकी योजना के समकक्ष नहीं ठहरती। जो कुछ उन्होंने नगरों, गलियों, सड़कों को साफ़-सुथरा रखने की विधि अपनाई, वह उनकी समझ को ही दर्शाती है।

प्रश्न 4:'यह सच है कि यहाँ किसी अगन की टूटी-फूटी सीढ़ियाँ अब आपको कहीं नहीं ले जातीं; वे आकाश की तरफ अधूरी रह जाती हैं। लेकिन उन अधूरे पायदानों पर खड़े होकर अनुभव किया जा सकता है कि आप दुनिया की छत पर हैं, वहाँ से आप इतिहास को नहीं, उसके पार झाँक रह हैं।" इस कथन के पीछ लखक का क्या आशय हैं?

अथवा

मुअनजो-दड़ो की सभ्यता पूर्ण विकसित सभ्यता थी, कैसे? पाठ के आधार पर उदाहरण देकर पुष्ट कीजिए।

उत्तर –लेखक कहता है कि मुअनजो-दड़ो में सिंधु-सभ्यता के अवशेष बिखरे पड़े हैं। यहाँ के मकानों की सीढ़ियाँ उस कालखंड तथा उससे पूर्व का अहसास कराती हैं जब यह सभ्यता अपने चरम पर रही होगी। इतिहास बताता है कि यहाँ कभी पूरी आबादी रहती थी। यह सभ्यता विश्व की प्राचीनतम सभ्यता है। यहाँ के अधूरे पायदानों पर खड़े होकर हम गर्व महसूस कर सकते हैं कि जिस समय दुनिया में ज्ञान रूपी सूर्योदय नहीं हुआ था, उस समय हमारे पास एक सुसंस्कृत व विकसित सभ्यता थी। इसमें महानगर भी थे। इनको विकसित होने में भी काफी समय लगा होगा। यह हमारे इतिहास को आँखों के सामने प्रत्यक्ष कर देता है। उस समय का ज्ञान, उनके द्वारा स्थापित मानदंड आज भी हमारे लिए अनुकरणीय हैं। तत्कालीन नगर-योजना को आज की नगरीय संस्कृति में प्रयोग किया जाता है।

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2023-24

विषय -हिंदी (आधार) विषय कोड302-

कक्षा-बारहवीं

SET-1

निर्धारित समय : 3घंटे **अधिकतम अंक**: 80

सामान्यनिर्देश-

- इस प्रश्न पत्र में दो खंडहैं – खंड'अ'तथा खंड-'ब'| कुल प्रश्न14 हैं|
- खंड'अ'मेंकुल 40वस्तुपरक प्रश्न पूछे गएहैं,सभी40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं |
- खंड'ब'मेंवर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं |
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए |
- दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथा संभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

	खंड'-अ)'वस्तुपरकप्रश्न(	
प्रश्न संख्या	अपठितबोध	अंक (15)
प्रश्न 1	राष्ट्रीय भावना के अभ्युदय एवं विकास के लिए भाषा भी एक प्रमुख तत्व है। मानव समुदाय अपनी संवेदनाओं, भावनाओं बाधित नहीं करतीं। इसी प्रकार यदि राष्ट्र की एक सम्पर्क भाषा का विकास हो जाए तो पारस्परिक संबंधों के गतिरोध बहुत सीमा तक समाप्त हो सकते हैं। मानवसमुदाय को एक जीवित-- जाग्रत एवं जीवंत शरीर की संज्ञा दी जा सकती है और उसकाअपना एक निश्चित व्यकि तत्व होता है। भाषा अभिव्यक्ति के माध्यम से इस व्यक्तित्व को साकार करती है, उसके अमूर्त मानसिक वैचारिक स्वरूप को मूर्त एवं बिंबात्मक रूप प्रदान करती है। मनुष्यों के विविध समुदाय हैं, उनकी विविध भावनाएँ हैं, विचारधाराएँ हैं, संकल्प एवं आदर्श हैं, उन्हें भाषा ही अभिव्यक्त करने में सक्षम होती है। साहित्य, शास्त्र, गीतसंगीत आदि में मानव-समुदाय अपने - आदर्शों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं एवं विशिष्टताओं को वाणी देता है, पर क्या भाषा के अभाव में काव्य, साहित्य, संगीत आदि का अस्तित्व संभव है? वस्तुतः ज्ञानराशि एवं भावराशि का अपार संचित कोश जिसे साहित्य का अभिधान दिया जाता है, शब्दरूप ही तो है। अतः इस संबंध में वैमत्य की किंचित् गुंजाइश नहीं- है कि भाषा ही एक ऐसा साधन है जिससे मनुष्य एक-दूसरे के निकट आ सकते हैं, उनमें परस्पर घनिष्ठता स्थापित हो सकती है। यही कारण है कि एक भाषा बोलने एवं समझने वाले लोग परस्पर एकानुभूति रखते हैं, उनके विचारों में ऐक्य रहता है। अतः राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषा तत्व परम आवश्यक है। 1.राष्ट्रीय भावना के अभ्युदय एवं विकास के लिए कौनसा तत्व प्रमुख है? क.समाज एक प्रमुख तत्त्व है ख.भाषा एक प्रमुख तत्त्व है ग.संस्कृति एक प्रमुख तत्त्व है घ.इतिहास एक प्रमुख तत्त्व है 2.भाषा के बारे में मानव समुदाय क्या सोचता है? क.भाषा संवेदनाओं, भावनाओं व विचारों की अभिव्यक्ति ख.भाषा केवल सम्प्रेषण का माध्यम है ग.भाषा का महत्त्व समुदाय से कम है घ.उपरोक्त में से कोई नहीं 3.पारस्परिक संबंधों का गतिरोध किससे समाप्त हो सकता है ? क.राष्ट्र भाषा से ख.राजभाषा से ग.संपर्क भाषा से घ.देशज भाषा से 4.मानव समुदाय को किसकी संज्ञा दी गयी है ? क.जीवित ख.जाग्रत ग.जीवंत घ.उपरोक्त सभी	10×1 10=

	5.भाषा अभिव्यक्ति से व्यक्तित्त्व के कौन-कौन से रूप साकार होते हैं? क.मूर्तख.अमूर्त ग.बिंबात्मक घ.उपरोक्त सभी 6.गद्यांश में 'मूर्त' शब्द का विलोम शब्द ढूंढकर लिखिए | क.अमूर्त ख.अज्ञात ग.विख्यात घ.अन्मूर्त 7.राष्ट्रीय भावना के विकास के लिए भाषातत्व क्यों आवश्यक है-? क.क्योंकि भाषा से विकास संभव है ख.क्योंकि वह मानव समुदाय में एकानुभूति और विचार ऐक्य का साधन है। ग.क्योंकि वह मानव समुदाय में घृणा की भावना जाग्रत करता है | घ.क्योंकि वह मानव समुदाय में संकीर्णता की भावना जाग्रत करता है 8.'भाषा बहता नीर' से क्या आशय है ? क.भाषा बहता पानी है ख.भाषा सरल और प्रवाहमयी होती है ग.भाषा कुछ समय में समाप्त हो जाती है घ.भाषा जटिल हो जाती है 9.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए | i. भाषा बहते हुए पानी के समान होती है | ii. भाषा राष्ट्रीय एकता स्थापित करती है | iii. भाषा से संकीर्णता आती है | iv. भाषा से एकानुभूति और विचारों की एकता आती है | क. कथन i,iv सही है ख. कथन i,iii,iv सही है ग. कथन i,ii,iv सही है घ. कथन iii,iv सही है 10.साहित्य की परिभाषा के लिए उपयुक्त पदबंध बताइए। क. ज्ञानराशि एवं भावराशि का संचित कोश। ख. हृदय की भावना ही साहित्य है ग. संवेदनाओं की अनुभूति ही साहित्य है घ. चित्रात्मक भाषा ही साहित्य है	
प्रश्न 2	दिएग पद्यांश पर आधारित प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए- फूलों को पाने के पहलेशूलों को अपनाना है, सहज नहीं फूलों को पाना, पहले काँटे चुभते हैं| कठिन राह में चलने से ही, पग में छाले दुखते हैं, मोती के लिए समुन्दर मेंतुमको गोता खाना हैं फूलों को पाने के पहलेशूलों को अपनाना है, मंजिल तक जाने से पहले, पग पग पर बाधाएँ है, एक नहीं जाने कितनी ही, कड़ी हुई विपदाएँ हैं || उन्हें रौंदकर आगे बढ़कर,भय को दूर भगाना है फूलों को पाने के पहलेशूलों को अपनाना है, गिरना और संभलकर बढ़ना, साहस का साथ निभाना | विजय चाहते हो जीवन में, दृढ़ता से बढ़ते जाना || हार नहीं सकता वह जिसने सीखा मुसकाना है |	5×1 5 =

	फूलों को पाने के पहलेशूलों को अपनाना है, 1.मनुष्य को लक्ष्य प्राप्ति से पहले गुजरना पड़ता है – क. बाधाओं से ख. विपदाओं से ग. कठिनाइयों से घ. उपरोक्त सभी 2. फूलों की प्राप्ति में कौन बाधक है ? क. काँटे ख. स्वयं फूल ग. आदमी घ. माली 3. पग में छाले कब दुखते है ? क. कठिन राह पर चलने से ख. कंटीली डगर पर चलने से ग. ऊबड़ खाबड़ रास्तों पर चलने से- घ. पत्थरों की रह पर चलने से 4. कवि किनको रौंदने की बात कर रहा है ? क. फूलों को ख. मंजिल को ग. काँटों को घ. बाधाओं और विपदाओं को 5. कवि के किन व्यक्तियों के जीवन में हार नहीं होती ? क. दृढ़ता से आगे बढ़ने वालों की ख. साहस से जीने वालों की ग. नित्य प्रसन्न रहने वालों की घ.कठिन राह पर चलने वालों की	
प्रश्न 3	निम्नलिखितप्रश्नोंको ध्यानपूर्वक पढकरसर्वाधिक उपयुक्तउत्तर वालेविकल्पको चुनकरलिखिए- 1. निम्न में से कौनसा जनसंचार का कार्य है ? क. सूचना देना ख. मनोरंजन करना ग. एजेंडा तय करना घ. उपरोक्त सभी 2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - कथन(A)- छपे हुए शब्दों में स्थायित्त्व होता है कारण(R)- क्योकि इन्हें सुविधानुसार पढ़ा जा सकता है क. कथन और कारण दोनों सत्य है कारण कथन की सही व्याख्या करता है, ख. कथन और कारण दोनों सत्य है कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है, ग. कथन सत्य है और कारण असत्य है घ. कथन और कारण दोनों असत्य है 3. निम्न में से कौनसा टीवी खबरों के चरण में शामिल नहीं है क. फोन इन ख. ट्रिपल स्पेस ग. एंकर पैकेज घ. ड्राई एंकर 4. हिंदी का पहला समाचारपत्र कौनसा और किसके द्वारा प्रकाशित किया ग-या? क. उद्दंड मार्तंड – जुगलकिशोर शुक्ल द्वारा ख. सरस्वती आचार्य रामचंद्र शुक्ल- ग. बंगाल गज़ट – आगस्ट हिक्की घ. केशरी – बाल गंगाधर तिलक 5. किस पत्रकारिता का उत्तरदायित्त्व सरकार के कामकाज पर निगाह रखना होता है ? क. खोजपरक पत्रकारिता ख. वॉचडॉग पत्रकारिता ग. एडवोकेसी पत्रकारिता घ. विशेषीकृत पत्रकारिता	5×1 5 =
प्रश्न 4	निम्नलिखितकाव्यांशके प्रश्नों को ध्यानपूर्वकपढ़करसर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए- दिन जल्दी-जल्दी ढलता है! / हो जाए न पथ में रात कहीं, / मंजिल भी तो है दूर नहीं यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी-जल्दी चलता हैं!/ दिन जल्दी-जल्दी ढोलता हैं! बच्चे प्रत्याशा में होंगे, / नीड़ों से झाँक रहे होंगे- यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है ! / दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ! 1. दिन जल्दी जल्दी ढलता है' कवि ने मुख्य रूप से क्या व्यक्त किया है- क.जीवन की क्षणभंगुरता ख.प्रेम की व्यग्रता ग.प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता घ.उपरोक्त सभी	5×1 5 =

	2. जल्दी-जल्दी' में कौनसा अलंकार है'? क.यमक अलंकार ख.पुनरुक्तिप्रकाश अलंकार ग.अनुप्रास अलंकार घ.मानवीकरण अलंकार 3. सुमेलित कीजिए | 1. पंथी A. आशा 2. मंजिल B. तीव्रता 3.प्रत्याशा C राहगीर 4. चंचलता D लक्ष्य क.1-D, 2-B, 3-C, 4-A ख.1-A, 2-B, 3-C, 4-D ग.1-C, 2-D, 3-C, 4-A घ.1-C, 2-D, 3-A, 4-B 4. निम्न कथनों पर विचार कीजिए कथनA- वात्सल्य भाव की व्यग्रता सभी प्राणियों में पाई जाती है कथनB- पक्षियों द्वारा घोंसलों से झाँकना दृश्य बिंब को दर्शाता है कथनC- चिड़ियाँ भी दिन ढलने पर चंचल हो उठती है क. कथन A तथा Bसत्य है ख. कथन B-तथाCसत्य हैं ग. कथन A,Bतथा Cतीनों असत्य हैं घ. कथन A,Bतथा Cसत्य हैं 5. बच्चे प्रत्याशा में होंगे नीड़ो से झाँक रहे होंगे --- उपरोक्त कविता के अंश में किस मानव? सत्य को दर्शाया गया है- क. वात्सल्य और प्रेम के कारण माँ का मन आशंका से भर जाता है ख. पक्षियों में वात्सल्य भावना नहीं होती है ग. बच्चों को भोजन स्नेह व सुरक्षा का भाव प्रत्येक प्राणी में होता है, घ. क तथा ग दोनों सही है |	
प्रश्न 5	निम्नलिखितगद्यांशके प्रश्नों को ध्यानपूर्वकपढ़करसर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए- "शहरों की तुलना में गाँव में और भी हालत खराब होती थी| जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती, फिर उसमें पपड़ी पड़ कर ज़मीन फटने लगती, लू ऐसी कि चलतेचलते आदमी - आधे रास्ते में लू खा कर गिर पड़े| ढोरढंगर प्यास के मारे मरने लगते-, लेकिन बारिश का कहीं नामनिशान - नहीं, ऐसे में पूजापाठ कथा-विधान सब करके लोग जब हार जाते तब अंतिम उपाय के रूप में निकलती - यह इंदर सेना| वर्षा के बादलों के स्वामी हैं, इंद्र और इंद्र की सेना टोली बांध कर कीचड़ में लथपथ निकलती, पुकारते हुए मेघों को, पानी माँगते हुए प्यासे गलों और सूखे खेतों के लिए| पानी की आशा पर जैसे सारा जीवन आकर टिक गया हो| एक बात मेरे समझ में नहीं आती थी कि जब चारों और पानी की इतनी कमी है तो लोग घर में इतनी कठिनाई से इकट्ठा करके रखा हुआ पानी बाल्टी भर भर कर-इन पर क्यों फेंकते हैं| कैसी निर्मम बरबादी है पानी की|" 1. गाँव की हालत खराब क्यों होती थी? क. बाढ़ के कारण ख. सूखे के कारण ग. भूकंप के कारण घ. महामारी के कारण 2.गाँव के लोग बरसात के लिए क्या उपाय करते थे .?	5×1 5 =

	क. पूजा पाठ आदि अनुष्ठान करते- ख-सरकार से प्रार्थना करते ग. गाँव छोड़कर चले जाते घ. सभी विकल्प ठीक हैं 3. इंदरसेना किसे प्रसन्न करने का प्रयास करती थी-? क. भगवान शिव को ख. वर्षा के राजा इंद्र को ग. लोगों को घ. सभी विकल्प ठीक ह 4. लेखक को क्या बात समझ नहीं आती थी? क. लोग पूजा पाठ क्यों करते हैं ख. इंदर सेना क्यों बनी है ग. लोग इतनी कठिनाई से इकट्ठा किया पानी बरबाद क्यों कर रहे हैं घ. सभी विकल्प ठीक है 5. गाँव के कैसे दृश्यके सन्दर्भ में कौनसा कथन सत्य है ? कथन1- जहाँ जुताई होनी चाहिए वहाँ खेतों की मिट्टी सूखकर पत्थर हो जाती कथन2-भयंकर लू चलती कथन3-ढोरढंगर प्यास के मारे मरने लगते- क.केवल कथन सत्य है 1 ख.केवल कथन और 2 सत्य है 1 ग.केवल कथन सत्य है 3 घ.तीनों कथन सत्य है |	
प्रश्न 6	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हेतु निर्देशानुसार सही विकल्प चुनिए | 1.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए | कथनi-'सिल्वर वैडिंग' कहानी वर्तमान युग में बदलते जीवनमूल्यों की कहानी है।- कथन ii-यशोधर अपने बच्चों की तरक्की से पूर्णतः खुश नहीं थे | कथनiii-यशोधर संग्रह वृत्ति, भौतिक चकाचौंध से दूर, वे आत्मीयता और सामूहिकता के बोध से युक्त हैं। क. कथन i,ii और iii सत्य है ख. केवल कथन i सत्य है ग. केवल कथन i और ii सत्य है घ. केवल कथन i और iii सत्य है 2. ? सिल्वर वैडिंग' पाठ की मूल संवेदना क्या है' क. हाशिये पर धकेले जाते मानवीय मूल्य ख. पीढीजन्य अंतराल ग. पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव घ. आधुनिकता का प्रभाव 3.यशोधर की पत्नी के चरित्र की कौनसी विशेषता थी ? क. आधुनिकता की चाह ख. पुराने संस्कारों को मानना ग. पति के विचारों से सहमति रखने वाली घ.रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार करना 4. 'समहाउ इम्प्रोपर' वाक्यांश का प्रयोग किन सन्दर्भों में हुआ है ? क. अपने से परायेपन का व्यवहार मिलने पर ख.वृद्धा पत्नी के आधुनिक स्वरुप को देखकर ग.केक काटने की विदेशी परंपरा पर घ इनमें से सभी 5.दत्ताजीराव से पिता पर दबाव डलवाने के लिए लेखक और उसकी माँ को एक झूठ का सहारा लेना पड़ा| यदि झूठ का सहारा न लेता तो आगे का घटनाक्रम क्या होता? A.दत्ता जी राव उसके पिता पर दबाव नहीं दे पाते B. बिना झूठ का सहारा लिए उसकी प्रतिभा कभी भी न चमक पाती। C. वह सारा जीवन खेती में ही लगा रहता D. फिर ही वह पढ़ लिखकर बड़ा आदमी बन जाता क. सभी कथन सत्य है ख. कथन ,A Bतथा C सत्य है ग. केवल कथन D सत्य है घ. सभी कथन असत्य है	10×1 10=

	6. लेखक आनंद यादव की माँ लेखक के पिता को क्या कहकर पुकारती थी ? क. बरहेला सूअर ख. पागल व्यक्ति ग. पागल कुत्ता घ. पागल हाथी 7. लेखक की कक्षा के कक्षाध्यापक का क्या नाम था ? क. वसंत पाटिल ख. मंत्री नमक मास्टर ग. रणवरे मास्टर घ. सोंदेल्गेकर मास्टर 8.? मुअनजो-दड़ो' शब्द क्या अर्थ है' क. मुर्दों का टीला ख. ऊँचा टीला ग. उत्कृष्ट स्थल घ. प्राचीन टीला 9.कथन- सिन्धु घाटी सभ्यता स्वास्थ्य के प्रति बेहद जागरूक थे | कारण - ढकी हुई नालियाँ मुख्य सड़क के दोनों तरफ समान्तर दिखाई देती है क.कथन और कारण दोनों सत्य है,कारण कथन की सही व्याख्या करता है ख. कथन और कारण दोनों सत्य है, कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है ग. कथन सत्य है और कारण असत्य है घ. कथनऔरकारणदोनोंअसत्यहै 10.मुअनजोदड़ो के सबसे ऊँचे चबूतरे पर क्या विद्यमान है-? क.मंदिर ख. बौद्ध स्तूप ग. राजमहल घ. विशाल भवन	
	खण्ड'-ब)'वर्णनात्मक प्रश्न(	
प्रश्न 7	निम्नलिखित दिएगए 03 विषयोंमें से किसी 01 विषय पर लगभग120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए- क सुपर बाजार की सैर . ख चौराहे पर खिलौने बेचते बच्चे . ग मेले में कुश्ती प्रतियोगिता .	6×1=6
प्रश्न 8	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिए- (i) कहानी में पात्रों अथवा चरित्रों का क्या महत्त्व है? अथवा नाटक की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए? (ii) कहानी और नाटक में क्या समानताएं हैं? अथवा कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन –किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?	2×2=4
प्रश्न 9	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- (i) रेडियो समाचार लेखन के लिए बुनियादी बातों को विस्तृत रूप में लिखिए ? (ii) भारत में इंटरनेट पत्रकारिता के इतिहास का संक्षिप्त परिचय दीजिए ? (iii) पत्रकारीय लेखन क्या है तथा पत्रकार के कितने प्रकार होते है ?	3×2=6
प्रश्न 10	निम्नलिखितप्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए- (i)'जन्म से ही वे लाते हैं अपने साथ कपास'-कपास से बच्चों का क्या सम्बन्ध है?)ii(फूलों के खिलने और कविता में क्या समानता है ? (iii)'कैमरे में बंद अपाहिज' करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है – स्पष्ट कीजिए |	3×2=6
प्रश्न 11	निम्नलिखितप्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नोंमेंसेकिन्हीं 02 प्रश्नोंकेउत्तरलगभग4 0 शब्दोंमेंदीजिए -	2×2=4

	(i) भोर के नभ और राख से लीपे गए चौके में क्या समानता है ?)ii (बोले वचन मनुज अनुसारी से कवि का क्या तात्पर्य है?)iii (चुराए लिए जाती वे मेरी आँखेंसे कवि का क्या तात्पर्य है '?	
प्रश्न 12	निम्नलिखितप्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03 प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए - (i) भक्तिन की बेटी पर पंचायत द्वारा जबरन पति थोंपा जाना स्त्री के मानवाधिकारों को कुचलने की परम्परा का प्रतीक है | इस कथन तर्कसम्मत टिप्पणी कीजिए | (ii) बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है?)iii(इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को जीजी ने किस प्रकार सही ठहराया?	3×2= 6
प्रश्न 13	निम्नलिखितप्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 03प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के उत्तर लगभग 4 0शब्दों में दीजिए -)i'निस्तब्धता' (किसे कहते है?उस रात की निस्तब्धता क्या प्रयत्न कर रही थीऔर क्यों? (ii) कालिदास, पंत और रवींद्रनाथ टैगोर में कौन सा गुण समान था? 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए |)iii(मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर रहती है ?	2×2= 4
प्रश्न 14	निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए 02 प्रश्नों में से किसी 01 प्रश्न का उत्तर लगभग 60शब्दों में दीजिए– 'यशोधर बाबू एक आदर्श व्यक्तित्व हैं और नई पीढ़ी द्वारा उनके विचारों को अपनाना ही उचित है'-इस कथन के पक्ष या विपक्ष में तर्क दीजिए | *अथवा* टूटे फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास केसाथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों का भी दस्तावेज़ होते हैं इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए–|	4x1 = 4

****

अंक योजना-प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-2023-24
विषय -हिंदीआधार) विषयकोड(302-
कक्षा-बारहवीं

SET-1

निर्धारित समय 3 : घंटे अधिकतम अंक 80:

सामान्यनिर्देश-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है \|
- खंड-'अ' में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाएगा \|
- खंड-'ब'में वर्णात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं \| ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं \|
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न, किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ \|
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाएगा \|

खंड'-अ'वस्तुपरकप्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक)

प्रश्न 1- (अपठितबोध– गद्यांश) 1-ख, 2-क, 3-ग, 4-घ, 5-घ, 6-क, 7-ख, 8-ख, 9-ग, 10-क

प्रश्न 2– (अपठितबोध– पद्यांश) 1-क, 2-ख, 3-क, 4-घ, 5-ख

प्रश्न 3- (अभिव्यक्ति और माध्यम) 1-घ, 2-क, 3-ख, 4-क, 5-ख

प्रश्न 4 – (काव्यांश–पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2) 1-घ, 2-ख, 3-घ, 4-घ, 5-घ

प्रश्न 5 – (गद्यांश–पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2) 1-ख, 2-क, 3-ख, 4-ग, 5-घ

प्रश्न 6- (पूरक पाठ्यपुस्तकवितान भाग 2) 1-क, 2-ख, 3-क, 4-घ, 5-ख, 6-क, 7-ख, 8-क, 9-क, 10-ख

	खंड'-ब'वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर	
	जनसंचार और सृजनात्मक लेखन	
प्रश्न 7	दिए गए 03विषयों में से किसी 01विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख: आरम्भ –1 अंकविषयवस्तु –3 अंक प्रस्तुति –1 अंकभाषा –1 अंक	6×1=6
प्रश्न 8	प्रश्न – लगभग 40 शब्दों में उत्तर:	2×2=4
(i)	कहानी में पात्रों के चरित्र चित्रण का-महत्वपूर्ण स्थान होता है। पात्रों का चरित्रचित्रण करके ही - कहानीकार कहानी को आगे बढ़ाता है। हर पात्र का अपना स्वभाव होता है।<u>अथवा</u> नाटक सर्वसाधारण की वस्तु है अतः उसकी भाषा शैली सरल , स्पष्ट और सुबोध होनी चाहिए , जिससे नाटक में प्रभाविकता का समावेश हो सके तथा दर्शक को क्लिष्ट भाषा के कारण बौद्धिक श्रम ना करना पड़े अन्यथा रस की अनुभूति में बाधा पहुंचेगी। अतः नाटक की भाषा सरल व स्पष्ट रूप में प्रवाहित होनी चाहिए।	2
(ii)	कहानीऔरनाटकमेंनिम्नलिखितसमानताएंहैं- कहानी- 1. कहानी का केंद्र बिंदु कथानक होता है। 2. कहानी में एक कहानी होती है। 3. कहानी में पात्र होते हैं। नाटक- 1.नाटक का केंद्र बिंदु कथानक होता है। 2. नाटक में भी एक कहानी होती है। 3. नाटक में भी पात्र होते हैं। अथवा कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए- कहानी एक ही जगह पर स्थित होनी चाहिये। कहानी में संवाद नहीं होते और नाट्य संवाद के आधार पर आगे बढता है। कहानी का नाट्य रूपांतर करने से पहले उसका कथानक बनाना बहुत जरूरी है। नाट्य मे हर एक पत्र का विकास कहानी जैसे आगे बढती है, वैसे होता है। कहानी कागजी होती है।	2
प्रश्न 9	प्रश्न – दिए गए 03प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:	3×2=6
(i)	रेडियो समाचार-लेखन के लिए बुनियादी बातें : ➢ समाचार वाचन के लिये तैयार की गई कॉपी साफ़-सुथरी ओर टाइप्ड कॉपी हो। ➢ कापी को ट्रिपल स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए। ➢ पर्याप्त हाशिया छोड़ा जाना चाहिए। ➢ अंकों को लिखने में सावधानी रखनी चाहिए। ➢ संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचा जाना चाहिए।	3
(ii)	भारत-पहला चरण 1993 से तथा दूसरा चरण 2003 से शुरू माना जाता है। भारत में सच्चे अर्थों में वेब पत्रकारिता करने वाली साइटें 'रीडिफ़ डॉट कॉम', इंडिया इफ़ोलाइन' व 'सीफ़ी' हैं। रीडिफ़ को भारत की पहली साइट कहा जाता है ।वेब साइट पर विशुद्ध पत्रकारिताशुरू करने का श्रेय 'तहलका डॉट्कॉम' को जाता है। हिंदी में नेट पत्रकारिता वेब दुनिया' के साथ शुरू हुई। प्रभा साक्षीनाम का अखबारप्रिंट रूप में न होकर सिर्फ़ नेट पर ही उपलब्ध है। हिन्दी की सर्व श्रेष्ठ साइट बीबीसी की है।	3

(iii)	पत्रकारिता आधुनिक सभ्यता का एक प्रमुख व्यवसाय है, जिसमें समाचारों का एकत्रीकरण, लिखना, जानकारी एकत्रित करके पहुँचाना, सम्पादित करना और सम्यक प्रस्तुतीकरण आदि सम्मिलित हैं। पत्रकार तीन प्रकार के होते है – पहला पूर्णकालिक पत्रकार - दूसरा अंशकालिक पत्रकार - तीसरा – फ्रीलांसर पत्रकार	3
	प्रश्न –पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2	
प्रश्न 10	प्रश्न – दिए गए 03प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60शब्दोंमें उत्तर:	3×2=6
(i)	कपास की तरह ही बच्चे भी जन्म से ही कोमल और मुलायम होते हैं	बच्चों के सपने कपास से बनी डोर के सामान होते हैं ,जो पतंग की तरह ऊँची उड़ान भरते हैं	बच्चे कपास की तरह कोमल आकर्षक और लचीले होते हैं लचीलेपन के कारण ही वो एक छत से दूसरी छत पर आसानी से छलांग लगा लेते हैं साथ ही उनकी भावनाएँ भी कपास के सामान स्वच्छ होती हैं यही कारण है की इन दोनों में समानता बताई गयी है		3
(ii)	फूल रंग बिरंगे व् सुंदर होते हैं, प्रकृति में अपनी छटा बिखेरते हैं	फूलों को देखकर हृदय प्रस्फुटित होता है, ठीक उसी प्रकार कवि के हृदय में विभिन्न भावों का आगमन होता है, जिन्हें वह कविता के माध्यम से व्यक्त करता है	कविता को पढ़कर पाठक को आनंद की प्राप्ति होती है		3
(iii)	यह कविता करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है	बाहरी तौर पर कार्यक्रम एक अपंग व्यक्ति के जीवन की समस्याओं से दर्शकों को दो–चार करवाने के उद्देश्य को लेकर चलता है पर संचालक महोदय का पूरा ध्यान दर्शकों की वाहवाही पाने में लगा रहता है	सस्ती भावुकता के लिए वह अपाहिज और दर्शकों दोनों को एक साथ रुलाना चाहता है इसके लिए वह हृदयहीन क्रूर प्रश्न पूछने से भी नहीं हिचकिचाता		3
प्रश्न 11	प्रश्न – दिएगए03 प्रश्नोंमेंसेकिन्हीं 02 प्रश्नोंकेलगभग4 0शब्दोंमें उत्तर:	2×2=4
(i)	भोर के नभ और राख़ से लीपे गए चौके में यह समानता है कि दोनों ही गहरे सलेटी रंग के हैं पवित्र हैं ,नमी से युक्त हैं		2
(ii)	भगवान राम एक साधारण मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं किसी अवतारी मनुष्य की तरह नहीं। भ्रातृ प्रेम का चित्रण किया गया है।तुलसीदास की मानवीय भावों पर सशक्त पकड़ है।दैवीय व्यक्तित्व का लीला रूप ईश्वर राम को मानवीय भावों से समन्वित कर देता है।	2
(iii)	चित्रात्मक वर्णन द्वारा कवि ने एक ओर काले बादलों पर उड़ती बगुलों की श्वेत पंक्ति का चित्र अंकित किया है तथा इस अप्रतिम दृश्य के हृदय पर पड़ने वाले प्रभाव को चित्रित किया है। कवि के अनुसार यह दृश्य उनकी आँखें चुराए लिए जा रहा है |मंत्र मुग्ध कवि इस दृश्य के प्रभाव से आत्म विस्मृति की स्थिति तक पहुँच जाता है।	2
प्रश्न 12	प्रश्न – दिए गए 03प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर:	3×2=6
(i)	भारतीय विवाह परंपरा में लड़कियों को अपनी इच्छानुसार वर चुनने की स्वतंत्रता नहीं होती थी तथा समाज व पंचायत द्वारा उनकी इच्छा को नजअंदाज भी कर दिया जाता था इस पाठ में भक्तिन		की बड़ी बेटी के साथ भी यही होता हैआज भी हमारे समाज में स्त्रियों की यही दशा हैजो स्त्रियों के , मानवाधिकारों के विरुद्ध है	विवाह जैसा गंभीर निर्णय लेने का लड़कियों को कोई अधिकार नहीं था, जो समाज की स्त्री विरोधी एवं पुरुषवादी मानसिकता का द्योतक है		3
(ii)	बाजार का जादू चढ़ने पर मनुष्य बाजार के आकर्षक चीजों के वश में हो जाता है	वह लालक में आकर अनावश्यक चीजों को खरीदता चला जाता है	इस जादू के प्रभाव में मनुष्य सोचने लगता है कि बाजार में बहुत कुछ है और उसके पास बहुत कम चीजें हैं| बाजार का जादू उतरने पर मनुष्य को पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती है, बल्कि खलल ही डालती हैं		3

	बाजार का जादू उतरने पर उसे खरीदी गई चीजें अनावश्यक ही लगाने लगती हैं|	
(iii)	i.पानी का अर्घ्यकुछ पाने के लिए कुछ चढावा देना पडता है। इंद्र को पानी का अर्घ्य चढाने से वे वर्षा - करेंगे। ii. त्याग की भावना से दानजिस वस्तु की अधिक जरूरत है उसके दान से फल मिलता है।- iii. पानी की बुवाईपानी को गलियों में बीज की तरह बोएँगे तब जाकर ही पानी की फसल(वर्षा) - लहलहाएगी।	3
प्रश्न 13	प्रश्न – दिए गए 03प्रश्नों में से किन्हीं 02 प्रश्नों के लगभग 4 0शब्दों में उत्तर:	2×2=4
(i)	निस्तब्धता का अर्थ मौन या गतिहीनता है क्योकिं रात के अंधेरे में सब कुछ शान्त हो जाता है। उस रात की निस्तब्धता करूण सिसकियों व आहों को दबाने की कोशिश कर रही है क्योकिं दिन में मौत का तांडव रहता है तथा हर तरफ चीख पुकार होती है। -	2
(ii)	महाकवि कालिदा सुमित्रानंदन पंत और गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर तीनों स्थिरप्रज्ञ और अनासक्त कवि थे वे शिरीष के समान सरस और मस्त अवधूत थे |	2
(iii)	मनुष्य की क्षमता मुख्यत-तीन बातों पर निर्भर रहती है : i-शारीरिक वंश परंपरा ii-सामाजिक उत्तराधिकार iii-मनुष्य के अपने प्रयत्न	2
	प्रश्न – पूरक पाठ्यपुस्तकवितान भाग 2	
प्रश्न 14	यशोधर बाबू एक सामजिक व्यक्ति थे | अपनी नौकरी शुरू करने के साथ उन्होंने संयुक्त परिवार अपने साथ रखा था | इसी प्रकार सालों में कुमाउनी परम्परा से संबंधित आयोजन भी किया करते थे | यशोधर बाबू एक असंतुष्ट पिता भी थे |अपनी संतानों के साथ उनका संबंध सामान्य नहीं था |अपने पारिवारिक माहौल से बचने के लिए ही वे जान बूझकर अधिक समय तक घर से बाहर रहने की कोशिश करते थे |यशोधर बाबू परम्परावादी व्यक्ति थे | उन्हें सामाजिक रिश्तों को निबाहने में आनंद आता है | अपनी बहन को नियमित तौर पर पैसा भेजते हैं |आधुनिकता के विरोधी होने के बाद भी उन्हें अपने बेटों की प्रगति अच्छी लगती है |नई पीढ़ी को उनके आदर्शों को अपनाना तो चाहिए पर उसमें समयानुकूल परिवर्तन आवश्यक है पुरानी बातों को उसी रूप में अपनाना व्यावहारिक नहीं होगा | अथवा i. पूरा अवशेष उस संस्कृति कि रहन सहन व्यवस्था केसाथ ही उन पूर्वजोके जीवन संदर्भों से परिचित कराती है | ii. हम कल्पना केसहारे उस समय मे प्रवेश कर उस काल खंड कि अनुभूति प्राप्त करते है| iii खंडहरों से उस सभ्यता की प्रामाणिकता सिद्ध होती है .|	4x1 = 4

आदर्श प्रश्न पत्र -2023-24 **सेट-2**

विषय – हिन्दी (आधार)

कक्षा – द्वादश

समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80 अंक**

सामान्य निर्देश-

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिये \|
- इस प्रश्नपत्र में खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं \|प्रश्नपत्र के दोनों खण्डों में प्रश्नों की संख्या 14 है \|
- खंड "अ" में उप प्रश्नों सहित 40 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं ,सभी 40 प्रश्नों के उत्तर देने हैं \|

- खंड 'ब' में 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों के उचित आन्तरिक विकल्प दिए गए हैं |
- दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए |

खंड – अ (वस्तुपरक प्रश्न)

1 .निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए-10×1=10

मनुष्य नाशवान प्राणी है | वह जन्म लेने के बाद मरता अवश्य है | अन्य लोगों की भांति महापुरुष भी नाशवान हैं | वे भी समय आने पर अपना शरीर त्याग देते हैं ,पर वे मरकर भी अमर हो जाते हैं |वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों द्वारा याद किये जाते हैं | उनके ये कार्य चिरस्थायी होते हैं और समय के साथ-साथ परिणाम और बल में बढ़ते जाते हैं | ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते हैं ,वे स्थायी होते हैं और बदली परिस्थितियों में नए वातावरण के अनुसार अपने को ढाल लेते हैं | संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक में जितने भी महापुरुषों को जन्म दिया है ,उनमे गाँधी जी को यदि आज भी राष्ट्रपिता कहते हैं और उनके प्रति श्रद्धा रखते हैं तो इसका कारण यह है कि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधियों को विभिन्न भागों में नहीं बाँटा ,बल्कि जीवनधारा को सदा एक और अविभाज्य माना | जिन्हें हम सामाजिक ,आर्थिक और नैतिक के नाम से पुकारते हैं ,वे वास्तव में उसी धारा की उपधाराएं हैं,उसी भवन के अलग- अलग पहलू हैं | गाँधी जी ने मानव-जीवन के इस नव-कथानक की व्याख्या न किसी ह्रदय को स्पर्श करने वाले वीर काव्य की भांति की और न ही किसी दार्शनिक महाकाव्य की भांति ही | उन्होंने मनुष्यों की आत्मा में अपने को निम्नतम रूप में उचित कार्य के प्रति निष्ठा ,किसी ध्येय की पूर्ति के लिए सेवा और किसी विचार के प्रति स्वार्पण के बीच सतत चलने वाले संघर्ष के नाटक की भांति माना है | उन्होंने सदा साध्य को ही महत्त्व नहीं दिया ,बल्कि उस साध्य को पूरा करने के लिए अपनाये जाने वाले साधनों का भी ध्यान रखा | साध्य के साथ-साथ उसकी पूर्ति के लिए अपनाये गए साधन भी उपयुक्त होने चाहिए |

I.महापुरुष मरकर भी अमर क्यों हो जाते हैं ? 1

(अ) नाशवान प्राणी होने के कारण (ब) महापुरुष होने के कारण

(स) अपने किये गए महान कार्यों के कारण (द) जीवन के अस्थायी होने के कारण

II.'चिरस्थायी ' का विपरीतार्थक शब्द होगा - 1

(अ) अमर (ब) नाशवान (स) क्षणभंगुर (द) स्थायी

III. गाँधी जी को महान मानने के पीछे क्या कारण हैं ? 1

(अ) जीवनधारा को अविभाज्य मानने के दृष्टिकोण के कारण (ब) आधुनिक होने कारण

(स) सत्यनिष्ठ के कारण (द) व्यक्तित्व एवं चरित्र के कारण

IV. उच्च आदर्श हर युग में स्थायी क्यों रहते हैं ? 1

(अ) अविभाज्य न होने के कारण (ब) हर परिस्थिति में ढल जाने के कारण

(स) सत्य होने के कारण (द) अमर होने के कारण

V. कथन (A) : गाँधी जी साध्य और साधन दोनों की पवित्रता के समर्थक थे | 1

कारण(R) : उनकी जीवन शैली अविभाज्य थी |

(अ) कथन (A) सही है ,कारण(R) गलत है |

(ब) कथन (A) सही नहीं है , कारण(R) सही है |

(स) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं ,किन्तु कारण(R) कथन (A)की सही व्याख्या करता |

(द) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं |

VI. गाँधी जी ने किसे विभिन्न भागों में नहीं बांटा है ? 1

(अ) उचित कार्य को (ब) सेवा और किसी विचार को

(स) किसी ध्येय को (द) जीवन की गतिविधियों को

VII.गाँधी जी ने मानव-जीवन के इस नव-कथानक की व्याख्या किस रूप में की ? 1

(अ) उचित कार्य के प्रति निष्ठा के रूप में नहीं

(ब) सेवा और किसी विचार के प्रति स्वार्पण के बीच सतत संघर्ष के नाटक के रूप में

(स) किसी ध्येय को त्याग कर (द) धारा और उपधाराओं के संघर्ष के रूप में

VIII. संयुक्त वाक्य बनाइये –

साध्य के साथ साधन भी पवित्र होने चाहिए | 1

(अ) साधन व साध्य दोनों पवित्र होने चाहिए | (ब) साधन के साथ ही साध्य भी पवित्र होने चाहिए |

(स) साध्य पवित्र होना चाहिए और साधन भी पवित्र होना चाहिए | (द) साधन नहीं साध्य भी पवित्र होने चाहिए |

IX. "स्वार्पण" का संधि विच्छेद होगा - 1

(अ) सु + अर्पण (ब) स+अर्पण (स) स्वा + अर्पण (द) स्व+ अर्पण

X. कथन (A) : उच्च आदर्श स्थायी होते हैं | 1

कारण(R) : उनमें परिस्थिति के अनुसार ढलने की क्षमता होती है |

(अ) कथन (A) सही है ,कारण(R) गलत है |

(ब) कथन (A) सही है , कारण(R) भी सही है |

(स) कथन (A) गलत तथा कारण (R) सही है|

(द) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों भ्रामक हैं |

2 – दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : 5 ×1=5

सच हम नहीं सच तुम नहीं / सच है महज संघर्ष ही / संघर्ष से हट कर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम / जो लक्ष्य भूल रूका नहीं / जो हार देख झुका नहीं
जिसने प्रणय पाथेय माना / जीत उसकी ही रही / सच हम नहीं सच तुम नहीं /
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे / जो हैं जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे / जो भी परिस्थितियां मिले
काँटे चुभें ,कलियाँ खिलें / हारे नहीं इंसान ,हैं सन्देश जीवन का यही / सच हम नहीं सच तुम नहीं

I.पद्यांश में 'वृंत से झरा कुसुम' किसे माना है ? 1

(अ) विनम्र मनुष्य को (ब) वृक्ष से गिरे फल को (स) जो पुष्प की तरह कोमल हो (द) जो संघर्ष के आगे झुक गया

II. 'जिसने प्रणय पाथेय माना' से क्या अभिप्राय है ? 1

(अ) जो प्रेम को संघर्ष पथ का सहारा मानता है (ब) जो मन की बात ही सुनता हो

(स) जो प्रेम को अंतिम लक्ष्य मानता हो (द) जो प्रेम को ही मार्ग मानता हो

III. सुमेलित कीजिये - 1

	कॉलम -1		कॉलम -2
1.	जिसने प्रणय पाथेय माना	i	उत्प्रेक्षा
2.	जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम	ii	अनुप्रास
3.	काँटे चुभें ,कलियाँ खिलें	iii	रूपक

(अ) 1(i), 2(ii), 3(iii) (ब) 1(iii), 2(i), 3(ii) (स) 1(iii), 2(ii), 3(i) (द) 1(i), 2(iii), 3(ii)

IV.'प्राणों मेंजड़ता' से क्या आशय है ? 1

(अ) जड़ हो जाना (ब) एक स्थान पर जम कर बैठ जाना

(स) नयी उमंग के प्रति उदासीन होना (द) पुरानी बातों को भूल न पाना

V. कथन (A) : जीवन में संघर्ष ही सत्य है | 1

व्याख्या (R) : इसलिए सबसे द्वंद्व करते रहना चाहिए |

(अ) कथन (A) सही है ,व्याख्या (R) गलत है |

(ब) कथन (A) सही है , व्याख्या (R) भी सही है |

(स) कथन (A) गलत तथा व्याख्या (R) सही है|

(द) कथन (A) तथा व्याख्या (R) दोनों भ्रामक हैं |

अथवा

दुर्गम बर्फानी घाटी में / शत- सहस्त्र फुट ऊंचाई पर / अलख नाभि से उठने वाले / निज के ही उन्मादक

परिमल के पीछे धावित हो-होकर तरल तरुण कस्तूरी मृग को / अपने पर चिढ़ते देखा है / बादल को घिरते देखा है
कहाँ गया धनपति कुबेर वह कहाँ गई उसकी वह अलका / नहीं ठिकाना कालिदास के व्योम -प्रवाही गंगाजल का
ढूँढा बहुत परन्तु लगा क्या मेघदूत का पता कहीं पर / कौन बताये वह छायामय बरस पड़ा होगा न यहीं पर

I.प्रस्तुत पद्यांश में मृग स्वयं पर ही क्यों चिढ़ता है ? 1

(अ) कस्तूरी की गंध को ढूंढ- ढूंढकर थक जाने के कारण (ब)हिमालय पर्वत पर चढ़ न पाने के कारण

(स) बादल को पकड़ न पाने के कारण (द) जीवन में निराशा व्याप्त होने के कारण

II.कस्तूरी मृग अपनी नाभि की गंध को क्यों नहीं पहचान पाता ? 1

(अ) क्योंकि वह दूर से आ रही होती है | (ब) अपनी अज्ञानता के कारण |

(स) जानकर अनभिज्ञ बने रहने के कारण | (द) दूसरों पर अधिक विश्वास होने के कारण |

III.कवि को कौन सा दृश्य अत्यंत आकर्षक लगता है ? 1

(अ) हिमालय की बर्फीली चोटियों पर घिरते बादल का दृश्य (ब) कस्तूरी मृग के चिढ़ने का दृश्य

(स) मेघदूत का पता न चलने का दृश्य (द) कविता करने के लिए उपयुक्त स्थान का दृश्य

IV. ' छायामय' शब्द का प्रयोग किस सन्दर्भ में हुआ है ? 1

(अ) कवि (ब) बादल (स) पेड़ (द) मेघदूत

V. सुमेलित कीजिये - 1

	कॉलम -1		कॉलम -2
1.	तरल तरुण कस्तूरी मृग को	i	पुनरुक्ति प्रकाश
2.	धावित हो-होकर	ii	रूपक
3.	व्योम -प्रवाही गंगाजल का	iii	अनुप्रास

(अ) 1(i), 2(ii), 3(iii) (ब) 1(iii), 2(i), 3(ii) (स) 1(iii), 2(ii), 3(i) (द) 1(i), 2(iii), 3(ii)

3 – निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए –5×1=5

I . रमन एक पत्रकार हैं | वे सामान्य समाचारों से आगे बढ़कर शिक्षा से जुड़ी या इस विषय से जुड़ी घटनाओं ,मुद्दों और समस्याओं का बारीकी से विश्लेषण करते हैं | उनकी रिपोर्टिंग को क्या कहा जा सकता है ? 1

(अ) फ्रीलांसिंग (ब) विशेषीकृत रिपोर्टिंग (स) एंकरिंग (द) बीट रिपोर्टिंग

II. किसी घटना की सूचना देने और उसके दृश्य दिखने के साथ प्रत्यक्ष दर्शियों के कथन दिखा-सुनाकर समाचार को एक साथ प्रस्तुत करना क्या कहलाता है ? 1

(अ) न्यूज़ रिपोर्टिंग (ब) बीट्स (स) एंकर बाइट (द) क्लास न्यूज़

III . किस रिपोर्ट में रिपोर्टर मौलिक शोध या छानबीन के द्वारा सार्वजनिक तौर पर पहले से न उपलब्ध सूचनाओं व तथ्यों को सामने लाता है ? 1

(अ) खोजी रिपोर्ट (ब) इन-डेप्थ रिपोर्ट (स) विवरणात्मक रिपोर्ट (द) विश्लेषणात्मक रिपोर्ट

IV.उल्टा पिरामिड शैली की प्रमुख विशेषता है : 1

(अ) कथात्मक लेखन होता है (ब) क्लाइमेक्स अंत में होता है

(स) क्लाइमेक्स आरम्भ में होता है (द) समसामयिक घटना होती है

V . सुधीर पत्रकार हैं |वे विज्ञान और अनुसन्धान की खबरें सक्रियता के साथ कवर करते हैं उनके ज्ञान रुचि और रूझान के अधर पर वे क्या बन सकते हैं ? 1

(अ) पाठक (ब) लेखक (स) विषय विशेषज्ञ (द) स्तम्भ लेखक

4 - दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए : 5 ×1=5

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे / भोर का नभ / राख से लीपा हुआ चौका / (अभी गीला पड़ा है)

बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से / कि जैसे धुल गई हो / स्लेट पर या लाल खड़िया चाक / मल दी हो किसी ने

I.उपरोक्त पंक्तियों में कवि ने किसका चित्रण किया है ? 1

(अ) सूर्योदय के सौन्दर्य का (ब) सूर्यास्त के रूप परिवर्तन का

(स) सूर्योदय के पूर्व के नभ के सौन्दर्य का (द) शंख और चौके का

II. कवि ने यहाँ किन किन उपमानों का प्रयोग किया है ? 1

(अ) बहुत नीला शंख (ब) राख से लीपा हुआ चौका (स) भोर का नभ (द) अ और ब दोनों

III . बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो – में कौन सा अलंकार है ? 1

(अ) उत्प्रेक्षा (ब) यमक (स) विरोधाभास (द) पुनरुक्ति प्रकाश

IV. चौका (अभी गीला पड़ा है)- के प्रयोग से क्या व्यंजित होता है ? 1

(अ) वर्षा के बादलों का होना (ब) भोर के नभ में नमी का होना (स) रसोईं घर का धुला होना (द) बाढ़ की आशंका

V . कथन (A) : कविता में कवि सूर्यास्त के साथ एक जीवंत परिवेश की परिकल्पना करता है | 1
कारण(R) : यह काव्यांश एक ऐसे दिन की शुरुआत है जहाँ रंग है ,गति है और भविष्य की उजास है |

(अ) कथन (A) सही है ,कारण(R) गलत है |

(ब) कथन (A) सही है , कारण(R) भी सही है |

(स) कथन (A) गलत तथा कारण (R) सही है |

(द) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों भ्रामक हैं |

5.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए- 1x5=5

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्‌भुत अवधूत है। दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता। न ऊधो का लेना, न माधो का देना। जब धरती और आसमान जलते रहते हैं, तब भी यह हज़रत न-जाने कहाँ से अपना रस खींचते रहते हैं। मौज में आठों याम मस्त रहते हैं। एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है जो वायुमण्डल से अपना रस खींचता है। जरूर खींचता होगा। नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सबसे सरस रचनाएँ निकली हैं। कबीर बहुत-कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक।कालिदास भी जरूर अनासक्त योगी रहे होंगे। शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है। जो कवि अनासक्त नहीं रह सका, जो फक्कड़ नहीं बन सका, जो किये-कराये का लेखा-जोखा मिलाने में उलझ गया, वह भी क्या कवि है?

I . प्रस्तुत गद्यांश की विधा और लेखक हैं - 1

(अ) कबीर के पद (ब) कालिदास और मेघदूत (स) महावीर प्रसाद द्विवेदी की कहानी

(द) हजारी प्रसाद द्विवेदी का ललित निबंध

II.शिरीष से क्या प्रेरणा मिलती है ? 1

(अ) हमें जीवन की कठिनाइयों का डटकर सामना करना चाहिए (ब) हमें अपने भविष्य के प्रति सतर्क रहना चाहिए

(स) हमें इतिहास को बहुत महत्त्व नहीं देना चाहिए (द) हमें विवादों में नही पड़ना चाहिए

III .लेखक ने किसे कवि नहीं माना है ? 1

(अ) जो फक्कड़ हो (ब) जो फक्कड़ और अनासक्त न हो

(स) जो अनासक्त हो (द) जो किये कराये का लेखा जोखा रखता हो

IV. सुमेलित कीजिये - 1

	कॉलम -1		कॉलम -2
1.	अवधूत	i	संसार के विरत सन्यासी
2.	न ऊधो का लेना, न माधो का देना	ii	जो भौतिक सुखों में आसक्त नहीं होता
3.	अनासक्त योगी	iii	किसी से कोई मतलब नही रखना

(अ) 1(i), 2(ii), 3(iii) (ब) 1(iii), 2(i), 3(ii) (स) 1(iii), 2(ii), 3(i) (द) 1(i), 2(iii), 3(ii)

V . कथन (A) : सच्चे योगी वे होते हैं जो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी फलते – फूलते हैं | 1

कारण(R) : उनकी जीवनी शक्ति अद्भुत होती है |

(अ) कथन (A) सही है ,कारण(R) गलत है |

(ब) कथन (A) सही नहीं है , कारण(R) सही है |

(स) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं , कारण(R) कथन (A)की सही व्याख्या करता है |

(द) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं कारण(R) कथन (A)की सही व्याख्या नहीं करता है |

6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए –10×1=10

I. जूझ का लेखक खेती का काम क्यों नहीं करना चाहता था ? 1

(अ) वह इस सत्य को जान गया था कि खेती से जीवनभर कुछ हाथ नहीं आयेगा

(ब) वह अपने पिता की बात नहीं मानना चाहता था

(स) वह अत्यधिक परिश्रम नहीं करना चाहता था

(द) वह खेती को तुच्छ समझता था

II. निम्न लिखित कथनों पर विचार कीजिये – 1

कथन (I) आनन्दा को कविता लिखना और पढ़ना पसंद नहीं था

कथन (II) श्री सौंदलगेकर जी हिन्दी के अध्यापक थे

कथन (III) दत्ता जी राव गाँव के महत्त्वपूर्ण व्यक्ति थे

कथन (IV) लेखक ने पाठशाला के लड़कों द्वारा मजाक उड़ाने के बाद भी पाठशाला जाने का निर्णय लिया

(अ) कथन (I)तथा (II)सही हैं | (ब) कथन (III)तथा कथन (IV)सही हैं |

(स) कथन (II), (III) तथा कथन (IV)सही हैं | (द) कथन (II)तथा कथन(III) सही हैं |

III.सिन्धु घाटी सभ्यता में मिले अजायबघर की क्या विशेषता है

(अ) इसमें उत्कृष्ट कलात्मकता दिखाई देती है (ब) यह अत्यंत विशाल और सुन्दर है

(स) इसमें औजार तो हैं किन्तु हथियार नहीं हैं (द) खेती के कोई प्रमाण इससे नहीं मिलते

IV . गाँव से अकेले दिल्ली आने के पश्चात किशन दा के घर पर कई लोगों के साथ मिलकर रहने का गुण यशोधर बाबू की किस विशेषता को प्रकट करता है ? 1

(अ) यशोधर बाबू हाशिये पर जीने वाले व्यक्ति हैं (ब) यशोधर बाबू आधुनिक परम्परा के वाहक हैं

(स) यशोधर बाबू एक मिलनसार व्यक्ति हैं (द) यशोधर बाबू एक पलायनवादी व्यक्ति हैं

V. सुमेलित कीजिये - 1

	कॉलम -1		कॉलम -2
1.	जूझ	i	यात्रा वृत्तान्त
2.	अतीत में दबे पाँव	ii	लम्बी कहानी
3.	सिल्वर वेडिंग	iii	उपन्यास अंश

(अ) 1(i), 2(ii), 3(iii) (ब) 1(iii), 2(i), 3(ii) (स) 1(iii), 2(ii), 3(i) (द) 1(i), 2(iii), 3(ii)

VI. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये - 1

कथन (I) सिल्वर वेडिंग की मुख्य समस्या 'पीढ़ी अन्तराल' की है

कथन (II) सिन्धु घाटी सभ्यता 'लघुता में महत्ता' को प्रदर्शित करती है

कथन (III) 'जूझ' पाठ अपनी जिम्मेदारियों से मुख मोड़ना सिखाता है

कथन (IV) 'जूझ' मराठी भाषा से अनुवादित है

(अ) कथन (I)तथा (II)सही हैं | (ब) कथन (I),(II)तथा कथन (III)सही हैं |

(स) कथन (I), (II) तथा कथन (IV)सही हैं | (द) कथन (II)तथा कथन(III) सही हैं |

VII. 'कुलधरा' गाँव का उदाहरण किस पथ के अंतर्गत आया है ? 1

(अ) अतीत में दबे पाँव (ब) सिल्वर वेडिंग (स) जूझ (द) उपर्युक्त सभी में

VIII.सिल्वर वेडिंग कहानी के मुख्य पात्र द्वारा परंपरागत सिद्धांतों को अपना कर उनके निजी जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा1

(अ) उनका व्यक्तित्व अत्यंत मुखरित हो गया | (ब) उनका अपने परिवार के बीच ताल मेल नहीं बैठता था |

(स) उनका निजी जीवन अत्यंत सरल व आनंदमय हो गया था | (द) उनके परिवार में उनकी अच्छी खासी साख थी |

IX. निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए? 1

कथन (A) : सिन्धु सभ्यता में जल निकासी की अच्छी व्यवस्था थी

कारण(R) : सिन्धु सभ्यता के लोग मूलतः खेती करते थे तथा पशुपालक थे

(अ) कथन (A) सही है ,कारण(R) गलत है |

(ब) कथन (A) सही नहीं है , कारण(R) सही है |

(स) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं ,किन्तु कारण(R) कथन (A)की सही व्याख्या करता है |

(द) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं ,किन्तु कारण(R) कथन (A)की सही व्याख्या नहीं करता है |

X.निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये - 1

कथन (I) सिन्धु सभ्यता में नगर नियोजन उन्नत नहीं था

कथन (II) सिन्धु घाटी सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य बोध है

कथन (III) मुअनजो-दड़ो छोटे मोटे टीलों पर बसा था

कथन (IV) सिन्धु घाटी सभ्यता एक लो प्रोफाइल सभ्यता थी

(अ) कथन (I)तथा (II)सही हैं | (ब) कथन (I),(II)तथा कथन (III)सही हैं |

(स) कथन (II), (III) तथा कथन (IV)सही हैं | (द) कथन (II)तथा कथन(III) सही हैं |

खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए- 6×1=6

क) मेले में अभिन्न मित्र से भेंट

ख) नकली सामान ,भरपूर विज्ञापन

ग) अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कद

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिये: 2×2=4

(i) (क) सिनेमा ,रंगमंच और रेडियो नाटक की असमानताओं को स्पष्ट करें |

अथवा

(ख)नए और अप्रत्याशित विषयों के लेखन के सन्दर्भ में इस पंक्ति का आशय स्पष्ट करें –"इस तरह का लेखन खुले मैदान की तरह होता है ,जिसमें बेलाग दौड़ने ,कूदने और कुलाँचे भरने की छूट होती है |"

(ii) (क) रेडियो नाटक में ध्वनि प्रभावों और संवादों का क्या महत्त्व है ? लिखें |

अथवा

(ख) कहानी के वे कौन से तत्व हैं ,जो नाट्य रूपांतरण करते समय चुनौती बन जाते हैं ? इन्हें नाटक में किस प्रकार स्थान दिया जाता है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिये : 3×2 = 6

(i) डिजिटल मीडिया के उदय ने समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली के उपयोग को कैसे प्रभावित किया है ?

(ii) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करते हुए पूर्णकालिक पत्रकार और स्वतंत्र पत्रकार के अंतर को स्पष्ट कीजिये |

(iii) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे प्राचीन माध्यम की विशेषताओं व दो कमियों का उल्लेख कीजिए|

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिये : 3×2 = 6

(i) तुलसीदास के कवित्त के आधार पर तत्कालीन समाज की आर्थिक विषमता पर टिप्पणी कीजिये |"

(ii) पतंग कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिये कि वर्षा के बाद भादों के पश्चात प्रकृति में परिवर्तन का कवि ने किस प्रकार वर्णन किया है ?

(iii) ' बादल राग ' कविता में वर्णित – बादलों की रण भेरी को सुनकर सोये हुए अंकुरों में उभरती चेतना को स्पष्ट कीजिये|

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिये : 2×2=4

(i) कैमरे में बंद अपाहिज कविता में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिये |

(ii) बात सीधी थी पर कविता में कवि ने कथ्य को महत्त्व दिया है या भाषा को ,तर्क सम्मत उत्तर दीजिये|

(iii) "रुबाई" से आप क्या समझते हैं ? फ़िराक गोरखपुरी की रूबाइयों की विशेषता लिखें |

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 60 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिये : 3×2 = 6

(i) कालिदास ने शिरीष की कोमलता और द्विवेदी जी ने उसकी कठोरता के विषय में क्या कहा है ? स्पष्ट करें |
(ii) "ढोलक की थाप मृत – गांव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी" – इस आधार पर कला के जीवन से संबद्धता का वर्णन करें |
(iii) "भक्तिन अच्छी है यह कहना कठिन होगा" – महादेवी वर्मा के इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिये |
13. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिये : 2×2=4
(i) डॉ आंबेडकर के आदर्श समाज की कल्पना में ' भ्रातृता ' का महत्त्व स्पष्ट कीजिये |
(ii) बाज़ार दर्शन पाठ के आधार पर पैसे की व्यंग्यशक्ति को सोदाहरण समझाइए |
(iii) 'काले मेघा पानी दे' में लेखक के वैज्ञानिक तर्क और उसकी जीजी के पारंपरिक तर्क की समीक्षा कीजिये |
14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग 40 शब्दों में निर्देशानुसार उत्तर दीजिये : 2×2=4
(i) तर्क सहित स्पष्ट कीजिये कि क्या "यशोधर बाबू दो अलग काल खण्डों में जी रहे हैं" ?
(ii) जूझ कहानी किशोरों हेतु किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है ? सोदाहरण लिखिए |
(iii) स्पष्ट कीजिये कि सिन्धु घाटी के लोगों में कला का महत्त्व अधिक था |

****

विषय – हिन्दी (आधार- 302)

कक्षा – द्वादश

अंक योजना

खंड – अ (वस्तुपरक प्रश्न)

खंड'-अ'वस्तुपरकप्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक प्रश्न 1 अंक)

प्रश्न 1- (अपठितबोध– गद्यांश) 1-स, 2-स, 3-अ, 4-ब, 5-द, 6-द, 7-ब, 8-स, 9-अ, 10-ब

प्रश्न 2– (अपठितबोध– पद्यांश) 1-द, 2-अ, 3-ब, 4-स, 5-अ

अथवा 1-अ, 2-ब, 3-अ, 4-द, 5-ब

प्रश्न 3- (अभिव्यक्ति और माध्यम) 1-ब, 2-स, 3-अ, 4-स, 5-द

प्रश्न 4 – (काव्यांश–पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2) 1-स, 2-द, 3-अ, 4-ब, 5-स

प्रश्न 5 – (गद्यांश–पाठ्यपुस्तक आरोह भाग 2) 1-द, 2-अ, 3-ब, 4-द, 5-स

प्रश्न 6- (पूरक पाठ्यपुस्तकवितान भाग 2) 1-अ, 2-ब, 3-स, 4-स, 5-ब, 6-स, 7-अ, 8-स, 9-द, 10-स

खंड – ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

7.किसी एक विषय पर रचनात्मक लेखन – 6 अंक

आरम्भ -1 अंक ,विषय वस्तु – 3 अंक ,प्रस्तुति 1 अंक एवं भाषा- 1अंक

8. (i) (क) सिनेमा ,रंगमच दृश्य माध्यम हैं रेडियो नाटक श्रव्य माध्यम 2×2=4
मंच सज्जा, वस्त्र सज्जा का महत्त्व , रेडियो नाटक में कोई महत्त्व नहीं
भाव-भंगिमाओं पर विशेष महत्व , रेडियो नाटक में कोई आवश्यकता नहीं आदि|

अथवा

(ख)निश्चित प्रारूप न होने के कारण लेखक को स्वतंत्र रूप से अपने विचारों,भावों,सिद्धांतों को प्रस्तुत करने की स्वतंत्रता होती है |
(ii) (क) कहानी के नाट्य रूपांतरण में संवाद की अति महत्वपूर्ण भूमिका है-घटना क्रम विकास,पात्रों के चारित्रिक विकास,कथानक विकास ,उद्देश्य व सन्देश को स्पष्ट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका|
अथवा
(ख) पात्रों के द्वंद्व,मनोभावों,संवादों को नाटकीय रूप प्रदान करना,संगीत, ध्वनि,प्रकाश व्यवस्था करने में आदि में समस्या आती है |वायस ओवर,फ्लैशबैक ,पार्श्व संगीत ,प्रकाश व ध्वनि की युक्तियों का प्रयोग कर |
9. (i) तीव्र और विस्तृत होने के कारण,दृश्य श्रव्य सुविधाओं से युक्त होने के कारण डिजिटल मिडिया में उल्टा पिरामिड शैली की प्रासंगिकता कम हो गयी है |ये प्रिंट मिडिया हेतु समाचार लेखन की एक शैली बनकर रह गयी है | 3×2=6
(ii) समाचार पत्र या अन्य समाचार पत्रों के पत्रकार पाठको,दर्शकों तथा श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए विभिन्न रूपों का प्रयोग करते हैं यही पत्रकारीय लेखन है | पूर्णकालिक पत्रकार,अंशकालिक और स्वतंत्र पत्रकार |
पूर्णकालिक पत्रकार -किसी समाचार संगठन में कार्य करने वाला नियमित वेतनभोगी

स्वतंत्र पत्रकार या फ्रीलांसर – यह भुगतान के अधर पर अलग – अलग समाचार संगठन के लिए कार्य करता है |
(iii) स्थायित्व,एक से अधिक बार पढ़ा जाना ,प्रमाण के रूप में रखने योग्य ,अध्ययन ,चिंतन मनन किया जा सकता |मुद्रित माध्यम अशिक्षित लोगों के लिए अनुपयोगी |अन्य माध्यमों की तरह तुरंत घटी घटनाओं की जानकारी नहीं दे पाता |

10. 3×2 = 6

(i) आर्थिक विषमता को समीप से देखा था ,बेरोजगारी,भुखमरी के चित्रण के साथ –साथ विविध रोजगारों का भी चित्रण ,लाचारी और विवशता की झलक भी दिखाई देती है |
(ii) शरद ऋतु का आगमन ,खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा,निर्मल,स्वच्छ आकाश,चमकीली धूप,शरद का मानवीकरण करते हुए उमंग,उत्साह के वातावरण का चित्रण|
(iii) कवि ने धरती के नीचे सोये हुए ' सोये हुए 'अंकुर का मानवीकरण किया है ,गर्जन ,वर्षण नव जीवन का संचार करता है |बादल की क्रान्तिकारी चेतना का ससे अधिक प्रभाव 'सुप्त अंकुर' पर ही पड़ता है |

11. 2×2=4

(i) करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता ,दृश्य श्रव्य माध्यम का संवेदन हीन व्यवहार |
(ii) भावाभिव्यक्ति के लिए सहज भाषा का प्रयोग क्योंकि इसके अभाव में कथ्य की मूल संवेदना समाप्त हो जाएगी और कथ्य निरुद्देश्य हो जायेगा |
(iii) "रुबाई"फारसी की कविता लेखन शैली जिसमे प्रथम,द्वितीय और चतुर्थ पंक्ति का काफिया मिलता है और तीसरी पंक्ति स्वतंत्र होती है ,उनकी रूबाई में हिंदी का घरेलू रूप देखने को मिलता है ,लोक जीवन का समावेश ,प्रकृति का सौन्दर्य और सूरदास जैसा वात्सल्य वर्णन दिखाई देता है |

12. 3×2 = 6

(i) शिरीष पुष्प इतना कोमल है कि केवल भौरों के पदों का कोमल दबाव ही सह सकता है,जबकि द्विवेदी जी का मानना है कि यह एक अवधूत है जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी डटा रहता है,इसके फल भी बहुत मजबूत होते हैं |
(ii) कला का जीवन से प्रत्यक्ष सम्बन्ध है |संगीत और काव्य की श्रेष्ठता से सभी अवगत हैं | युद्ध से लेकर व्यंग्य तक ,विविध मंगल कार्यों में कलात्मकता देखी जा सकती है|चाहे नृत्य, संगीत हो वाद्य हो या चित्र कला या कोई भी कला वह प्रसिद्धि तभी प्राप्त करती है जब वह जीवन से जुड़ती है| जैसे – गाँव में संजीवनी भरती पहलवान की ढोलक |
(iii) अपनी स्वामिनी को खुश करने हेतु झूठ बोलना उसे न्याय संगत लगता था | स्वयं को श्रेष्ठ समझना व निराधार तर्क देना ,हर कार्य अपनी सुविधानुसार करना आदि |

13. 2×2=4

(i) अर्थात भाईचारा ,एक आदर्श समाज में प्रत्येक मनुष्य एक दूसरे के प्रति भाईचारे का दृष्टिकोण रखते हुए व्यवहार करे चाहे स्त्री हो ,पुरुष हो या बच्चे|इस दृष्टिकोण से ही समता की भावना का विकास हो सकेगा |
(ii) यह वह शक्ति है जो अपनों को अपनों से दूर कर देती है और हम छोटा – बड़ा हर प्रकार से सोचने लगते हैं |यह मानव सम्बन्धों के महत्व को भी व्यंग्य से भर देती है अर्थात पैसा ही सर्वश्रेष्ठ हैं बाकी सब तुच्छ |
(iii) लेखक के वैज्ञानिक तर्क थे |वह वर्षा के लिए पानी की निर्मम बर्बादी को उचित नहीं मानता किन्तु जीजी के पारम्परिक तर्कों और विश्वास ने सहज प्रेम को विजय दिलाई |

14. 2×2=4

(i) "यशोधर बाबू दो अलग काल खण्डों में जी रहे हैं" – क्योंकि नया उन्हें कभी – कभी खींचता तो है पर पुराना छोड़ता नहीं है | किशन दा को आदर्श मानने के कारण वह परम्परागत ढर्रे पर चलना पसंद करते हैं तथा बदलाव पसंद नहीं करते हैं |
(ii) यह कहानी आधुनिक किशोर–किशोरियों को जीवन में शिक्षा के महत्त्व जैसे मूल्य से परिचित कराती है |लेखक पूरी लगन और मेहनत से विपरीत परिस्थितियों को मात देने की कोशिश करता है | अपने अथक परिश्रम एवं विषय में रुचि के कारण ही वह कविता लिखने में समर्थ हो सका और तन्मयता से हर संभव प्रयास करने और सर्वश्रेष्ठ बनने की प्रेरणा देता है |
(iii) वास्तुकला और नगर नियोजन,मूर्तियाँ,मृद्भांड ,उन पर चित्रित विविध आकृतियाँ ,सुनिर्मित मुहरें ,खिलौने ,केश विन्यास ,आभूषण और सुघड़ अक्षरों की लिपि रूप आदि इस सभ्यता की कलात्मकता को अभिव्यक्त करते हैं |

,

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र --2023

कक्षा –12

हिन्दी (आधार)

निर्धारित समय :3 घंटे अधिकतम अंक :80

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – अ और ब
- दोनों खण्डों के उत्तर देना अनिवार्य है |
- यथासंभव दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखें |
- कृपया जाँच ले कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं |
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है |

(खंड -'अ') –वस्तुपरक प्रश्न

प्रश्न 1 ◦निम्नलिखित गद्यांश को पढ़करनीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 10

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है | संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशोंमें एक सीमा तक समान रहते हैं, किन्तु बाह्य उपादानो में अंतर अवश्य आता है | राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि यह हमें अपने राष्ट्र की परम्परा से सम्पृक्त रखती है, अपनी रीति-नीति की सम्पदा से विच्छिन्न नहीं होने देती | आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं| संस्कृतियों का पारंपरिक संघर्ष भी शुरू हो गया है | कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं, जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है | हमारी आस्था डिगने लगी है | यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का ही फल है | अपनी संस्कृति को छोड़,विदेशी संस्कृति के विवेकहीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो ठेस पहुँच रही है, वह किसी राष्ट्र-प्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है | भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्भुत क्षमता रही है | अतः आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्त्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे, किन्तु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं | यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है | यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोक प्रदायिनी किरणों से पौधों को चाहे जितनी जीवन-शक्ति मिले, किन्तु अपनी जमीन और अपनी जड़ो के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता | अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है |

(I) आधुनिक युग में संस्कृतियों में परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण बताइए | 1

I) भिन्न संस्कृतियों के निकट आने के कारण अतिक्रमण एवं विरोध स्वाभाविक है।

II) भिन्न संस्कृतियों के निकट आने के कारण प्रेम एवं स्नेह स्वाभाविक है।

III) भिन्न संस्कृतियों के निकट आने के कारण एकता एवं विकास स्वाभाविक है।

IV) भिन्न शहरों के दूर आने के कारण अतिक्रमण एवं विरोध स्वाभाविक है।

(II) हम अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु क्यों हो गए ? 1

i) देशी संस्कृति के कुछ तत्त्वों को स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया है |

ii) विदेशी संस्कृति के कुछ तत्त्वों को स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया है |

iii) ग्रामीण संस्कृति के कुछ तत्त्वों को स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया है |

iv) पड़ोसी संस्कृति के कुछ तत्त्वों को स्वीकार करना प्रारंभ कर दिया है |

(III) राष्ट्रीय संस्कृति की हमारे प्रति सबसे बड़ी देन क्या है ? 1

i) वह हमें अपने राष्ट्र की संपत्ति और रीति-नीति से जोड़े रखती है |

ii) वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा और भविष्य से जोड़े रखती है |

iii) वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा और रीति-नीति से जोड़े रखती है |

iv) वह हमें अपने राष्ट्र की जनता से जोड़े रखती है |

(IV) हम अपनी सांस्कृतिक संपदा की उपेक्षा क्यों नहीं कर सकते ? 1

i) ऐसा करने से हम फल -विहीन पौधे के समान हो जाएंगे |

ii) ऐसा करने से हम पुष्प-विहीन पौधे के समान हो जाएंगे |

iii) ऐसा करने से हम पत्र-विहीन पौधे के समान हो जाएंगे |

iv) ऐसा करने से हम जड़-विहीन पौधे के समान हो जाएंगे |

(V) हमें विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहिए क्योंकि? 1

i) भारतीय संस्कृति में त्याग व ग्रहण की अद्‌भुत क्षमता रही है |

ii) भारतीय संस्कृति में त्याग की अद्‌भुत क्षमता रही है |

iii) भारतीय संस्कृति में ग्रहण की अद्‌भुत क्षमता रही है |

iv) भारतीय संस्कृति में वीरता की अद्‌भुत क्षमता रही है |

(VI) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए | 1

i) 'भारतीय संस्कृति का पतन ii) 'भारतीय संस्कृति का वैचारिक संघर्ष'

iii) 'भारतीय संस्कृति की अवनति iv) 'भारतीय संस्कृति का अधःपतन

(VII) अज्ञानता का पर्याय क्या है ? 1

i) अंधकार ii) विवेकपूर्ण अनुकरण iii) अविवेकी अनुकरण iv) प्रकाश

(VIII) संस्कृतियों के निर्माण में किसका योगदान रहता है? 1

i) औरतों का ii) बड़े बुजुर्गों का iii) कुछ लोगों का iv) देश और जाति का

(IX) किससे देश की गरिमा को ठेस पहुँचती है? 1

i) परावलंबन से ii) स्वावलंबन से iii) आत्मनिर्भरता से iv) मजदूरी से

(X) संस्कृति का नाता किससे है? 1

i) रहन–सहन से ii) धन-दौलत से iii) संस्कृत से iv) आत्मा से

प्रश्न 2 .निम्ललिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 5

चिड़िया को लाख समझाओ / कि पिंजड़े के बाहर / धरती बड़ी है, निर्मम है,/ वहां हवा में उसको
अपने जिस्म की गंध तक नहीं मिलेगी | / यूँ तो बाहर समुद्र है,नदी है,झरना है, / पर पानी के लिए भटकना है |
यहाँ कटोरी में पानी गटकना है |/ बाहर दाने का टोटा है / यहाँ चुग्गा मोटा है | / बाहर बहेकिये का डर है |
यहाँ निर्द्वंद्व कंठ-स्वर है |/ फिर भी चिड़िया मुक्ति का गीत गाएगी / मारे जाने की आशंका से भरे होने पर भी
पिंजड़े से जितना अंग निकल सकेगा निकालेगी,/ हरसूं जोर लगाएगी
और पिंजड़ा टूट जाने या खुल जाने पर, उड़ जाएगी | 1

(I) पिंजड़े के बाहर का संसार कैसा है ? i)पिंजड़े के बाहर का संसार सुखद है।

ii)पिंजड़े के बाहर का संसार मधुर है। iii)पिंजड़े के बाहर का संसार आनंददायक है।

iv)पिंजड़े के बाहर का संसार निर्मम है।

(II) पिंजड़े के भीतर क्या-क्या सुविधाएँ उपलब्ध होती हैं ? 1

i) पिंजड़े के भीतर चिड़ियाँ को पानी,आवास तथा सुरक्षा है | ii) पिंजड़े के भीतर चिड़ियाँ को ख़तरा है |

iii) पिंजड़े के भीतर फल है | iv) पिंजड़े के भीतर कुछ नहीं है |

(III) पिंजड़े से बाहर चिड़ियाँ को क्या डर सताता है ? 1

i) चिड़ियाँ को पिंजड़े से बाहर राक्षसों का डर है | ii) चिड़ियाँ को पिंजड़े से बाहर बहेलियों का डर है |

iii) चिड़ियाँ को पिंजड़े से बाहर जानवरों का डर है | iv) चिड़ियाँ को पिंजड़े से बाहर मनुष्यों का डर है |

(IV) कविता का मूल सन्देश है | 1

i) इस कविता में कवि ने स्वाधीनता के महत्त्व को समझाया है |

ii) इस कविता में कवि ने मनुष्यता के महत्त्व को समझाया है |

iii) इस कविता में कवि ने देश-प्रेम के महत्त्व को समझाया है |

iv) इस कविता में कवि ने निःस्वार्थता के महत्त्व को समझाया है |

(V) निर्द्वंद्व कंठ से कौन गाती है ? 1

i)मानव ii)पशु iii)दानव iv) चिड़ियाँ

अथवा

पूर्व चलने के बटोही / बाट की पहचान कर ले / पुस्तकों में है नहीं / छापी गई इसकी कहानी / हाल इसका ज्ञात होता है न औरों की जबानी / अनगिनत राही गए इस / राह पर उनका पता क्या / पर गए कुछ लोग इस पर
छोड़ पैरों की निशानी / यह निशानी मूक होकर / भी बहुत कुछ बोलती है / खोल इसका अर्थ पंथी / पंथ का अनुमान कर ले
पूर्व चलने के बटोही / बाट की पहचान कर ले / यह बुरा है या किअच्छा / व्यर्थ दिन इस पर बिताना
जब असंभव छोड़ यह पथ / दूसरे पर पग बढ़ाना / तू इसे अच्छा समझ / यात्रा सरल इससे बनेगी /सोच मत केवल तुझे ही
यह पड़ा मन में बिठाना / हर सफल पंथी यही / विश्वास ले इस पर बढ़ा है/ तू इसी पर आज अपने /
चित्त का अवधान कर ले / पूर्व चलने के बटोही / बाट की पहचान कर ले|

(I) प्रस्तुत काव्यांश में बाट से अभिप्राय है?

(i) पगडंडी (ii) जीवन-पथ (iii) मृत्यु-पथ (iv) लक्ष्य

(II) मनुष्य को पथ की पहचान होती है |

(i) पुस्तकों के माध्यम से (ii) व्यावहारिक अनुभव से

(iii) परिचित लोगों से (iv) कोई नहीं

(III) काव्यांश में पैरों की निशानी द्वारा किन लोगों की ओर संकेत किया गया है?

(i) पूर्व में गए मुसाफिरों की ओर (ii) मार्ग से भटके लोगों की ओर

(iii) संन्यासियों की ओर (iv) महापुरुषों की ओर

(IV) मार्ग की कठिनाइयाँ भी आसान हो जाती हैं |

i) सकारात्मक सोच से (ii) नकारात्मक सोच से

(iii) कल्पनाजीवी होने से (iv) अन्धानुकरण

(V)कवि के अनुसार मनुष्य का समय बर्बाद होता है|

(i) अनावश्यक कार्यो से (ii) दुविधाग्रस्त होने से

(iii) मार्ग के विषय में पूछताछ करने से (iv) अधिक धन कमाने से

प्रश्न 3 निम्नलिखित पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर चुने । 1x5=5

(I) समाचार के ककार हैं -

(i) 5 (ii) 8 (iii) 6 (iv)9

(II) समाचार पत्र में खबर को प्रकाशित करने की निर्धारित समय सीमा को कहते हैं |

(i) शोर (ii) बीट (iii) डेड लाइन (iv) कोई नहीं

(III) संचार में आने वाली बाधा को कहते हैं |

(i) शोर (ii) बीट (iii) डेड लाइन (iv) कोई नहीं

(IV) भारत में पहला छापाखाना खोला गया |

(i) 1567 (ii) 1556 (iii) 1657 (iv)1565

(V) समाचारलिखा जाता है|

(i) उल्टा पिरामिड शैली में (ii) सीधा पिरामिड शैली में

(iii) कहानी शैली में (iv) कोई नहीं

प्रश्न 4) निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 1 x 5 = 5

"प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे / भोर का नभ / राख से लीपा चौका / (अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर / से कि जैसे धुल गई हो / स्लेट पर या लाल खड़िया चाक / मल दी हो किसी ने नील जल में या किसी की / गौर झिलमिल देह / जैसे हिल रही हो | / और ..... / जादू टूटता है इस उषा का अब सूर्योदय हो रहा है|"

I)नीले आसमान की तुलना किससे की गई है? 1

i) नील गाय से ii) नील पशु से iii) नीले शंख से iv) शंख से

II)भोर के नभ और राख से लीपे गए चौके में क्या समानता है? 1

i) दोनों में कालिमा है । ii) दोनों में भेद है । iii) दोनों में लालिमा है । iv) दोनों दिखाई नहीं देते हैं।

III) उषा का जादू टूटता हैमें <u>जादू</u> से क्या अभिप्राय है? 1

i) सूर्य ii) आकर्षण एवं सुंदरता iii) चंद्रमा iv) तारे

IV) सिल केसर से धुल गई हो से – किसकी ओर इशारा है? 1

i) आसमान के बदरंग की ओर ii) आसमान के लाल रंग की ओर

iii) आसमान के नारंगी रंग की ओर iv) आसमान के सफ़ेद रंग की ओर

V)इस कविता के कवि का नाम है। 1

i) बहादुर सिंह ii) शमशेर बहादुर सिंह iii) भगत सिंह iv) कुँवर सिंह

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 5x1=5

जाति प्रथा के पोषक जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता, जो किसी को नहीं है, तो इसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता | 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है| यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है| उदाहरणार्थ, जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है,जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं।

(I)जाति प्रथा के पोषक क्या स्वीकार करते हैं ? 1

i)जाति प्रथा के पोषक संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को स्वीकार करते हैं ।

ii)जाति प्रथा के पोषक जीवन के अधिकार की स्वतंत्रता को स्वीकार करते हैं ।

iii)जाति प्रथा के पोषक शारीरिक सुरक्षा के अधिकार की स्वतंत्रता को स्वीकार करते हैं ।

iv)जाति प्रथा के पोषक जीवन, शारीरिक सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को स्वीकार करते हैं ।

(II) इच्छा के विरुद्ध लोगों को क्या अपनाने पड़ते हैं? 1

i) पेशा ii) यात्रा iii) घर iv) जायदाद

(III) जाति-प्रथा के पोषक मनुष्य की किस स्वतंत्रता का विरोध करते हैं? 1

i) व्यवसाय अपनाने की। ii) पगड़ी पहनने की। iii) जागने की। iv) सोने की।

(IV) दासता का क्या अर्थ है? 1

i) स्वाधीनता ii) स्वराज्य iii) पराधीनता iv) स्वदेशी

(V) इस पाठ के लेखक का नाम क्या है? 1

i) डॉ॰ भीमराव आंबेडकर ii) हज़ारीप्रसाद द्विवेदी iii) निर्मल वर्मा iv) महादेवी वर्मा

प्रश्न 6. नीचे दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर चुनकर लिखें। 10X1=10

(I) 'सिल्वर वेडिंग 'पाठ की मुख्य समस्या क्या है? 1

i) पत्नी का आधुनिक बन जाना। ii) यशोधर और किशन दा की दोस्ती। iii) पीढ़ी का अंतराल iv) बाप-बेटे में अनबन

(II) न॰ वा॰ सौन्दलगेकर –एक सफल शिक्षक हैं क्योंकि: 1

i) छात्रों को लगन से पढ़ाते हैं। ii) मराठी भाषा पढ़ाते हैं।

iii) अंग्रेजी की भी कविताएं सुनाते हैं। iv) अपने घर में रहते हैं।

(III) 'सिंधु घाटी सभ्यता 'के दो प्रमुख शहर कौन से हैं? 1

i) हड़प्पा और मोहनजोदाड़ो। ii) लाहौर और इस्लामाबाद। iii) अमृतसर और राखलगढ़ iv) दिल्ली और कानपुर

(IV) प्रश्न 5. लेखक ने नगर भारत का सबसे पुराना लैंडस्केप किसे कहा है? 1

क.बौद्ध स्तूप को ख.कुंड को ग.ऊंचे चबुतरे को घ. मेहराब को

(V) लेखक के यहां ईख पेरने का कोल्हू जल्दी क्यों शुरू किया जाता था? 1

क.ताकि ज्यादा गुड़ निकल सके ख .ताकि भाव ज्यादा मिल सके

ग.ताकि बढ़िया गुड़ मिल सके घ.इनमें से कोई नहीं

(VI) 'सिल्वर वेडिंग 'पाठ के अनुसार बताइये कि किशन दा की मौत 'जो हुआ होगा से हुई' का क्या आशय है? 1

i) उम्रदराज होने के कारण ii) कोरोना से iii) कैंसर से iv) पता नहीं किस वजह से हुई।

(VII)'जूझ' पाठ के आधार पर बताइये कि लेखक के मन में कविता लिखने का आत्मविश्वास कब पैदा हुआ? 1

i) जब उसने हिन्दी सीखी। ii) जब उसने कविता गाना शुरू किया।

iii) जब उसने अपने शिक्षक से –उनकी 'भैंस' बैल पर लिखी कविता सुनी।

iv) जब उसने अपने शिक्षक से –उनकी मालती की बेल पर लिखी कविता सुनी।

(VIII)'जूझ' का क्या अर्थ है? 1

i) चुनौती ii) संघर्ष iii) अनबन iv) झूलना

(IX)यशोधर बाबू को स्वयं के लिए कौन सा संबोधन पसंद था? 1

क.कुंवर सा ख .कुंवर सा ग.लाडेसर बाबू घ. भाऊ

(X)'सिंधु घाटी सभ्यता किस तरह की सभ्यता थी? 1

i) आडंबरपूर्ण सभ्यता ii) लो प्रोफ़ाइल सभ्यता iii) दिखावे की सभ्यता iv) हाई प्रोफ़ाइल सभ्यता

(खंड -'ब') –वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 7..निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए| 5

(क) बोर्ड परीक्षा में मेरा पहला दिन |

(ख) सावन की पहली बरसात

(ग) मेरा प्रिय शौक / रूचि (हॉबी)

(घ) जातिवाद का जहर |

प्रश्न 8.कोरोना के बढ़ते मामले को ध्यान में रखते हुए अपने कॉलोनी की सुरक्षा के लिए नियमित सेनेटाईजेशन की मांग करते हुए अपने नगर निगम के आयुक्त को पत्र लिखिए | 5

अथवा

अपने आप को चेन्नई निवासी प्रदीप मानते हुए राजस्थान पत्रिका के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें नई शिक्षा नीति 2020 पर विचार व्यक्त किए गए हों |

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में लिखिए |

(i) कहानी के नाट्य रूपांतरण में आने वाली चुनौतियों का उल्लेख करें| । 3

अथवा

रेडियो नाटक की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(ii) कहानी और नाटक में क्या क्या समानताएं हैं ? 2

अथवा

'कैप्टिव ऑडियंस' किसे कहते हैं?

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 50 शब्दों में लिखिए |

i) उल्टा पिरामिड शैली में समाचार लेखन को चित्र के माध्यम से समझाइए । 3

अथवा

सम्पादकीय लेखन से आप क्या समझते है ?

ii) समाचार की परिभाषा लिखकर उसके तत्वों के नाम लिखिए । 2

अथवा

फीचर और समाचार लेखन के बीच के अंतर को स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 11. निम्नलिखित में किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 में लिखें | 3 x 2 = 6

i) सूर्योदय से पहले आकाश में क्या-क्या परिवर्तन आते हैं ? उषा कविता के आधार पर बताइए।

ii) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों को कविता रेखांकित करती है?

iii) कवितावली के कवितों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ थी|

प्रश्न 12. निम्नलिखित में किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों में लिखिए | 2 x 2 = 4

i) कविता की तुलना बच्चो के खेल से क्यों की गई है?

ii) माँ बच्चे को किस प्रकार तैयार करती है?

ii) कवि के कदम शिथिल क्यों हो जाते है ? कविता "दिन जल्दी-जल्दी ढलता है" के आधार पर उत्तर लिखिए ।

प्रश्न 13॰ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 शब्दों में लिखिए | 3 x 2 = 6

i) भक्तिन अपना वास्तविक नाम क्यों छुपाती थी ? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया होगा ?

ii) बाज़ार का जादू क्या है ? उसके चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है ? स्पष्ट कीजिए |

iii)लुट्टन पहलवान ढोल को अपना गुरू क्यों मानता था ?

प्रश्न 14॰ निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 2 x 2 = 4

i) गगरी फूटी बैल प्यासा – गीत में बैलों के प्यासे रहने की बात क्यों की गई है ?'काले मेघा पानी दे ' पाठ के आधार पर लिखिए ।

ii) पहलवान अपने दो बेटों के मर जाने पर भी रात भर ढोलक क्यों बजाता रहा ?

iii) 'श्रम विभाजन और जाति-प्रथा 'पाठ के आधार पर बताइए कि जाति आधारित श्रम विभाजन की क्या – क्या खामियाँ हैं?

****

महत्त्वपूर्ण लिंक- https://ncert.nic.in/textbook.php **- एन सी ई आर टी किताबें**

https://epathshala.nic.in/ **- ई-पाठशाला**

https://diksha.gov.in/index.html **- दीक्षा पोर्टल**